विभागीय निर्णयबाट स्वीकृत: २०७७/०५/०३

**कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७७**

**आर्थिक बर्ष २०७७/७८**

****

**नेपाल सरकार**

**वन तथा वातावरण मन्त्रालय**

**राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभाग**

**बबरमहल, काठमाडौं**

[**कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७७** 10](#_Toc48464970)

[परिचय 10](#_Toc48464971)

[कार्यक्रम कार्यान्वयन हुने क्षेत्र 10](#_Toc48464972)

[कार्यक्रम अनुगमन 12](#_Toc48464973)

[संरक्षित क्षेत्रमा सञ्चालन गरिने कृयाकलापहरु 13](#_Toc48464974)

[**(अ)**  **राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा आरक्ष आयोजना (३२९०३१०१)** 13](#_Toc48464975)

[**क. पूँजिगत कार्यक्रमहरु** 13](#_Toc48464976)

[**१. भवन निर्माण (३१११२)** 13](#_Toc48464977)

[**पोष्ट भवन निर्माण** 13](#_Toc48464978)

[**हिमालय रिसर्च सेन्टर भवन निर्माण** 13](#_Toc48464979)

[**२. मेशिन औजार खरिद (३११२२)** 13](#_Toc48464980)

[**३. कार्यालयको लागि फर्निचर खरिद (३११२३)** 14](#_Toc48464981)

[**४.** **कम्प्युटर सफ्टवेयर निर्माण तथा खरिद (३११३४)** 14](#_Toc48464982)

[**चौमासिक तथा बार्षिक प्रगति तयार गर्ने सफ्टवेयर निर्माण** 14](#_Toc48464983)

[**५.** **सडक तथा पुल निर्माण (३११५१) (सार्वजनिक निर्माण)** 14](#_Toc48464984)

[**वनपथ ग्राभेलिङ** 14](#_Toc48464985)

[**वनपथ निर्माण** 15](#_Toc48464986)

[**डढेलो नियन्त्रणका लागि अग्नीरेखा निर्माण** 15](#_Toc48464987)

[**गोरेटो बाटो निर्माण** 15](#_Toc48464988)

[**पर्यटक पद मार्ग निर्माण** 16](#_Toc48464989)

[**काठेपुल निर्माण** 16](#_Toc48464990)

[**कलभर्ट निर्माण** 16](#_Toc48464991)

[**६.** **खानेपानी संरचना निर्माण (३११५६)-(सार्वजनिक निर्माण)** 17](#_Toc48464992)

[**खानेपानी निर्माण (पाईप जडान)** 17](#_Toc48464993)

[**खानेपानी मुहान संरक्षण तथा व्यवस्थापन** 17](#_Toc48464994)

[**खानेपानी ट्युवेल निर्माण** 17](#_Toc48464995)

[**खानेपानी ट्यांकि निर्माण** 18](#_Toc48464996)

[**सोलार वाटर हिटर व्यवस्थापन** 18](#_Toc48464997)

[**७.** **वन तथा वातावरण संरक्षण (३११५७) –सार्वजनिक निर्माण** 18](#_Toc48464998)

[**नर्सरी स्थापना तथा संचालन** 18](#_Toc48464999)

[**वन्यजन्तुका लागि पानीपोखरी निर्माण** 18](#_Toc48465000)

[**वन्यजन्तुको पानीपोखरीमा बोरिङ जडान** 19](#_Toc48465001)

[**वन्यजन्तुको पोखरीमा पानी व्यवस्थापनका लागी टयांकी सहितको ट्याक्टर व्यवस्थापन** 19](#_Toc48465002)

[**वन्यजन्तुका पोखरीमा पानी व्यवस्थापन** 20](#_Toc48465003)

[**रामसार/सिमसार क्षेत्र व्यवस्थापन/पुनस्थापना (Restoration)** 20](#_Toc48465004)

[**डढेलो नियन्त्रणका लागि पानी पोखरी निर्माण** 20](#_Toc48465005)

[**घाँसे मैदान निर्माण** 21](#_Toc48465006)

[**मेषजाली सहित तारवार निर्माण** 21](#_Toc48465007)

[**सोलार फेन्स निर्माण/विद्युतीय तारवार निर्माण** 22](#_Toc48465008)

[**वन्यजन्तु उद्धार केन्द्र निर्माण तथा व्यवस्थापन** 22](#_Toc48465009)

[**हात्ती, चितुवा प्रभावित क्षेत्रमा सोलार आउटडोर ल्याम्प जडान** 22](#_Toc48465010)

[**फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि खाडल निर्माण** 22](#_Toc48465011)

[**पोष्टमा सोलार जडान** 23](#_Toc48465012)

[**क्याम्पसाईट निर्माण** 23](#_Toc48465013)

[**पर्यटक विश्रामस्थल निर्माण** 23](#_Toc48465014)

[**पानीपोखरीमा बोरिङ सहितको सोलार जडान** 24](#_Toc48465015)

[**कृष्णसारको लागि माउण्ट निर्माण** 24](#_Toc48465016)

[**भ्यू -टावर (मचान) निर्माण** 24](#_Toc48465017)

[**वन्यजन्तु पक्राउका होल्डिङ केज निर्माण** 25](#_Toc48465018)

[**वन्यजन्तु अवलोकनका लागि पिपिङ टावर (Peeping Tower) निर्माण** 25](#_Toc48465019)

[**होमस्टे प्रवर्द्धन /संचालन सहयोग** 25](#_Toc48465020)

[**स्थान्तरित अर्नाको ईन्कोल्जर भित्र सोलार जडित पम्प व्यवस्थापन** 26](#_Toc48465021)

[**सामुदायिक वनको विधान तथा कार्ययोजना निर्माण/ नविकरण** 26](#_Toc48465022)

[**डिप बोरिङ स्थलमा पानी ट्यांकी निर्माण** 26](#_Toc48465023)

[**८.** **अन्य सार्वजनिक निर्माण (३११५९)** 27](#_Toc48465024)

[**साइनबोर्ड/ सूचनाबोर्ड / होर्डिंगबोर्ड निर्माण** 27](#_Toc48465025)

[**वेवसाइट निर्माण तथा संचालन** 27](#_Toc48465026)

[**सार्वजनिक शौचालय निर्माण** 27](#_Toc48465027)

[**गोलघर/प्रतिक्षालय निर्माण** 27](#_Toc48465028)

[**प्रवेशद्वार निर्माण** 28](#_Toc48465029)

[**मोटर ग्यारेज निर्माण** 28](#_Toc48465030)

[**रिटेनिङ वाल/ नदि पहिरो नियन्त्रण** 28](#_Toc48465031)

[**कम्पाउण्डवाल निर्माण** 28](#_Toc48465032)

[**तारवार /काँडेतारवार निर्माण** 29](#_Toc48465033)

[**भान्छाघर निर्माण** 29](#_Toc48465034)

[**९.** **पूँजिगत सुधार खर्च ( ३११७१)** 29](#_Toc48465035)

[**वनपथ मर्मत सुधार** 29](#_Toc48465036)

[**गोरेटो बाटो / पर्यटक मार्ग मर्मत तथा स्तरोन्नती** 29](#_Toc48465037)

[**काठेपुल मर्मत** 30](#_Toc48465038)

[**खानेपानी मर्मत सुधार** 30](#_Toc48465039)

[**वन्यजन्तुका पानी पोखरी मर्मत सुधार** 30](#_Toc48465040)

[**भ्यू -टावर (मचान) मर्मत सुधार** 31](#_Toc48465041)

[**साइनबोर्ड/ सूचनाबोर्ड / होर्डिंगबोर्ड मर्मत** 31](#_Toc48465042)

[**पर्यटकिय टिकट काउण्टर मर्मत सुधार** 31](#_Toc48465043)

[**प्रतिक्षालय / गोलघर मर्मत सुधार** 31](#_Toc48465044)

[**क्याम्पसाईट मर्मत** 32](#_Toc48465045)

[**कान्जिहाउस मर्मत** 32](#_Toc48465046)

[**सोलार फेन्स / तारवार मर्मत सुधार** 32](#_Toc48465047)

[**धार्मिक तथा साँस्कृतिक सम्पदा संरक्षण सुधार** 32](#_Toc48465048)

[**निकुञ्जको सुबिधा प्राप्त बाटो/ मार्गको झाडि सफाई** 33](#_Toc48465049)

[**भवन मर्मत सुधार** 33](#_Toc48465050)

[**विभाग/ कार्यालयको परिसर तथा वगैंचा मर्मत सुधार** 33](#_Toc48465051)

[**विद्युतीय पर्यटक सूचना केन्द्र व्यवस्थापन** 33](#_Toc48465052)

[**१०.** **पूँजिगत अनुसन्धान तथा परामर्श (३११७२)** 34](#_Toc48465053)

[**व्यवस्थापन कार्ययोजना निर्माण /पुन:निर्माण** 34](#_Toc48465054)

[**प्राणी उद्यान स्थापना सम्भाव्यता अध्ययन** 34](#_Toc48465055)

[**ख. चालु खर्च कार्यक्रमहरु** 35](#_Toc48465056)

[**१.** **कर्मचारी तालिम (२२५११)** 35](#_Toc48465057)

[**गेमस्काउट/सेनालाई पुनर्ताजकि तालिम** 35](#_Toc48465058)

[**आखेटोपहार तथा जडिबुटी पहिचान सम्वन्धी तालिम** 35](#_Toc48465059)

[**वन्यजन्तु अपराध नियन्त्रण व्युरोमा संलग्न निकायका कर्मचारीको अभिमुखिकरण तालिम** 35](#_Toc48465060)

[**२.** **सीप विकास तथा क्षमता अभिबृद्धि तालिम तथा गोष्ठी** 36](#_Toc48465061)

[**वन्यजन्तुको आनीवानी सम्वन्धी सचेतना गोष्ठी** 36](#_Toc48465062)

[**सरोकारवालाहरुसँग संरक्षण सम्वन्धी अन्तरक्रिया गोष्ठी** 36](#_Toc48465063)

[**जैविक विविधता संरक्षण सम्वन्धी समन्वय गोष्ठी** 36](#_Toc48465064)

[**वन्यजन्तु अपराध नियन्त्रण व्यूरो बैठक /गोष्ठी** 37](#_Toc48465065)

[**सरोकारवाला निकायहरुसँगको समन्वय बैठक/गोष्ठी** 37](#_Toc48465066)

[**मानव-वन्यजन्तु द्वन्द न्यूनिकरण सचेतना गोष्ठी** 37](#_Toc48465067)

[**सामुदायिक वन व्यवस्थापन तालिम/गोष्ठी** 37](#_Toc48465068)

[**राष्ट्रिय वन्यजन्तु अ. नि. समन्वय समिति / राष्ट्रिय बाघ संरक्षण समिति वैठक** 38](#_Toc48465069)

[**३.** **कार्यक्रम खर्च (२२५२२)** 38](#_Toc48465070)

[**बार्षिक प्रगति पुस्तिका प्रकाशन** 38](#_Toc48465071)

[**संरक्षण सम्वन्धी प्रचार प्रसार सामाग्री उत्पादन तथा वितरण** 38](#_Toc48465072)

[**रामसार / सिमसार संरक्षण सम्वन्धी प्रचार प्रसार सामाग्री उत्पादन तथा वितरण** 38](#_Toc48465073)

[**संरक्षण सम्वन्धी संचार माध्यमबाट प्रचार प्रसार** 39](#_Toc48465074)

[**रामसार / सिमसार संरक्षण सम्वन्धी संचार माध्यमबाट प्रचार प्रसार** 39](#_Toc48465075)

[**संरक्षित क्षेत्रको ऐन, नियम, निर्देशिकाको संगालो प्रकाशन** 39](#_Toc48465076)

[**ईको क्लव संचालन सहयोग** 39](#_Toc48465077)

[**संरक्षण समाचार प्रकाशन** 40](#_Toc48465078)

[**अर्ना, गौरीगाई गणना** 40](#_Toc48465079)

[**घडियाल/कछुवा संरक्षण तथा व्यवस्थापन** 40](#_Toc48465080)

[**गिद्ध संरक्षण तथा व्यवस्थापन** 41](#_Toc48465081)

[**हात्ती, बाह्रसिंगाको अध्ययन तथा अनुगन** 41](#_Toc48465082)

[**हिउँदे आगन्तुक चराको सर्वेक्षण** 41](#_Toc48465083)

[**मुख्य मुख्य खर्कहरुको म्यापिङ** 41](#_Toc48465084)

[**मानव वन्यजन्तु द्वन्द सम्वन्धी अध्ययन** 42](#_Toc48465085)

[**चितवन रा.नि. र माथिल्लो जलाधार क्षेत्रको पानीको गुणस्तर मापन सम्वन्धी अध्ययन** 42](#_Toc48465086)

[**निर्माण भएका भौतिक पूर्वाधारहरुको जि.पि.एस. सहितको अभिलेख व्यवस्थापन** 42](#_Toc48465087)

[**घाँसेमैदान व्यवस्थापन** 42](#_Toc48465088)

[**खर्क व्यवस्थापन** 43](#_Toc48465089)

[**मिचाहा प्रजाती नियन्त्रण** 43](#_Toc48465090)

[**कृष्णसारको लागि मौसमी खेती** 43](#_Toc48465091)

[**अतिक्रमण नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन** 44](#_Toc48465092)

[**बरामद वन पैदावार व्यवस्थापन** 44](#_Toc48465093)

[**आखेटोपहार ब्यबस्थापन** 44](#_Toc48465094)

[**प्लाष्टिक सामग्री नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन** 45](#_Toc48465095)

[**चोरी शिकार नियन्त्रण स्विप अप्रेशन** 45](#_Toc48465096)

[**चोरी शिकार नियन्त्रणमा युवा परिचालन अभियान** 45](#_Toc48465097)

[**चोरी शिकार नियन्त्रण संयुक्त गस्ती** 45](#_Toc48465098)

[**वन डढेलो व्यवस्थापन** 46](#_Toc48465099)

[**घाईते टुहुरा तथा समस्यामुलक वन्यजन्तु व्यवस्थापन** 46](#_Toc48465100)

[**मानव वस्तीबाट वन्यजन्तु उद्दार र व्यवस्थापान** 46](#_Toc48465101)

[**पर्यटकिय क्षेत्रको फोहोर मैला व्यवस्थापन (सरसफाई)** 47](#_Toc48465102)

[**कार्यक्रम अनुगमन तथा मूल्यांकन** 47](#_Toc48465103)

[**मुद्दा अनुसन्धान तथा तहकिकात** 47](#_Toc48465104)

[**वन्यजन्तुबाट टुहुरा वनाईएका बालबालिकालाई छात्रवृत्ती** 47](#_Toc48465105)

[**पोखराका तालहरुको संरक्षण तथा व्यवस्थापन** 48](#_Toc48465106)

[**४.** **विविध कार्यक्रम खर्च (२२५२९)** 48](#_Toc48465107)

[**संरक्षित क्षेत्रभित्र लाग्ने मेला व्यवस्थापन** 48](#_Toc48465108)

[**वन्यजन्तु सप्ताह (१-७ वैशाख)** 48](#_Toc48465109)

[**विश्व सिमसार दिवस (फेब्रुअरी २)** 48](#_Toc48465110)

[**बाघ दिवस (जुलाई २९)** 49](#_Toc48465111)

[**५.** **सरकारी निकाय, समितिलाई चालु अनुदान (२६४११)** 49](#_Toc48465112)

[**कंचनजघा सं.क्षे.व्य.परिषद् संचालन सहयोग अनुदान** 49](#_Toc48465113)

[**६.** **अन्य संस्थालाई चालु अनुदान (२६४१३)** 49](#_Toc48465114)

[**उपभोक्ता समिति मार्फत वृक्षारोपणका लागि अनुदान** 49](#_Toc48465115)

[**(आ) राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभाग (३२९०३०११)** 50](#_Toc48465116)

[**क. पूँजिगत कार्यक्रमहरु** 50](#_Toc48465117)

[**१. भवन निर्माण(३१११२)** 50](#_Toc48465118)

[**अधुरो सभाहल निर्माण तथा व्यवस्थापन** 50](#_Toc48465119)

[**अधुरो भवन निर्माण** 50](#_Toc48465120)

[**२. मेशिन औजार खरिद (३११२२)** 50](#_Toc48465121)

[**३. फर्निचर तथा फिक्चर्स(३११२३)** 50](#_Toc48465122)

[**५.** **कम्प्युटर सफ्टवेयर निर्माण तथा खरिद (३११३४)** 51](#_Toc48465123)

[**विभागको डाटावेस तयारी सफ्टवेयर निर्माण** 51](#_Toc48465124)

[**६.** **सडक तथा पुल निर्माण** 51](#_Toc48465125)

[**वनपथ निर्माण** 51](#_Toc48465126)

[**७.** **खानेपानी संरचना निर्माण** 51](#_Toc48465127)

[**खानेपानी निर्माण (पाईप जडान)** 51](#_Toc48465128)

[**८.** **वन तथा वातावरण संरक्षण** 51](#_Toc48465129)

[**सामुदायिक वनको विधान तथा कार्ययोजना निर्माण/ नविकरण** 51](#_Toc48465130)

[**विरुवा खरिद तथा रोपण** 52](#_Toc48465131)

[**वन्यजन्तु प्रकाउका लागि होल्डिङ्ग केज निर्माण** 52](#_Toc48465132)

[**प्राणी उद्यानको डिपिआर तयारी** 52](#_Toc48465133)

[**प्राणी उद्यान फेन्सिङ्ग** 52](#_Toc48465134)

[**वन्यजन्तुको प्रजाती संरक्षण कार्ययोजना नविकरण** 53](#_Toc48465135)

[**झारल र नाउरको गणना र शिकार कोटा निर्धारण** 53](#_Toc48465136)

[**नर्सरी संचालन** 53](#_Toc48465137)

[**गैडा गणना** 53](#_Toc48465138)

[**साइनबोर्ड र सूचनाबोर्ड निर्माण** 53](#_Toc48465139)

[**वेवसाइट निर्माण तथा संचालन** 54](#_Toc48465140)

[**सार्वजनिक शौचालय निर्माण** 54](#_Toc48465141)

[**गोलघर /प्रतिक्षालय निर्माण** 54](#_Toc48465142)

[**प्रवेशद्वार निर्माण** 54](#_Toc48465143)

[**मोटर ग्यारेज निर्माण** 55](#_Toc48465144)

[**टिमुरे प्राणी उद्यान स्थापना** 55](#_Toc48465145)

[**होर्डिङबोर्ड निर्माण** 55](#_Toc48465146)

[**कार्यालय भवन मर्मत सुधार खर्च** 55](#_Toc48465147)

[**विभाग/कार्यालयको परिसरर बगैंचा मर्मत सुधार** 56](#_Toc48465148)

[**९.** **पुँजिगत अनुसन्धान तथा परामर्श (३११७२)** 56](#_Toc48465149)

[**प्राणी उद्यान स्थापना सम्भाव्यता अध्ययन** 56](#_Toc48465150)

[**ख. चालु खर्च कार्यक्रम** 56](#_Toc48465151)

[**१. कर्मचारी तालिम (२२५११)** 56](#_Toc48465152)

[**राष्ट्रिय अनुसन्धान विभागका कर्मचारीहरुलाई वन्यजन्तु अपराध नियन्त्रण सम्वन्धी तालिम** 56](#_Toc48465153)

[**२. सीप विकास तथा क्षमता अभिबृद्धि तालिम तथा गोष्ठीहरु (२२५१२)** 56](#_Toc48465154)

[**पूर्व योजना तर्जुमा गोष्ठी** 56](#_Toc48465155)

[**संरक्षित क्षेत्रका प्रमुखहरुको सम्मेलन (वार्डेन सेमिनार)** 57](#_Toc48465156)

[**मध्यवर्ती क्षेत्र व्यवस्थापन समितिका अध्यक्षहरुको भेला** 57](#_Toc48465157)

[**सरोकारवाला निकायसँग समन्वय बैठक/गोष्ठी** 57](#_Toc48465158)

[**वार्षिक प्रगती समिक्षा गोष्ठी** 58](#_Toc48465159)

[**जडीबुटी वन पैदावर खेती विस्तार तालिम** 58](#_Toc48465160)

[**कबुलियाति वन व्यवस्थापन तालिम** 58](#_Toc48465161)

[**लैंगिक तथा समावेशी सशत्तिकरण तालिम** 58](#_Toc48465162)

[**सामुदायिक वन व्यवस्थापन सम्वन्धी गोष्ठी** 58](#_Toc48465163)

[**सामुदायिक वन सचेतना सम्वन्धी सडक नाटक** 59](#_Toc48465164)

[**३. कार्यक्रम खर्च (२२५२२)** 59](#_Toc48465165)

[**वार्षिक प्रगति पुस्तिका प्रकाशन** 59](#_Toc48465166)

[**संरक्षण सम्वन्धी प्रचार प्रसार सामाग्री उत्पादन तथा वितरण** 59](#_Toc48465167)

[**संरक्षण सम्वन्धी संचार माध्यमबाट प्रचार प्रसार** 60](#_Toc48465168)

[**संरक्षण सम्वन्धी स्कूल शिक्षा कार्यक्रम** 60](#_Toc48465169)

[**पुस्तकालय व्यवस्थापन** 60](#_Toc48465170)

[**अन्तराष्ट्रिय सन्धी महासन्धीको प्रतिवेदन तयारी** 61](#_Toc48465171)

[**ईको क्लव संचालन सहयोग** 61](#_Toc48465172)

[**जैविक विविधता संरक्षण सम्वन्धी अध्ययन, अनुसन्धानको प्रतिवेदन प्रकाशन** 61](#_Toc48465173)

[**प्रजाति संरक्षण कार्ययोजनाको छपाई ( ३ प्रजाती)** 61](#_Toc48465174)

[**बाघको आहारा प्रजातीको अनुगमन** 61](#_Toc48465175)

[**वन डढेलो व्यवस्थापन** 62](#_Toc48465176)

[**टुहुरा तथा समस्यामुलक वन्यजन्तु व्यवस्थापन** 62](#_Toc48465177)

[**जीविकोपार्जन सूधार योजना (LIP) कार्यान्वयन सहयोग** 63](#_Toc48465178)

[**माहुरी पालन सहयोग** 63](#_Toc48465179)

[**SAWEN संचालन कार्यविधी तयारी** 63](#_Toc48465180)

[**कार्यक्रम अनुगमन तथा मूल्यांकन** 63](#_Toc48465181)

[**सहभागितात्मक अनुगमन** 63](#_Toc48465182)

[**वन्यजन्तुबाट भएको क्षतिको राहत वितरण अनुगमन** 64](#_Toc48465183)

[**४. विविध कार्यक्रम खर्च (२२५२९)** 64](#_Toc48465184)

[**वन्यजन्तु सप्ताह (१-७ वैशाख)** 64](#_Toc48465185)

[**विश्व सिमसार दिवस (फेब्रुअरी २)** 64](#_Toc48465186)

[**बाघ दिवस (जुलाई २९)** 64](#_Toc48465187)

[**५. सरकारी निकाय समितिलाई चालु अनुदान (२६४११)** 65](#_Toc48465188)

[**मध्यवर्ती क्षेत्र व्यवस्थापन कार्यक्रम** 65](#_Toc48465189)

[**६.** **उद्दार, राहत तथा पुनर्स्थापना खर्च (२७२१२)** 65](#_Toc48465190)

[**वन्यजन्तुबाट हुने क्षतिको राहत सहयोग** 65](#_Toc48465191)

[**इ. हात्तीसारहरु** 66](#_Toc48465192)

[**क. पूँजिगत खर्च** 66](#_Toc48465193)

[**१. भवन निर्माण** 66](#_Toc48465194)

[**हात्तिसार भवन निर्माण** 66](#_Toc48465195)

[**हात्तीको दाना राख्ने स्टोर भवन निर्माण** 66](#_Toc48465196)

[**२. मेशिन औजार खरिद** 66](#_Toc48465197)

[**३. फर्निचर खरिद (३११२३)** 66](#_Toc48465198)

[**४. खानेपानी संरचना निर्माण (३११५६)** 67](#_Toc48465199)

[**खानेपानी निर्माण (पाईप जडान)** 67](#_Toc48465200)

[**खानेपानी ट्युवेल निर्माण** 67](#_Toc48465201)

[**५. वन तथा वातावरण संरक्षण (३११५७)** 67](#_Toc48465202)

[**हात्ती र चितुवा प्रभावित क्षेत्रमा सोलार आउटडोर ल्याम्प जडान** 67](#_Toc48465203)

[**पोष्टमा सोलार जडान** 67](#_Toc48465204)

[**पर्यटक विश्रामस्थल निर्माण** 68](#_Toc48465205)

[**६.** **अन्य निर्माण (३११५९)** 68](#_Toc48465206)

[**हात्तीको सेडघर निर्माण** 68](#_Toc48465207)

[**सार्वजनिक शौचालय निर्माण** 68](#_Toc48465208)

[**गोलघर/ प्रतिक्षालय निर्माण** 68](#_Toc48465209)

[**मोटर ग्यारेज निर्माण** 69](#_Toc48465210)

[**फलामे बार निर्माण(हात्तीसार)** 69](#_Toc48465211)

[**हात्तीको हौदा, गद्दा, धर्ना, छनुवा निर्माण** 69](#_Toc48465212)

[**७.** **पूँजिगत सुधार खर्च (३११७१)** 69](#_Toc48465213)

[**खानेपानी मर्मत (पाईप जडान)** 69](#_Toc48465214)

[**खानेपानी मर्मत (ट्युबेल)** 69](#_Toc48465215)

[**कार्यालय भवन मर्मत सुधार** 70](#_Toc48465216)

[**हात्तीको सेड घर मर्मत** 70](#_Toc48465217)

[**शौचालय मर्मत** 70](#_Toc48465218)

[**बिजुली वाइरिंग मर्मत** 70](#_Toc48465219)

[**हात्तीको हौदा, गद्दा मर्मत** 70](#_Toc48465220)

[**हात्ती चढ्ने मचान मर्मत** 71](#_Toc48465221)

[**ख. चालु कार्यक्रम खर्च** 71](#_Toc48465222)

[**१. कर्मचारी तालिम (२२५११)** 71](#_Toc48465223)

[**हात्तीसारका कर्मचारीलाई हात्ती व्यवस्थपन तालिम** 71](#_Toc48465224)

[**२. सीप विकास तथा क्षमता अभिवृद्धि तालीम/गोष्ठी(२२५१२)** 71](#_Toc48465225)

[**वच्चा हात्तीलाई तालिम** 71](#_Toc48465226)

[**३. कार्यक्रम खर्च (२२५२२)** 71](#_Toc48465227)

[**हात्तिसार व्यवस्थापन** 71](#_Toc48465228)

# **कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७७**

## परिचय

प्राकृतिक सौन्दर्यको दृष्ट्रिकोणले बिशेष महत्व बोकेको स्थानहरुको संरक्षण, सम्बर्दन तथा व्यवस्थापन, वन्यजन्तुहरुको बासस्थान संरक्षण, चोरी शिकार र अबैध ब्यापार नियन्त्रण गरि प्राप्त उपलब्धिबाट प्रभावित जनताको जिबिकोपार्जनमा टेवा पुराउने उद्देश्यले संरक्षित क्षेत्रको व्यवस्थापन गरिन्छ | संरक्षित क्षेत्रहरुले लोपोन्मुख, दुर्लभ र संकटापन्न वन्यजन्तु तथा वनस्पतिहरुको दीगो संरक्षण तथा व्यवस्थापनमा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएका छन् | त्यसैले मुलुकमा विद्यमान विभिन्न पारिस्थितिकीय प्रणालीहरुको (Ecosystem) प्रतिनिधित्व हुने गरि संरक्षित क्षेत्रहरुको स्थापाना गरिएको छ |

आर्थिक वर्ष ०७७/७८ मा राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभाग र अन्तर्गतका कार्यालयबाट सञ्चालन गरिने कार्यक्रमहरुको कार्यान्वयनका लागि यो मार्गदर्शन तयार गरि लागु गरिएको हो । यस आर्थिक वर्षमा सञ्चालन गरिने कार्यक्रम/आयोजनाहरु निम्नानुसार रहेका छन् ।

 १. राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभाग (३२९०३०११)

 २. राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा आरक्ष आयोजना (३२९०३१०१)

 ३. हात्तिसार आयोजना(३२९०३०१३)

 ४. प्रकृतिमा आधारित पर्यटन कार्यक्रम (३२९०११०४)

## कार्यक्रम कार्यान्वयन हुने क्षेत्र

1. **राष्ट्रिय निकुन्ज तथा आरक्ष आयोजना (३२९०३१०१)**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| १. | चितवन राष्ट्रिय निकुन्ज  | २. | बांके राष्ट्रिय निकुन्ज  |
| ३. | बर्दिया राष्ट्रिय निकुन्ज  | ४. | शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुन्ज |
| ५. | पर्सा राष्ट्रिय निकुन्ज  | ६. | कोशीटप्पु वन्यजन्तु आरक्ष  |
| ७. | राष्ट्रिय निकुन्ज तथा वन्यज्तु संरक्षण विभाग | ८. | शिवपुरी नागार्जुन राष्ट्रिय निकुन्ज  |
| ९. | लामटाङ राष्ट्रिय निकुन्ज  | १०. | सगरमाथा राष्ट्रिय निकुन्ज  |
| ११. | मकालु वरुण राष्ट्रिय निकुन्ज  | १२. | रारा राष्ट्रिय निकुन्ज |
| १३. | शे-फोकसुण्डो राष्ट्रिय निकुन्ज | १४. | खप्तड राष्ट्रिय निकुन्ज  |
| १५. | ढोरपाटन शिकार आरक्ष  | १६. | अपिनम्पा संरक्षण क्षेत्र  |
| १७. | कृष्णसार संरक्षण क्षेत्र | १८.  | कंचनजंघा संरक्षण क्षेत्र  |
| १९. | अन्नपुर्ण संरक्षण क्षेत्र सम्पर्क कार्यालय  | २०. | मनास्लू संरक्षण क्षेत्र सम्पर्क कार्यालय |
| २१ | गौरीशंकर संरक्षण क्षेत्र सम्पर्क कार्यालय |  |  |

1. **राष्ट्रिय निकुन्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभाग (३२९०३०११)**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **१.** | **राष्ट्रिय निकुन्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभाग**  |  |  |
| **२.** | **दक्षिण एशिया कानून कार्यान्वयन सञ्जाल (SAEWN)** |  |  |
| **३.** | **प्राणी उद्यान तथा वन्यजन्तु पालन प्रजनन कार्यक्रम**  |  |  |
| १ | राष्ट्रिय प्राणी उद्यान | २ | भानुभक्त प्राणी उद्यान  |
| **४.** | **मध्यवर्ती क्षेत्र व्यवस्थापन कार्यक्रम**  |  |  |
| १ | चितवन राष्ट्रिय निकुञ्ज  | २ | बाँके राष्ट्रिय निकुञ्ज |
| ३ | बर्दिया राष्ट्रिय निकुञ्ज | ४ | शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्ज |
| ५ | पर्सा राष्ट्रिय निकुञ्ज  | ६ | कोशीटप्पु वन्यजन्तु आरक्ष |
| ७ | शिवपुरी नागार्जुन राष्ट्रिय निकुञ्ज  | ८ | लामटाङ राष्ट्रिय निकुञ्ज |
| ९ | सगरमाथा राष्ट्रिय निकुञ्ज  | १० | मकालु बरुण राष्ट्रिय निकुञ्ज  |
| ११ | रारा राष्ट्रिय निकुञ्ज | १२ | शे-फोक्सुण्डो राष्ट्रिय निकुञ्ज  |
| १३ | खप्तड राष्ट्रिय निकुञ्ज | १४ | अपी-नाम्पा संरक्षण क्षेत्र  |
| १५ | कृष्णसार संरक्षण क्षेत्र | १६ | कंचनजङ्घा संरक्षण क्षेत्र  |
| **५.**  | **कबुलियती तथा सामुदायिक वन कार्यक्रम**  |  |  |
| १ | पर्सा राष्ट्रिय निकुञ्ज  | २ | चितवन राष्ट्रिय निकुञ्ज  |
| ३ | खप्तड राष्ट्रिय निकुञ्ज  | ४ | अपी-नाम्पा संरक्षण क्षेत्र  |
| ५ | गौरीशंकर संरक्षण क्षेत्र  |  |  |

1. **हात्तिसारहरु (३२९०३०१३)**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| १. | चितवन राष्ट्रिय निकुन्ज  | २. | बाँके राष्ट्रिय निकुन्ज  |
| ३. | बर्दिया राष्ट्रिय निकुन्ज  | ४. | शुक्लाफाँटा वन्यजन्तु आरक्ष  |
| ५. | पर्सा वन्यजन्तु आरक्ष  | ६. | कोशीटप्पु वन्यजन्तु आरक्ष  |

1. **प्रकृतिमा आधारित पर्यटन कार्यक्रम -#@()!!)$\_**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **क.** | **वैदेशिक श्रोत तर्फका संरक्षित क्षेत्रहरु** |  |  |
| १ | बाँके राष्ट्रिय निकुञ्ज  | २ | बर्दिया राष्ट्रिय निकुञ्ज  |
| ३ | शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्ज  | ४ | रारा राष्ट्रिय निकुञ्ज  |
| ५ | राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभाग  |  |  |
| **ख.** | **नेपाल सरकार श्रोत तर्फका संरक्षित क्षेत्रहरु**  |  |  |
| १ | चितवन राष्ट्रिय निकुञ्ज  | २ | पर्सा राष्ट्रिय निकुञ्ज  |
| ३ | कोशीटप्पु वन्यजन्तु आरक्ष | ४ | शिवपुरी नागार्जुन राष्ट्रिय निकुञ्ज  |
| ५ | लामटाङ राष्ट्रिय निकुञ्ज | ६ | सगरमाथा राष्ट्रिय निकुञ्ज  |
| ७ | मकालु बरुण राष्ट्रिय निकुञ्ज  | ८ | शे-फोक्सुण्डो राष्ट्रिय निकुञ्ज  |
| ९ | खप्तड राष्ट्रिय निकुञ्ज  |  |  |



## कार्यक्रम अनुगमन

फिल्ड स्थित कार्यालयका कार्यालय प्रमुखले आफ्नो क्षेत्रमा नियमित रुपमा सञ्चालनमा रहेका क्रियाकलापहरुको अनुगमन गर्नेछन । कृयाकलाप सम्पन्न पश्चात सम्बन्धित कार्यालयले प्रत्येक आ.ब.को सम्पन्न कार्यक्रमको नाम, सम्पन्न क्रियाकलापको फोटो, कार्यक्रम भएको स्थान, लागत र सम्पन्न भएको मिति समेत खुलाई **कार्यक्रम सम्पन्न अभिलेख पुस्तिका** तयार गर्नेछन् । यो पुस्तिकाको एककपी छाँयाप्रति पहिलो चौमसिक भित्र राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभागलाई उपलव्ध गराउने छन् । राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभाग र वन तथा वातावरण मन्त्रालयबाट पनि कार्यक्रमको नियमित अनुगमन हुनेछ ।

## संरक्षित क्षेत्रमा सञ्चालन गरिने कृयाकलापहरु

## **(अ) राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा आरक्ष आयोजना (३२९०३१०१)**

### **क. पूँजिगत कार्यक्रमहरु**

#### **१. भवन निर्माण (३१११२)**

##### **पोष्ट भवन निर्माण**

 **स्थान**: सगरमाथा रा.नि.

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्रको मुख्य कार्यालय र सो अन्तर्गतका सेक्टर, पोष्टहरु गाउँ बस्ती भन्दा टाढा र संरक्षित क्षेत्र (जंगल) मा नै हुने हुँदा मुख्य कार्यालय, सेक्टर, पोष्ट भवनदेखि कर्मचारी आवास भवन, अतिथी गृह, हिरासत भवन जस्ता विभिन्न किसिमका भवनहरु निर्माण गर्नु पर्ने भएकोले यस क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत मुख्य कार्यालय र सेक्टर कार्यालय भवन निर्माण गर्दा सेवाग्राहीले कार्यालय प्रमुखको कोठादेखि अन्य शाखाहरु सजिलै देख्ने किसिमबाट निर्माण हुनुका साथै ढोका बाहिर शाखा/फाँटको नाम समेत लेखिनेछ । सेवाग्राहीहरुलाई आफ्नो पालो कुर्न बस्ने कुर्सी सहितको स्थान समेत व्यवस्था हुनेगरी निर्माण गरिने छ । कार्यालय प्रमुख र शाखा/फाँटहरुमा जाने बाटोहरु अपाङ्ग मैत्री हुनेछन भने कार्यालय बाहिर महिला र पुरुषका लागि छूट्टाछुट्टै कोठा हुने गरी शौचालय समेत निर्माण गरिनेछ । पोष्टहरु निर्माण गर्दा कार्यालयको कोठा सहित कर्मचारीलाई आवास सुविधा समेत हुने गरि भवन निर्माण गरिनेछ । यस शीर्षक अन्तर्गत मुख्य कार्यालय, सेक्टर कार्यालय, रेञ्जपोष्ट, पोष्ट, अतिथि गृह, हिरासत भवन, अधुरो भवनहरु, सूचना केन्द्र आदि निर्माण गरिनेछन् ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचान गर्नुका साथै सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कृयाकलाप सम्पन्न गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. २५,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** सगरमाथा रा.नि.मा १ वटा पोष्ट भवन निर्माण भएको हुनेछ ।

##### **हिमालय रिसर्च सेन्टर भवन निर्माण**

**स्थान**: कंचनजँघा संरक्षण क्षेत्र

**क्रियाकलाप**: विशेष गरी हिउँ चितुवाको अध्ययन अनुसन्धान गर्ने प्रयोजनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । स्वीकृत डिजाईन, लागत अनुमानमा बहुबर्षिय कार्यक्रमको रुपमा यो अनुसन्धान केन्द्र निर्माण हुँदै आएको छ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचान गर्नुका साथै सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कृयाकलाप सम्पन्न गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:**यस कार्यका लागि यस बर्ष रु. २,५०,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** कंचनजंघा सं.क्षे.मा१ वटा हिमालयन रिसर्च सेन्टर भवन निर्माण भएको हुनेछ ।

#### **२. मेशिन औजार खरिद (३११२२)**

**स्थान**: चितवन, बाँके, बर्दिया, शुक्लाफाँटा, पर्सा, शिवपुरी, लामटाङ, सगरमाथा, मकालु, रारा,शे-फोक्सुण्डो, खप्तड रा.नि., कोशीटप्पु व.ज.आ., ढोरपाटन शि.आ., अपी-नाम्पा, कृष्णसार, कंचनजंघा, अन्नपूर्ण, मनास्लू र गौरीशंकर सं.क्षे. ।

**क्रियाकलाप**: यस अन्तर्गत कार्यालय प्रयोजनका लागि आवश्यक पर्ने मेशिन औजारहरु ल्यापटप, डेस्कटप कम्प्युरट, प्रिन्टर, फोटोकपी मेशीन, डिजिटल, क्यामेरा, बाईनाकुलर, जि.पि.एस. टि.भि. एयर कण्डिसन, स्क्यानर लगायतका उपकरण व्यवस्थापन गरिनेछन् । कार्यालयले प्रत्येक बर्ष यी मेशिन उपकरणहरुको अवस्था सहितको अभिलेख व्यवस्थापन गर्नेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट खरिद गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:**यस कार्यका लागि रु. ५९,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** कार्यालयको दैनिक कार्यमा प्रयोग हुने उपकरणहरुको व्यवस्थापनले कार्यालयको काममा शिघ्रता आएको हुनेछ ।

#### **३. कार्यालयको लागि फर्निचर खरिद (३११२३)**

**स्थान**: चितवन, बाँके, बर्दिया, शुक्लाफाँटा, पर्सा, शिवपुरी, लामटाङ, सगरमाथा, मकालु, रारा,शे-फोक्सुण्डो, खप्तड रा.नि., कोशीटप्पु व.ज.आ. ढोरपाटन शि.आ., अपी-नाम्पा, कृष्णसार र कंचनजंघा सं.क्षे. ।

**क्रियाकलाप**: यस अन्तर्गत कार्यालय संचालनका लागि आवश्यक पर्ने टेवल, , दराज, मेच, साधारण कुर्सी, सोफासेट, पर्दा , कार्पेट जस्ता फर्निचर तथा फिक्चर्स व्यवस्थापन गरिनेछन् ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट खरिद गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:**यस कार्यका लागि रु. २९,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** कार्यालय संचालनमा आवश्यक पर्ने फर्निचरको व्यवस्थापनले कार्यमा सहजता ल्याउनेछ ।

#### **कम्प्युटर सफ्टवेयर निर्माण तथा खरिद (३११३४)**

##### **चौमासिक तथा बार्षिक प्रगति तयार गर्ने सफ्टवेयर निर्माण**

**स्थान**: चितवन, बाँके, बर्दिया, शुक्लाफाँटा, पर्सा, शिवपुरी, लामटाङ, सगरमाथा, मकालु, रारा,शे-फोक्सुण्डो, खप्तड रा.नि., कोशीटप्पु व.ज.आ. ढोरपाटन शि.आ., अपी-नाम्पा, कृष्णसार र कंचनजंघा, अन्नपूर्ण, मनास्लू र गौरीशंकर सं.क्षे. ।

**क्रियाकलाप**: प्रत्येक कार्यालयले स्वीकृत बार्षिक कार्यक्रमको राष्ट्रिय योजना आयोगले तोकेको ढाँचामा चौमासिक तथा बार्षिक प्रगति तयार गरी तोकिएको समय भित्र तालुक कार्यालयमा पेश गर्नु पर्ने हुन्छ । चौमासिक प्रगति तयार गर्दा चालु, पूँजिगत लगायत यस चौमासिकको प्रगति र यस चौमासिक सम्मको प्रगति, भारित प्रगति तयार गर्दा समय धेरै लाग्ने भएकोले यसलाई छिटो छरितो, स्पष्ट र एकरुपता कायम गर्न सो को सफ्टवेयरको आवश्यकता महसुस गरी यस कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । सम्वन्धित कार्यालयले सेवा प्रदायक संस्थासंग यो सफ्टवेयर निर्माण वा खरिद गर्नेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट निर्माण तथा खरिद गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:**यस कार्यका लागि रु. २१,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** सफ्टवेयरको प्रयोगबाट छिटो र स्पष्ट रुपमा प्रगति प्रतिवेदन तयार भएको हुनेछ ।

#### **सडक तथा पुल निर्माण (३११५१) (सार्वजनिक निर्माण)**

##### **वनपथ ग्राभेलिङ**

**स्थान:**चितवन, बाँके, बर्दिया, कृष्णसार, पर्सा, कोशी, शिवपुरी नागार्जुन ।

 **क्रियाकलाप**:प्राय:गरि तराइका संरक्षित क्षेत्रहरुमा पर्यटकहरुलाई संरक्षित क्षेत्रको अबलोकन गर्न तथा कर्मचारीहरुबाट वन्यजन्तुको चोरी शिकार नियन्त्रणका लागि नियमित गस्ती गर्न नियमित रुपमा संचालन गर्न सकिने वनपथ हुनु पर्दछ । तर बर्षादको समयमा वनपथहरु हिलो र पानीका कारण संचालनयोग्य नहुने भएकोले त्यस्ता वनपथहरुमा ग्राभेलिङ गरी सवै मौसममा सवारी आवत जावत हुन सक्ने बनाउन यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत पानी जम्ने जस्ता ठाउँहरुमा ग्राभेल विछ्याउने वा ग्राभेलिङ गरी सवारी साधन नियमित रुपमा संचालन हुने व्यवस्था गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:**यस कार्यका लागि रु. २,२०,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** १०० कि.मि. वनपथ ग्राभेलिङ भई संरक्षित क्षेत्र भित्र सवै मौसममा आवत जावत गर्न सक्ने भै पर्यटकहरुलाई संरक्षित क्षेत्र अवलोकनमा सहज हुनुका साथै वन्यजन्तु तथा वनस्पतीको चोरी शिकार नियन्त्रणका लागी गस्ती गर्ने कार्यमा समेत सहयोग पुगेको हुनेछ ।

##### **वनपथ निर्माण**

**स्थान:**चितवन, बाँके, बर्दिया, कृष्णसार, पर्सा, कोशी, लामटाङ, अपी-नाम्पा ।

 **क्रियाकलाप**:प्राय:गरि तराइका संरक्षित क्षेत्रहरुमा पर्यटकहरुलाई संरक्षित क्षेत्रको अबलोकन गर्न तथा कर्मचारीहरुबाट वन्यजन्तुको चोरी शिकार नियन्त्रणका लागि नियमित गस्ती गर्न वनपथ तथा बाटोको आवश्यक पर्ने हुँदा यस क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत सकेसम्म ठुला रुखहरुलाई जोगाई बुट्यान, झाडि हटाउने, बाटोमा परेका रुखका ठुटा उखेल्ने, होचो भागमा माटो भर्ने, पानी जम्ने स्थानमा ढुंगा गिट्टी हाल्ने, बाटोको दाँयाबायाँ वर्षातको पानी जाने गरी नाली समेत खनी गाडी आवत जावत गर्न मिल्ने किसिमबाट वन पथ निर्माण गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:**यस कार्यका लागि रु.१,६०,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** ९२.५ कि.मि. वनपथ निर्माण भई पर्यटकले]सहज ढंगबाट वन्यजन्तुको अवलोकन गर्न सक्नुका साथै वन्यजन्तु तथा वनस्पतीको चोरी शिकार नियन्त्रणका लागी गस्ती गर्ने कार्य र वन डढेलो नियन्त्रण कार्यमा पनि सहयोग पुगेको हुनेछ।

##### **डढेलो नियन्त्रणका लागि अग्नीरेखा निर्माण**

**स्थान:**चितवन, बाँके, बर्दिया, शुक्ला, पर्सा, कृष्णसार, शिवपुरी, लामटाङ, मकालु , रारा, शे-फोक्सुण्डो, खप्तड, ढोरपाटन, अपी-नाम्पा, कंचनजंघा, ।

 **क्रियाकलाप**: वन संरक्षणको महत्वपूर्ण पाटो भनेको वन डढेलो नियन्त्रण गर्नु हो । प्रत्येक बर्ष लाग्ने वन डढेलोले वन क्षेत्रलाई ठुलो विनास गरि रहेको हुन्छ । डढेलो नियन्त्रणका विभिन्न विधिहरु मध्ये अग्नी रेखा निर्माण तथा व्यवस्थापन एक महत्वपूर्ण कार्य हो । वन क्षेत्रलाई विभिन्न टुक्रा (प्याच) मा बिभाजन गरी अग्नीरेखा निर्माण गर्ने, त्यसलाई सफा गर्ने गर्दा एक क्षेत्रमा डढेलो लागे पनि अर्को क्षेत्र (प्याच) लाई जोगाउन सकिने र डढेलो लाग्नु पूर्व नै सुरक्षित ढंगले प्याच प्याचलाई आगो लगाई व्यवस्थित गर्ने सकिने भएकोले यस्ता अग्नी रेखा वनाउन आवश्यक भएकोले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत ठुलो ठुलो गाडी चल्ने बाटो नबानाई आगोलाई विचमा रोक्न सक्ने किसिमले सामान्य किसिमको वनपथ निर्माण गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:**यस कार्यका लागि रु.९७,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** १०७ कि.मि.अग्नीरेखा निर्माण भई वन डढेलो नियन्त्रण कार्यमा सहयोग पुगेको हुनेछ।

##### **गोरेटो बाटो निर्माण**

**स्थान:**, शुक्लाफांटा, पर्सा, रारा शे-फोक्सुण्डो

**क्रियाकलाप**:प्राय:गरि पहाडी तथा हिमाली संरक्षित क्षेत्रहरुमा र तराईका चुरे क्षेत्रमा वन्यजन्तुको चोरी शिकार नियन्त्रणका लागी गस्ती गर्ने, वन्यजन्तुको अवलोकन गर्ने र पदयात्री पर्यटकहरुलाई संरक्षित क्षेत्र अवलोकनमा सहज बनाउन यस क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत वन्यजन्तुको बढी चहलपहल हुने क्षेत्रमा मानिस आवत जावत गर्न मिल्ने किसिमबाट घाँस, बुट्यान, झाडि हटाउने, पहाडी क्षेत्रको ठाडो उकालोमा सिंढी निर्माण गर्ने, वर्षातको समयमा चिप्लो हुने पहाडी तथा हिमाली गोरेटो बाटोमा ढुंगा विछ्याउने, बर्षातको पानी बग्ने गरी दुबै तर्फ नाला खन्ने आदि कार्य गरी गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:**यस कार्यका लागि रु.४२,८०,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** ४४ कि.मि. गोरेटो बाटो निर्माण भई पर्यटकले सहज ढंगबाट वन्यजन्तुको अवलोकन गर्न सक्नेछन् साथै वन्यजन्तु तथा वनस्पतीको चोरी शिकार नियन्त्रणका लागी गस्ती गर्ने कार्य र वन डढेलो नियन्त्रण कार्यमा पनि सहयोग पुगेको हुनेछ ।

##### **पर्यटक पद मार्ग निर्माण**

**स्थान:** लामटाङ, रारा, ढोरपाटन, अपी-नाम्पा, कंचनजंघा

**क्रियाकलाप**: प्राय:गरि पहाडी तथा हिमाली संरक्षित क्षेत्रहरुमा पदयात्री पर्यटकहरुको पदयात्रालाई सहज बनाउन यस क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत पर्यटक आवत जावत गर्न मिल्ने किसिमबाट घाँस, बुट्यान, झाडि हटाई बाटो निर्माण गर्ने, ठाडो उकालोमा सिंढी निर्माण गर्ने, वर्षातको समयमा चिप्लो हुने स्थानमा ढुंगा विछ्‍याउने, बर्षातको पानी बग्ने गरी दुबै तर्फ नाला खन्ने आदि कार्य गरिनेछ । नयाँ क्षेत्रमा पर्यटक मार्ग पहिचान गरि निर्माण गर्ने कार्य समेत यसै अन्तर्गत पर्दछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:**यस कार्यका लागि रु. १,००,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** २३ कि.मि. पर्यटक पदमार्ग निर्माण पश्चात पर्यटकहरुलाई संरक्षित क्षेत्रको पदयात्रा गर्न सहज भएको हुनेछ ।

##### **काठेपुल निर्माण**

**स्थान:**चितवन, बाँके,बर्दिया, शुक्ला, पर्सा, लामटाङ, रारा, मकालु, शे-फोक्सुण्डो, खप्तड, ढोरपाटन, कंचनजंघा ।

**क्रियाकलाप**:संरक्षित क्षेत्र अवलोकनका लागि आएका पर्यटकहरुलाई बर्षातको समयमा साना खहरे खोल्साहरुमा आएको बाढीमा पानी नघटुन्जेलसम्म कुरेर बस्नु पर्ने, नियमित पानी बग्ने स्थानहरुमा आवत जावत गर्न कठीनाई भएकोले र कर्मचारीहरुलाई वन्यजन्तु अनुगमन तथा चोरी शिकार नियन्त्रणका लागि गस्ती गर्ने कार्यमा समेत सहयोग पुग्ने भएकोले संरक्षित क्षेत्रभित्र काठेपुल निर्माण गर्न यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत खोला वा खोल्साको दायाँ बायाँ ढुंगाको पर्खाल उठाई विचमा काठको पुल निर्माण गरी पुलको दायाँबायाँ रेलिङ समेत राखिनेछ । यो खोला, खोल्सा हेरी सानोदेखि ठूलो (लामो) हुनसक्छ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:**यस कार्यका लागि रु.८९,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** ३३ स्थानमा काठेपुल निर्माण भई पर्यटकलाई संरक्षित क्षेत्रको अवलोकन गर्न सहज हुनुका साथै कर्मचारी, सुरक्षाकर्मीहरुलाई गस्ती गर्ने कार्यमा समेत सहयोग पुगेको हुनेछ ।

##### **कलभर्ट निर्माण**

**स्थान:**अपी-नाम्पा सं.क्षे. ।

**क्रियाकलाप**:संरक्षित क्षेत्र अवलोकनका लागि आएका पर्यटकहरुलाई बर्षातको समयमा साना खहरे खोल्साहरुमा आएको बाढीमा पानी नघटुन्जेलसम्म कुरेर बस्नु पर्ने, नियमित पानी बग्ने स्थानहरुमा आवत जावत गर्न कठीनाई भएकोले र कर्मचारीहरुलाई वन्यजन्तु अनुगमन तथा चोरी शिकार नियन्त्रणका लागि गस्ती गर्ने कार्यमा समेत सहयोग पुग्ने भएकोले संरक्षित क्षेत्रभित्र नियमित पानी बगी रहने स्थानमा कलभर्ट निर्माण गर्न यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत स-साना खोला/खोल्सा तर नियमित पानी बगी रहने स्थानमा स-साना कलभर्ट निर्माण गरिनेछ ।

**जनशक्ति Joj:yfkgM** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:**यस कार्यका लागि रु. ८,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** २ स्थानमा कलभर्ट निर्माण भई पर्यटकलाई संरक्षित क्षेत्रको अवलोकन गर्न सहज हुनुका साथै कर्मचारी, सुरक्षाकर्मीहरुलाई गस्ती गर्ने कार्यमा समेत सहयोग पुगेको हुनेछ ।

#### **खानेपानी संरचना निर्माण (३११५६)-(सार्वजनिक निर्माण)**

##### **खानेपानी निर्माण (पाईप जडान)**

**स्थान:** अपिनम्पा, कंचनजंघा, कोशीटप्पु, खप्‍तड, चितवन, ढोरपाटन, पर्सा, बांके, रारा, लामटाङ, शिवपुरी, शुक्लाफांटा, शे-फोक्शुण्डो, सगरमाथा ।

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्र कार्यालय, सेक्टर, पोष्टमा कार्यरत कर्मचारीहरुका साथै कार्यालयमा आउने पर्यटक, सेवाग्राहीहरुका लागि खानेपानी व्यवस्था गर्न यस क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत पाईप गाडेर पानी ल्याउने हुँदा पाईप खरिद समेत यसैमा पर्दछ । यस अन्तर्गत पानी शुद्धिकरणका उपकरणहरु समेत खरिद गर्न सकिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यो कार्य संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै सेवा प्रदायक संस्थाबाट गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन M** यस कार्यका लागि रु. ६८,५०,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी: ४७ वटा** उपयुक्त स्थानमा खानेपानी व्यवस्था भएको हुनेछ ।

##### **खानेपानी मुहान संरक्षण तथा व्यवस्थापन**

**स्थान:** अपिनम्पा, कंचनजंघा, खप्तड, ढोरपाटन, पर्सा, बर्दिया, लामटाङ, शिवपुरी ।

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्रभित्र पानीका मुहानहरु रहेका हुन्छन जसको संरक्षण तथा व्यवस्थापनबाट संरक्षित क्षेत्र भित्रका वन्यजन्तुहरुलाई आवश्यक पानी संरक्षित क्षेत्र भित्रै उपलव्ध भै मानव वन्यजन्तु द्वन्द न्युनिकरणमा समेत टेवा पुग्ने हुँदा संरक्षित क्षेत्र भित्र रहेका पानीका मुहान संरक्षण तथा व्यवस्थापन गर्न यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत पानीका मुहान वरपर सरसफाई गर्ने, पर्खाल लगाउने, ईन्टेक बनाउने, फोहोर मैला हुनबाट जोगाउन सेड लगाउने आदि कार्यहरु गरिनेछन। सो मुहानलाई व्यवस्थित गर्दै वन्यजन्तुको पानी पोखरीसम्म पानी लैजाने व्यवस्था पनि यस अन्तर्गत गर्न सकिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यो कार्य संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै सेवा प्रदायक संस्थाबाट गर्नेछ

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्याका लागि रु. ३०,५०,०००।– वित्तीय व्यवस्था रहेको छ **।**

**उपलव्धी:** २० वटापानीका मुहानहरु संरक्षण तथा व्यवस्थापन भै वन्यजन्तुलाई आवश्यक पर्ने खानेपानी संरक्षित क्षेत्र भित्रै उपलव्ध भएको हुनेछ ।

##### **खानेपानी ट्युवेल निर्माण**

**स्थान:** कोशीटप्पु र शुक्लाफांटा ।

**क्रियाकलाप**: तराईका संरक्षित क्षेत्रभित्र रहेका सेक्टर, रेञ्जपोष्ट, पोष्टमा कार्यरत कर्मचारीहरुका लागी खानेपानी व्यवस्थापन गर्न यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत ट्युवेल गाड्ने तथा धारा जडान गर्ने कार्यहरु पर्दछ । यस अन्गतर्गत सो ट्यूवेलबाट निस्किएको पानीलाई वन्यजन्तुले खान सक्ने गरी स-साना पोखरीहरु समेत निर्माण गर्न सकिनेछ

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यो कार्य संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै सेवा प्रदायक संस्थाबाट गर्नेछ

**वजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ३,००,०००।– बजेट व्यवस्था गरिएको छ ।

**उपलव्धी:** ८ वटा खानेपानीका ट्यूवेल निर्माणबाट संरक्षित क्षेत्रका पोष्टहरुमा कार्यरत कर्मचारीहरुलाई खानेपानी व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।

##### **खानेपानी ट्यांकि निर्माण**

**स्थान:** चितवन र बर्दिया

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्रको मुख्य कार्यालय रहेको स्थानमा कार्यालयका साथै कर्मचारीहरुको आवास भवनहरु समेत रहेका हुन्छन । त्यसका अलवा हिरासत भवन /सुधार गृह, क्यान्टिन, भान्छाघर समेत हुने हुँदा ठुलो परिमाणमा पानीको आवश्यकता पर्ने र सवै स्थानमा पानीको व्यवस्थापन गर्नु पर्ने हुँदा ठुलो परिमाणमा पानी जम्मा गर्ने अग्लो ट्यांकी निर्माण गरी डिप वोरिङ वा मोटर मार्फत सो ट्यांकीमा पानी जम्मा गरी सवै स्थानमा पानी वितरण गर्ने उदेश्यले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत खानेपानी ट्यांकी निर्माण, खानेपानी ट्यांकी माथि पुग्ने भर्‍याङ निर्माण, मोटर जडान, विद्युत जडान, पाईप जडान समेतका कार्यहरु गरिनेछन ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यो कार्य संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै सेवा प्रदायक संस्थाबाट गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थान:** यस कार्यका लागि ?= १८,००,०००.- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** प्राय गरी संरक्षित क्षेत्रका मुख्य कार्यालयहरु सदरमुकामबाट टाढा र जंगलको वीचमा हुने भएकोले कर्मचारीहरुका लागी पानीको ठुलो समस्या रहंदै आएकोले सो समस्याबाट मुक्त भएका हुनेछन ।

##### **सोलार वाटर हिटर व्यवस्थापन**

**स्थान:** खप्‍तड रा.नि.

**क्रियाकलाप**: हिमाली उच्च भेगमा चिसोको मौसममा धाराको पानी समेत जमि प्रयोग गर्न नसकि समस्या व्यहोरी रहेका संरक्षित क्षेत्र कार्यालयका कर्मचारीहरुलाई दैनिक रुपमा आवश्यक पर्ने पानी व्यवस्थापन गर्न यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति Joj:yfkgM** यो कार्य संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै सेवा प्रदायक संस्थाबाट खरिद गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थान:** यस कार्यका लागि ?= ३,००,०००.- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** खप्‍तड राष्ट्रिय निकुञ्ज कार्यालयको मुख्य कार्यालय खप्‍तडमा चिसो मौसममा कर्मचारीले अति आवश्यकीय बस्तु पानीको प्रयोग गर्न पाई राहत महसुस गरेका हुनेछन ।

#### **वन तथा वातावरण संरक्षण (३११५७) –सार्वजनिक निर्माण**

##### **नर्सरी स्थापना तथा संचालन**

**स्थान:** लामटाङ, मकालु बरुण रा.नि., ढोरपाटन शि.आ. र अपी-नाम्पा सं.क्षे.

**क्रियाकलाप**: मध्यवर्ती क्षेत्र तथा संरक्षित क्षेत्रका आसपासका समूह समितिहरुलाई वनको वैकल्पिक व्यवस्थाका लागि बृक्षारोपण गरी मध्यवर्ती सामुदायिक वनको रुपमा विकास गर्न प्रोत्साहन गर्ने उदेश्यले नर्सरी स्थापना गरी बृक्षारोपणका निमित्त विरुवा वितरण गर्न यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत विभिन्न प्रजातीका वीउ खरिद, नर्सरीका सामान खरिदका साथै हेरालु ब्यवस्थापन समेत गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यो कार्य संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति को सुपरिवेक्षणमा हेरालु परिचालन गरी गर्नेछन ।

**बजेट व्यवस्थान:** यस कार्यका लागि रु. २०,००,०००।**-** वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** ४ स्थानमा नर्सरी स्थापना तथा संचालन भै वृक्षारोपण क्षेत्र थपिएको हुनेछ ।

##### **वन्यजन्तुका लागि पानीपोखरी निर्माण**

**स्थान**: चितवन, बाँके, बर्दिया, शुक्लाफाँटा, लामटाङ, सगरमाथा, मकालु बरुण, रारा, शे-फोक्सुण्डो, खप्‍तड रा.नि., कोशीटप्पु व.ज.आ, ढोरपाटन शि.आ.,अपी-नाम्पा, कृष्णसार र कंचनजंघा सं.क्षे. ।

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्रहरुका धेरै भू-भागहरु भावर तथा भित्री मधेश क्षेत्रमा रहेको हुँदा वन्यजन्तुका लागि नियमति रुपमा आवश्यक पर्ने पानीको अभाव हुने भएकोले स्थायी पानीका स्रोतहरु भन्दा अन्य स्थानमा पनि खानेपानीका लागि र वन्यजन्तुलाई आहाल बस्ने प्रयोजनका लागि पानीको ब्यबस्थापन गर्नु अत्यावश्यक देखिन्छ | वन्यजन्तुहरु पानीको लागि गाउँ बस्ति हुँदै खोलासम्म पुग्नु पर्दा शिकारीको आक्रमणमा परी मृत्यु हुने सम्भावना पनि रहन्छ | त्यसैले संरक्षित क्षेत्रभित्र पोखरी निर्माण गर्ने प्रयोजनका लागि यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत वन्यजन्तुको चहलपहल बढी हुने, घाँसे मैदानको आसपासका क्षेत्रमा पानी लामो समय सम्म रहि रहने किसिमबाट वन्यजन्तु मैत्री पानी पोखरीहरु निर्माण गरिनेछन् ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यो कार्य संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानून बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन**: यस कार्यका लागि रु.२,६६,००,०००।– वित्तिय व्यवस्था रहेको5 .

**उपलव्धी:** ११२ वटा वन्यजन्तुका खानेपानी पोखरी निर्माण भै वन्यजन्तुका लागि पर्याप्त पानीको व्यवस्थापन हुनुका साथै मानव वन्यजन्तु द्वन्द न्यूनिकरणमा सहयोग पुगेको हुनेछ ।

##### **वन्यजन्तुको पानीपोखरीमा बोरिङ जडान**

**स्थान:** चितवन, बर्दिया, रा.नि.

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्रहरुका धेरै भू-भागहरु भावर तथा भित्री मधेश क्षेत्रमा रहेको हुँदा वन्यजन्तुका लागि नियमति रुपमा आवश्यक पर्ने पानीको अभाव हुने भएकोले स्थायी पानीका स्रोतहरु भन्दा अन्य स्थानमा खानेपानीका लागि र वन्यजन्तुलाई आहाल बस्ने प्रयोजनका लागि पानीको ब्यबस्थापन गर्नु अत्यावश्यक देखिन्छ | वन्यजन्तुहरु पानीको लागि गाउ बस्ति हुँदै खोलासम्म पुग्नु पर्दा शिकारीको आक्रमणमा परी मृत्यु हुने सम्भावना पनि रहन्छ | त्यसैले संरक्षित क्षेत्रभित्र निर्माण भएका पोखरीहरुमा नियमित पानी व्यवस्थापनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत वन्यजन्तुको खानेपानी व्यवस्थापनका लागि निर्माण भएका पानी पोखरीमा बोरिङबाट पानी तानी पोखरीमा भर्ने कार्य गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यो कार्य संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानून बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट गरिनेछ ।

 **बजेट व्यवस्थापन**: यस कार्यका लागि रु.२१,००,०००।– वित्तिय व्यवस्था रहेकोछ .

**उपलव्धी:** ३ वटा पानी पोखरीमा बोरिङ जडान भै सो स्थानमा रहेका वन्यजन्तुका लागि पर्याप्त पानीको व्यवस्थापन भएको हुनेछ

##### **वन्यजन्तुको पोखरीमा पानी व्यवस्थापनका लागी टयांकी सहितको ट्याक्टर व्यवस्थापन**

**स्थान:** पर्सा रा.नि.

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्रहरुका धेरै भू-भागहरु भावर तथा भित्री मधेश क्षेत्रमा रहेको हुँदा वन्यजन्तुका लागि नियमति रुपमा आवश्यक पर्ने पानीको अभाव हुने भएकोले स्थायी पानीका स्रोतहरु भन्दा अन्य स्थानमा खानेपानीका लागि र वन्यजन्तुलाई आहाल बस्ने प्रयोजनका लागि पानीको ब्यबस्थापन गर्नु अत्यावश्यक देखिन्छ | वन्यजन्तुहरु पानीको लागि गाउ बस्ति हुँदै खोलासम्म पुग्नु पर्दा शिकारीको आक्रमणमा परी मृत्यु हुने सम्भावना पनि रहन्छ | त्यसैले संरक्षित क्षेत्रभित्र निर्माण भएका वन्यजन्तुहरुको खानेपानी पोखरीहरुमा पानी व्यवस्थापनका लागि ट्याक्टरबाट ल्याई भर्ने कार्यका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । ट्याक्टर खरिद, ट्याक्टरमा जोड्न मिल्ने ट्यांकी खरिद गरिने छ भने वजेटले भ्याएमा ट्याक्टमा राखिने ईन्धन र ट्याक्टर चालक समेतको खर्च यसै शीर्षकबाट गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यो कार्य संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानून बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट गरिनेछ ।

 **बजेट व्यवस्थापन**: यस कार्यका लागि रु.१०,००,०००।– वित्तिय व्यवस्था रहेकोछ .

**उपलव्धी:** १वटा ट्यांकी सहितको ट्याक्टर खरिद भै वन्यजन्तुका लागी खानेपानी पोखरीमा पानी व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।

##### **वन्यजन्तुका पोखरीमा पानी व्यवस्थापन**

**स्थान: बाँके र पर्सा रा.नि.**

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्रहरुका धेरै भू-भागहरु भावर तथा भित्री मधेश क्षेत्रमा रहेको हुँदा वन्यजन्तुका लागि नियमति रुपमा आवश्यक पर्ने पानीको अभाव हुने भएकोले स्थायी पानीका स्रोतहरु भन्दा अन्य स्थानमा खानेपानीका लागि र वन्यजन्तुलाई आहाल बस्ने प्रयोजनका लागि पानीको ब्यबस्थापन गर्नु अत्यावश्यक देखिन्छ | वन्यजन्तुहरु पानीको लागि गाउ बस्ति हुँदै खोलासम्म पुग्नु पर्दा शिकारीको आक्रमणमा परी मृत्यु हुने सम्भावना पनि रहन्छ | त्यसैले संरक्षित क्षेत्रभित्र वन्यजन्तुहरुला लागि पानी व्यवस्थापनका निमित्त पानी पोखरी निर्माण गरिएका हुन्छन तर ती पोखरीहरुमा सुख्खा मौसममा पानी नहुँदा वन्यजन्तुका लागी पानीको समस्या पर्ने भएकोले कार्यालयमा भए कार्यालयको ट्याक्टर वा पानी ट्यांकरबाट र नभए भाडा तिरेर भए पनि पानी ल्याई ती पोखरीहरुमा पानी भर्नु पर्ने हुन्छ , त्यही प्रयोजनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यो कार्य गर्मीयाममा पोखरीमा पानी सुक्ने समयमा गरिनेछ । यस अन्तर्गत ईन्धन, टयाक्टर भाडा, कार्यालयको भए ट्याक्टर मर्मत समेतमा खर्च गरिनेछ ।

**जनशक्ति Joj:yfkgM** यो कार्य संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानून बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन**: यस कार्यका लागि रु.१५,००,०००।– वित्तिय व्यवस्था रहेकोछ .

**उपलव्धी:** गर्मि मौसमको ५ महिनामा यो कार्य गरिने हुँदा गर्मी मौसममा पनि वन्यजन्तुले संरक्षित क्षेत्रभित्रै पर्याप्त रुपमा पानी खान पाएको हुनेछन ।

##### **रामसार/सिमसार क्षेत्र व्यवस्थापन/पुनस्थापना (Restoration)**

**स्थान:** चितवन, बर्दिया, शुक्ला, पर्सा, कोशी, लामटाङ, रारा, अन्नपूर्ण ।

**क्रियाकलाप:** रामसारमा सूचिकृत सिमसार तथा अन्य सिमसार क्षेत्रहरु दिनप्रतिदिन गुणस्तरमा ह्रास हुदै गइरहेको छ । यस क्षेत्रको माथिल्लो तटिय क्षेत्रबाट माटो बग्दै आई माटो थिग्रिकरण हुदै जानु, अतिक्रमण बढ्दै जानुका साथै मिचाहा प्रजाति लगायतका अनावश्यक घाँसहरुले ढाक्दै गइरहेको हुँदा यी सिमसार क्षेत्रहरुको संरक्षण तथा व्यवस्थापन गर्ने उद्देश्यले यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत, मिचाहा प्रजाति लगायतका घाँसहरु, माटोहरु झिकी हटाई सफा गर्ने, माटो बग्दै आएकोस्थानहरु रोक्नको लागि डयाम निर्माण गर्ने कार्यहरु पर्दछन् । शुक्लाफाँटा रा.नि.मा रहेका रानी ताल, कालिकिच ताल र पर्सा रा.नि.को हलखोरिया ताल पनि व्यवस्थापन गरिनेछन् ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन अनुसार सार्वजनिक खरिद प्रक्रियाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. १,५९,००,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी**: संरक्षित क्षेत्रभित्रका २८ वटा सिमसार क्षेत्रहरुको संरक्षण तथा पुनर्स्थापना (Restoration)भएको हुनेछ ।

##### **डढेलो नियन्त्रणका लागि पानी पोखरी निर्माण**

**स्थान:** कोशी, लामटाङ, रारा, ढोरपाटन र कंचनजंघा

**क्रियाकलाप**: वन जंगलको संरक्षणका लागि वन डढेलो नियन्त्रण प्रमुख कार्य हो । वन डढेलो लाग्न नदिनु सबभन्दा महत्वपूर्ण कार्य हो । तर पूर्व तयारी गर्दा गर्दै पनि वन डढेलो लाग्न जाने हुन्छ । त्यस्तो समयमा ठाउँ ठाँउमा पानीको व्यवस्थापन गर्न सकेमा वन डढेलो नियन्त्रण गर्न धेरै हदमा सहज हुने भएकोले ठाँउ ठाउँमा वन डढेलो व्यवस्थापनका लागि स-साना पानी पोखरी निर्माण तथा पानी व्यवस्थापन गर्ने उदेश्यले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत ठाउँ ठाउँमा स-साना पानी पोखरी निर्माण गरिनेछ भने सो पोखरीमा नजिकको पानी मुहानबाट पानी भर्ने सम्मको व्यवस्था गरिनेछ । सो सम्वन्धमा गरिने सवै खर्च यसै शीर्षकबाट गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यो कार्य संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानून बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन**: यस कार्यका लागि रु.९,००,०००।– वित्तिय व्यवस्था रहेकोछ .

**उपलव्धी:** डढेलो नियन्त्रणका लागि ९ वटा पानी पोखरी निर्माणले सो क्षेत्रमा डढेलो नियन्त्रण कार्यमा सहयोग पुगेको हुनेछ ।

##### **घाँसे मैदान निर्माण**

**स्थान:** चितवन, बाँके, बर्दिया, शुक्ला, पर्सा, कोशी र शिवपुरी नागार्जुन रा.नि. ।

**क्रियाकलाप**:संरक्षित क्षेत्रभित्र रहेका वन्यजन्तुहरुका लागि आवश्यक पर्ने विभिन्न प्रजातिका घाँसहरु उत्पादन गर्ने तथा प्राकृतिक रुपमा व्यस्थापन गर्ने कार्यका लागि यो क्रियाकलापको व्यबस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत भई रहेको घाँसे मैदान भन्दा अन्य वन क्षेत्रमा रहेका रुखहरु हटाउने, पलाउने प्रजातिहरुलाई काट्ने, आगो लगाउने तथा जरैसम्म उखेल्ने जस्ता कार्यहरु गरी घाँसे मैदान निर्माण गरिन्छ । यो कार्य गर्दा आवश्यकता, कार्य प्रकृति र मितव्ययीता समेतलाई हेरी मानिस लगाएर वा मेशिनरी औजार समेत प्रयोग गरेर गर्न सकिनेछ । घाँसे मैदान निर्माण गर्दा पानीको श्रोतलाई मध्यनजर राखि निर्माण गरिने हुँदा पानी पोखरी निर्माण कार्य समेत यही घाँसे मैदानको आसपासमा गरिनेछ । आ.ब. २०७७।७८ को प्रथम चौमासिक अबधिमा घाँसे मैदान निर्माणको लागी उपयुक्त स्थान छनोट, लागत अनुमान तयार गरी २१० हेक्टर घाँसे मैदान निर्माण गरिने छ भने दोश्रो र तेश्रो चौमासिक अबधिमा क्रमश:७००, ६५० हेक्टर निर्माण गरी कुल १५६० हेक्टर घाँसे मैदान निर्माण गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले उक्त कार्यका लागि आफनो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ र प्रचलित कानून अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सक्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन**: यस बर्ष घाँसे मैदान व्यवस्थापनका लागि रु. ७ करोड ८० लाख बजेट व्यवस्था गरिएको छ ।

**उपलव्धी:** यस आ.ब.मा कुल १५६० हेक्टर घाँसे मैदान निर्माण भै वन्यजन्तुका लागि आवश्यक पर्ने आहारा संरक्षित क्षेत्रबाट नै उपलव्ध भएको हुनेछ ।

##### **मेषजाली सहित तारवार निर्माण**

**स्थान:** चितवन, बाँके, बर्दिया, शुक्ला, पर्सा , शिवपुरी नागार्जुन र लामटाङ रा.नि. ।

**क्रियाकलाप**:संरक्षित क्षेत्रमा वन्यजन्तुको बासस्थान संरक्षण तथा सुधारका कार्यहरुले एकातर्फ वन्यजन्तुको संख्यामा बृद्धी हुन पुगेको छ भने अर्को तर्फ संरक्षित क्षेत्रमा वृद्धि भएका वन्यजन्तुहरु खाना तथा पानीको अपुगका कारण गाउँ बस्तीका आवादिहरुमा जाने क्रम बढ्दा आवादीका अन्नबाली खाईदिने, मांसाहारी वन्यजन्तुले घर गोठका पशुहरुमाथी आक्रमण गर्ने कारणले गर्दा मानव वन्यजन्तुवीच द्वन्द सृजना हुन पुगेको छ । यसैले संरक्षित क्षेत्रका वन्यजन्तुहरु मानव वस्ती तथा आवादीमा जानबाट रोक्न मानव वस्ति तथा आवादी क्षेत्रमा मेषजाली सहितको तारवार लगाउने प्रयोजनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । कार्यालयको नियमति कार्यक्रममा बजेट विनियोजन भएता पनि मध्यवर्ती क्षेत्रका बासिन्दाहरुको हितका लागि यो कार्य गरिने भएकोले मध्यवर्ती क्षेत्र व्यवस्थापन समिति मार्फत कार्य गर्दा उनीहरुमा अपनत्वको भावना विकसित हुने र सो को संरक्षणका लागि उनीहरु नै अग्रसर हुने विश्वास लिई यो कार्य मध्यवर्ती उपभोक्ता समिति मार्फत संचालन गर्न प्राथमिकता दिईनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले कर्मचारीको सुपरिवेक्षणमा मध्यवर्ती उपभोक्ता समिति मार्फत यो कार्यक्रम सम्पन्न गर्नेछ भने प्रचलित कानून अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन**: मेषजाली सहित तारवार निर्माण कार्यका लागि रु. ६,५५,००,०००।- व्यवस्था गरिएको छ ।

**उपलव्धी:** यस आ.ब.मा कुल ३९ कि.मि. मेषजाली सहित तारवार निर्माण भै मानव वन्यजन्तु द्वन्द न्यूनिकरणमा सहयोग पुगेको हुनेछ ।

##### **सोलार फेन्स निर्माण/विद्युतीय तारवार निर्माण**

**स्थान:** पर्सा रा.नि. कोशीटप्पु व.ज.आ.

**क्रियाकलाप**:विशेष गरि जंगली हात्ती गाउँ बस्ति तथा आवादिमा आउने क्रमलाई रोक्नका निमित्त बस्ति तथा आवादिलाई भित्र पार्दै बिद्युतीय तारवार लगाउने प्रयोजनका लागि यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो | यो कार्य मध्यवर्ती उपभोक्ता समितिको सहभागितामा गरिने छ |

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । प्रचलित कानून अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ साथै मध्यवर्ती क्षेत्रका उपभोक्ता समितिको पनि सहभागिता रहनेछ

**बजेट व्यवस्थापन:** सोलार फेन्स निर्माणकार्यका लागि रु.२,००,११,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** हात्तीबाट प्रभावित क्षेत्रमा ८ कि.मि. सोलार फेन्स निर्माण भै हात्तीबाट हुने क्षतिमा कमी आएको हुनेछ ।

##### **वन्यजन्तु उद्धार केन्द्र निर्माण तथा व्यवस्थापन**

**स्थान:** कोशीटप्पु, चितवन, बांके र वर्दिया ।

**क्रियाकलाप**:एकातर्फ राष्ट्रिय वन क्षेत्र तथा संरक्षित क्षेत्रबाट वन्यजन्तुहरु गाउं वस्तीमा आई स्थानीय बासिन्दाहरुलाई आतंकित पार्दा त्यस्ता वन्यजन्तुहरुलाई यथाशिघ्र नियन्त्रणमा लिई सुरक्षित स्थानमा राख्नु पर्ने हुन्छ भने अर्को तर्फ चोरी शिकारीको आक्रमणमा परी घाईते भएका तथा माहुबाट छुट्टिएर टुहुरा वनेका वन्यजन्तुहरुलाई समेत उद्धार गरि प्राकृतिक वासस्थानमा छाड्न उपयुक्त नभएसम्म सुरक्षि स्थानमा राख्‍नु पर्ने हुंदा यस क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत ठुला प्रजाती, बाघ, गैडा, चितुवा, अर्ना तथा साना प्रजातीका चित्तल, रतुवा समेतलाई व्यवस्थापन हुने किसिमबाट उद्धार केन्द्रको भवन तथा कोठाहरु निर्माण गरिनेछ । वित्तिय स्रोत र सिकाईका अनुभवबाट साल बसालि रुपमा विस्तार तथा व्यवस्थापन गरिंदै लगिनेछ । वन्यजन्तु उद्धारका लागि आवश्यक पर्ने उपकरणहरु पनि यस शिर्षकबाट खरिद गर्न सकिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । प्रचलित कानून अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यसकार्यका लागि रु.८५,००,०००।– वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** ४ स्थानमा वन्यजन्तु उद्धार केन्द्र निर्माण भई टुहुरा, घाईते तथा मानव वस्तीमा देखिएका समस्यामूलक वन्यजन्तुहरुको उद्धार गरी व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।

##### **हात्ती, चितुवा प्रभावित क्षेत्रमा सोलार आउटडोर ल्याम्प जडान**

**स्थान:** बांके, वर्दिया र शुक्लाफाँटा रा.नि.

**क्रियाकलाप**:विशेष गरी रातको समयमा हात्ती तथा चितुवाबाट प्रभावित गाउँ बस्तीको सुरक्षाका लागि जंगल क्षेत्रबाट बस्तीतिर जंगली जनावर हात्ती तथा चितुवाहरु प्रवेश गरेको देखियोस र सतर्क हुन तथा जंगली जनावरलाई जंगलतर्फ नै फर्काउने कार्य गर्न सहज होस भन्ने उदेश्यले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत बस्ती तथा जंगल क्षेत्र देखिने गरी ठाउँ ठाउँमा सोलार जडान भएको आउटडोर ल्याम्प जडान गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । प्रचलित कानून अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु.३५,००,०००।– वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** ४० वटा सोलार आउटडोर ल्याम्प जडान भै स्थानीय बासिन्दाहरुलाई रातको समयमा वन्यजन्तुहरुबाट सुरक्षित हुन सहयोग पुगेको हुनेछ ।

##### **फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि खाडल निर्माण**

**स्थान:**चितवन, बाँके, शुक्ला, कोशी, सगरमाथा, मकालु, रारा, शे-फोक्सुण्डो, खप्तड, ढोरपाटन, अपिनम्पा, मनास्लू, र गौरीशंकर

**क्रियाकलाप**:संरक्षित क्षेत्रमा पर्यटकहरुको आवत जावत भई रहने हुँदा उक्त क्षेत्र सफा सुग्घर हुन अति आवश्यक छ, दैनिक मानिसको आवत जावत हुने कार्यमा उनिहरुले उपभोग गर्ने चाउचाउ, चकलेट, विस्कुट आदिका खोलहरु फाल्न/राख्‍ने ठाउँ ठाउँमा खाडल व्यवस्थापन गर्न आवश्यक भएकोले यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत पर्यटक हिड्ने बाटोहरुमा, बस्ति क्षेत्रमा, पर्यटकको मुख्य गन्तव्य स्थलहरुमा फोहोर फाल्ने खाडल निर्माण गर्नुका साथै फोहोर यहा फाल्नुहोस भन्ने सूचना टाँस गरिनेछ र उक्त फोहोरहरुलाई समय समयमा वा दैनिक रुपमा नष्ट गर्ने व्यवस्था मिलाईने छ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । प्रचलित कानून अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ३४,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्रका उपयुक्त स्थानमा ९५ वटा खाडल निर्माण भई संरक्षित क्षेत्रमा हुने फोहोरमैला व्यवस्थापन भई स्वस्च र स्वस्थ पर्यटक क्षेत्र कायमा राख्न सहयोग पुगेको हुनेछ ।

##### **पोष्टमा सोलार जडान**

**स्थान:** चितवन, बाँके , बर्दिया, शुक्लाफाँटा, पर्सा, शिवपुरी, लामटाङ, सगरमाथा, मकालु, शे-फोक्सुण्डो, खप्‍तड, अपिनम्पा ।

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्रका पोष्टहरु गाउँ, शहर तथा वस्तीबाट टाढा जंगलमा हुने भएकोले विजुलीको लाईन पुर्‍याउन संभव नभएका क्षेत्रमा रातको समयमा बत्ती बाल्ने तथा दिनको समयमा मोबाईल, ल्यापटप चार्ज गर्ने प्रयोजनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ र प्रचलित कानून अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि ?= ४९,००,०००।– वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्रका ४१ वटा पोष्टहरुमा सोलार जडान भै कार्यरत कर्मचारीहरु रातको समयमा जंगली जनावरबाट सुरक्षित रहनुका साथै सेक्टर, कार्यालय र घर परिवारसंग समेत सम्पर्कमा रहन पाएका हुनेछन ।

##### **क्याम्पसाईट निर्माण**

**स्थान:** लामटाङ,सगरमाथा, मकालु , खप्‍तड, ढोरपाटन र अपिनम्पा ।

**क्रियाकलाप**:संरक्षित क्षेत्र भित्र पदयात्री पर्यटकका लागि शान्तपूर्वक, आरामले रात बिताउने गरि बस्नका लागि मुख्य कार्यालय, सेक्टर, रेन्जपोष्ट र पोष्ट कार्यालयको पहुच स्थानमा खानेपानी र शौचालय सहितको क्याम्पसाइटहरु निर्माण गर्नु पर्ने हुँदा यस क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत क्याम्पसाईट निर्माण, पानी तथा शौचालयको व्यवस्थाका साथै भारी हिउँपातका समयमा सुरक्षा प्रदान गर्न सेडको समेत व्यवस्था गरिएको हुन्छ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ र प्रचलित कानून अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु.१३,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** उपयुक्त १३ स्थानमा क्याम्पसाईट निर्माण भै पदयात्री पर्यटकले क्यम्पसाईटको सुविधा प्राप्त गरेका हुनेछन **।**

##### **पर्यटक विश्रामस्थल निर्माण**

**स्थान:** शिवपुरी,लामटाङ, ढोरपाटन र अपिनम्पा ।

**क्रियाकलाप**: पदयात्री पर्यटक र भरियाहरुलाई यात्राको समयमा ठाउँ ठाउँमा आराम गर्न आवश्यक पर्ने भएकोले उनीहरुको हितलाई ध्यानमा राखि पर्यटक विश्रामस्थल निर्माण गर्न यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।सकेसम्म पदयात्राको समयावधीमा आराम गर्नु पर्ने र पानीको स्रोत समेत भएको स्थानमा यस्ता विश्रामस्थल निर्माण गरिनेछ । घाम र पानीबाट सुरक्षित हुन सेडको समेत व्यवस्था गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ र प्रचलित कानून अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ४६,००,०००।– वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्र भित्रका १२ स्थानमा पर्यटक विश्रामस्थल निर्माण भई पदयात्री पर्यटक तथा भरियाको पदयात्रा सहज भएको हुनेछ ।

##### **पानीपोखरीमा बोरिङ सहितको सोलार जडान**

**स्थान:** चितवन, बाँके, बर्दिया, कृष्णसार र शुक्लाफाँटा ।

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्रहरुका धेरै भू-भागहरु भावर तथा भित्री मधेश क्षेत्रमा रहेको हुँदा वन्यजन्तुका लागि नियमति रुपमा आवश्यक पर्ने पानीको अभाव हुने भएकोले स्थायी पानीका स्रोतहरु भन्दा अन्य स्थानमा खानेपानीका लागि र वन्यजन्तुलाई आहाल बस्ने प्रयोजनका लागि पानीको ब्यबस्थापन गर्नु अत्यावश्यक देखिन्छ | वन्यजन्तुहरु पानीको लागि गाउ बस्ति हुँदै खोलासम्म पुग्नु पर्दा शिकारीको आक्रमणमा परी मृत्यु हुने सम्भावना पनि रहन्छ | त्यसैले संरक्षित क्षेत्रभित्र विभिन्न स्थानमा पानीपोखरीहरु निर्माण गरिएका हुन्छन । ती पोखरीमा बर्षातको समयमा परेको पानी रहि नरहने भएकोले कित टाढाबाट पाईप मार्फत कि त ट्यांकर बाट ओसारेर पानी भर्नु पर्ने हुन्छ, यसो गर्दा एकातर्फ जंगली हात्तीले पाईप उतारेर फालि दिने समस्य हुन्छ भने अर्को तर्फ ट्यांकरबाट पानी ओसार्दा जनशक्ति र बढी खर्च लाग्ने भएकोले त्यस्ता पोखरी मै बोरिङ सहितको सोलार जडान गर्दा नियमित र सहज ढंगले पानीको आपूर्ति हुने भएकोले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ र प्रचलित कानून अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ९५,००,०००।– वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्र भित्रका १२ वटा पानीपोखरीमा नियमित पानीको आपूर्ति भै वन्यजन्तुलाई पर्याप्त खानेपानीको व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।

##### **कृष्णसारको लागि माउण्ट निर्माण**

**स्थान:** कृष्णसार र शुक्लाफाँटा ।

**क्रियाकलाप**: समथर स्थानमा रहेको कृष्णसारको बासस्थानमा बर्षातको समयमा बाढी तथा डुबानबाट कृष्णसारलाई संरक्षण गर्न सो स्थानमा ढिस्को (माउण्ट) निर्माण गर्न आबश्यक देखिएकोले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत बाहिरबाट माटो ल्याई पहाड जस्तो अग्लो डाडो बनाईन्छ । जव कृष्णसार क्षेत्रमा बाढि आउँछ त्यतीवेला कृष्णसारहरु उक्त अग्लो स्थानमा गै सुरक्षित रहन्छन भन्ने आशा गरिएको छ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ र प्रचलित कानून अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ८,००,०००।– वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** कृष्णसार संरक्षण क्षेत्रको खैरापुरमा र शुक्लाफाँटाको हिरापुरमा १/१ वटा माउण्ट निर्माण भै बर्षातको समयमा कृष्णसारहरु सुरक्षित रहेका हुनेछन् ।

##### **भ्यू -टावर (मचान) निर्माण**

**:yfgM** चितवन, पर्सा, लामटाङ, ढोरपाटन ।

**क्रियाकलाप**:संरक्षित क्षेत्रभित्र आउने पर्यटकहरुको मुख्य उद्देश्य भनेको नै वन्यजन्तुहरुको अबलोकन गर्नु हो | पर्या-पर्यटन प्रबर्दनका लागि प्राय:जसो घाँसे मैदान र पानीपोखरीको छेउमा वन्यजन्तुहरुको चहलपहल बढी हुने हुँदा ति क्षेत्रहरुमा पर्यटकहरुका लागि र गस्ती प्रयोजनका लागि समेत भ्यू-टावरहरु निर्माण गर्न आवश्यक भएकोले यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत स्वीकृत कार्यक्रम अनुसार काठ तथा आर.सी.सी.युक्त भ्यू-टावर निर्माण गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ र प्रचलित कानून अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनM** यस कार्यका लागि रु.२१,५०,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** ६ वटा भ्यू टावर निर्माण भई पर्यटकलाई प्रत्यक्ष रुपमा वन्यजन्तुको अवलोकन गर्न सहज भएको हुनेछ ।

##### **वन्यजन्तु पक्राउका होल्डिङ केज निर्माण**

**:yfgM** चितवन, बाँके, बर्दिया, शुक्ला, पर्सा , लामटाङ, रारा ।

**क्रियाकलाप**:वन्यजन्तु पालन तथा प्रजनन कार्यमा वन्यजन्तुहरु पक्राउ गरि सम्वन्धित स्थानसम्म पुर्‍याउन तथा टुहुरा, घाईते तथा समस्याग्रस्त वन्यजन्तु पक्राउ गरी वन्यजन्तु उद्धार केन्द्र सम्म पुर्याउन यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ र प्रचलित कानून अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनM** यस कार्यका लागि रु.१८,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** ६ वटा वन्यजन्तु पक्राउका होल्डिङ केज निर्माण भै वन्यजन्तु पक्राउ कार्यमा सहज भएको हुनेछ ।

##### **वन्यजन्तु अवलोकनका लागि पिपिङ टावर (Peeping Tower) निर्माण**

**स्थान:** बाँके

**क्रियाकलाप**:संरक्षित क्षेत्रभित्र आउने पर्यटकहरुको मुख्य उद्देश्य भनेको नै वन्यजन्तुको अबलोकन गर्नु हो | वन्यजन्तुको वढी चहलपहल हुने पानी पोखरी तथा सिमसार क्षेत्रमा मानिसहरु देखेमा भाग्ने तथा नआउने हुंदा तिनीहरुले नदेख्ने गरी टावर वा मचानमा वसेर अध्ययन अवलोकन गर्नका लागी यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत काठ वा आर.सी.सी.भ्यू-टावर निर्माण गरी सो भ्यू-टावरको वरीपरी काठ वा अन्य बस्तुले वन्द गरि प्राकृतिक वातावरण जस्तै वनाई { बाहिरका वन्यजन्तु देखिने प्वालहरु मात्र राखिने छ र त्यहि प्वालहरुबाट वन्यजन्तुको अबलोकन गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ र प्रचलित कानून अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. १०,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** १ वटा पिपिङ टावर निर्माण भई वन्यजन्तुको प्रत्यक्ष अवलोकन गर्न सहज भएको हुनेछ ।

##### **होमस्टे प्रवर्द्धन /संचालन सहयोग**

**स्थान:** ढोरपाटन, अपिनम्पा, बांके र लामटाङ

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्र अवलोकनका लागि आउने पर्यटकहरुलाई संरक्षित क्षेत्र नजिक वास वस्ने तथा खाने सुविधा उपलव्ध गराउन स्थानीय / मध्यवर्ती क्षेत्रका वासिन्दालाई होमस्टे संचालन गर्न अभिप्रेरित गर्ने उद्देश्यले यस क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको । यस अन्तर्गत होमस्टे संचालन गर्ने व्यक्ति वा समूहसंग होमस्टेमा हुनु पर्ने सुविधाहरु र ती मध्ये संरक्षित क्षेत्रले सहयोग गर्ने विषयका बारेमा दुई पक्षिय संझौता गरिनेछ, संरक्षित क्षेत्रले गर्ने सहयोगमा शौचालय निर्माण तथा मर्मत, सरसफाई तथा अतिथी स्वागत सम्वन्धी तालिम, फोहोर मैला व्यवस्थापनको लागी खाडल निर्माण वा टोकरी वा प्लाष्टिकको बिर्को सहितका भाँडा, साईनबोर्ड, पर्यटक बस्ने गोलघर, कुर्सी वा वेन्ची निर्माण तथा खरिद जस्ता कार्यहरुको मात्र अनुदान सहयोग उपलव्ध गराईनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ .

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. २२,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी**: ४ वटा होमस्टे संचालन भई स्थानीय समुदायको आयआर्जनमा टेवा पुगेको हुनेछ ।

##### **स्थान्तरित अर्नाको ईन्कोल्जर भित्र सोलार जडित पम्प व्यवस्थापन**

**स्थान:** चितवन रा.नि.

**क्रियाकलाप**: बिगतका बर्षमा कोशीटप्पु वन्यजन्तु आरक्षबाट चितवन राष्ट्रिय निकुञ्ज क्षेत्रमा स्थानान्तरण गरी ईन्कोल्जरमा राखिएका अर्नाको निमित्त नियमित खानेपानी व्यवस्थापनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति Joj:yfkgM** यो कार्य संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै सेवा प्रदायक संस्थाबाट व्यवस्थापन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ६,००,०००।– वित्तिय व्यवस्था रहेकोछ ।

**उपलव्धी:** चितवन रा.नि.मा स्थान्तरित अर्नाको इन्कोल्जर भित्र सोलार जडित पम्पबाट नियमित रुपमा पानी आपूर्ती भै अर्नाको लागि नियमित रुपमा खानेपानी व्यबस्थापन भएको हुनेछ ।

##### **सामुदायिक वनको विधान तथा कार्ययोजना निर्माण/ नविकरण**

**स्थान:** चितवन, बर्दिया,शुक्ला, शिवपुरी, लामटाङ, रारा, शे-फोक्सुण्डो र कंचनजंघा ।

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्रहरुको मध्यवर्ती क्षेत्र घोषणा हुँदा जिल्ला वन कार्यालयबाट हस्तान्तरण भै आएका तथा मध्यवर्ती क्षेत्रमा गठन भएका सामुदायिक वनहरुको विधान तथा कार्ययोजना निर्माण तथा नविकरण गर्ने कार्यका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । सामुदायिक वनको विधान तथा कार्ययोजना निर्माण/ नविकरण गर्दा लाग्ने सम्पूर्ण खर्च यसै शीर्षकबाट गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ र प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो काम गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ३३,५०,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी**: ६७ वटा विधान तथा कार्ययोजना निर्माण/नविकरण भई मध्यवर्ती सामुदायिक वन व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।

##### **डिप बोरिङ स्थलमा पानी ट्यांकी निर्माण**

**स्थान:** पर्सा रा.नि.

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्र (पर्सा वन्यजन्तु आरक्ष) को मुख्य कार्यालय आधारभार क्षेत्रमा निर्माण भएको डिप बोरिङबाट पानी तानेर जम्मा गर्ने पानी ट्यांकी तथा सो ट्यांकीबाट कार्यालय तथा कर्मचारीहरुको आवास भवनहरुमा वितरण गर्ने प्रयोजनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत पानी ट्यांकी निर्माण, पानी तान्ने पाईप, मोटर खरिद जस्ता कार्यहरु गरिने छन् ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ र प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो काम गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. १०,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी**: १ वटा पानी टयांकी निर्माण भै कार्यालय तथा आवास भवन र शौचालयहरुमा नियमित रुपमा पानीको आपूर्ती भएको हुनेछ .

#### **अन्य सार्वजनिक निर्माण (३११५९)**

##### **साइनबोर्ड/ सूचनाबोर्ड / होर्डिंगबोर्ड निर्माण**

**स्थान:**चितवन, लामटाङ, रारा, शिवपुरी, शुक्लाफांटा, बांके, कंचनजंघा, ढोरपाटन ।

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्रभित्र प्रवेश गर्ने पर्यटक तथा सेवाग्राहीहरूलाइ संरक्षित क्षेत्रभित्र निषेधित कुराहरु लगायत अन्य सूचनाहरु जानकारी गराउन ठाउँ ठाउमा साइनबोर्ड, सूचना बोर्ड तथा होर्डिंङबोर्ड राख्नु पर्ने हुदा यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनM** यस कार्यका लागि रु. २७,४०,००००।– वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्रमा ९८ वटा साईनबोर्ड/सूचना बोर्ड / होर्डिङ बोर्ड स्थापना भई जानकारीमूलक सूचना प्रवाह भएको हुनेछ ।

##### **वेवसाइट निर्माण तथा संचालन**

**स्थान:** चितवन, बांके, कोशी, शिवपुरी, लामटाङ, सगरमाथा , ढोरपाटन, अपिनाम्पा, कंचनजंघा

**क्रियाकलाप**: कार्यालयहरुले सार्वजनिक गर्नु पर्ने सूचनाहरु तथा अन्य सार्वजनिक गर्नु पर्ने विषय बस्तुहरु सार्वजनिक गर्ने प्रयोजनका लागि यस कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत वेवसाईट जडान, अपडेड लगायतका कार्यहरु गरिनेछ्न ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ र प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो काम गरिनेछ ।

**वजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. १०,००,०००।– बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** ९ वटा संरक्षित क्षेत्रहरुमा वेवसाईट निर्माण तथा संचालन भै कार्यालयका सूचनाहरु सार्वजनिक भएका हुनेछन् ।

##### **सार्वजनिक शौचालय निर्माण**

**स्थान:**चितवन, पर्सा, लामटाङ, मकालु, रारा, शुक्लाफांटा, कंचनजंघा, कृष्णासार, ढोरपाटन र शे-फोक्सुण्डो ।

**क्रियाकलाप**:संरक्षित क्षेत्रको मुख्य प्रवेशद्वारमा पर्यटकले पर्यटक प्रवेशपत्र लिनु पर्ने /जाँच गर्नु पर्ने हुँदा समय लाग्ने हुन्छ र त्यसै गरी सूचना केन्द्रमा जानकारी लिनेक्रममा पनि समय लाग्न सक्छ, एकै पटक धेरै जना हुँदा पालो कुरेर बस्नु पर्ने पनि हुन्छ । त्यसैले त्यस क्षेत्रमा पर्यटकहरुका लागि शौचालय हुन अति आवश्यक भएकोले यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत महिला तथा पुरुष दुबैको लागि हुने गरी शौचालय निर्माण गर्नुको साथै पानीको समेत व्यवस्था गरिनेछ । उक्त शौचालय सफा राख्ने व्यवस्था समेत कार्यालयले गर्नु पर्नेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ र प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो काम गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ६०,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** उपयुक्त स्थानमा १८ वटा सार्वजनिक शौचालय निर्माण भई पर्यटकहरुलाई शौचालयको सुविधा प्राप्त भएको हुनेछ ।

##### **गोलघर/प्रतिक्षालय निर्माण**

**स्थान:**चितवन, बर्दिया, शुक्ला, शिवपुरी, सगरमाथा, मकालु, खप्‍तड, ढोरपाटन ।

**क्रियाकलाप**:संरक्षित क्षेत्रमा आउने आगन्तुकहरुलाई कार्यालयमा कामको सिलसिलामा पर्खेर बस्नु पर्ने हुन सक्छ, जथाभावी नबसुन, घाम र पानीबाट सुरक्षित भै बस्न सकुन भन्ने उदेश्यले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत गोलघर/ प्रतिक्षालय निर्माण गरिनुका साथै सो मा वन्यजन्तु संरक्षण संम्वन्धी श्रव्य दृश्यको समेत व्यवस्थापन गर्न सकिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ४०,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** उपयुक्त स्थानमा १४ वटा गोलघर/ प्रतिक्षालय निर्माण भई आगन्तुक/ सेवाग्राणी तथा पर्यटकहरुलाई सुविधा प्राप्त भएको हुनेछ ।

##### **प्रवेशद्वार निर्माण**

**स्थान:**चितवन, बर्दिया, शुक्ला, पर्सा, शिवपुरी, लामटाङ, मकालु, खप्‍तड, ढोरपाटन ।

**क्रियाकलाप**:आगन्तुक तथा पर्यटकहरुलाई संरक्षित क्षेत्र प्रवेश गर्ने बाटो देखाउने, प्रवेश भएको जानकारी गराउने उदेश्यले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति Joj:yfkgM** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ५२,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्रका ९ स्थानमा प्रवेशद्वार निर्माण भएको हुनेछ ।

##### **मोटर ग्यारेज निर्माण**

**स्थान:**चितवन, बर्दिया, शुक्ला, लामटाङ, मकालु बरुण ।

**क्रियाकलाप**:कार्यालयका सवारी साधनहरु सुरक्षित ढंगबाट राख्ने व्यवस्थाको लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. १६,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयका उपयुक्त ७ स्थानमा मोटर ग्यारेज निर्माण भएको हुनेछ ।

##### **रिटेनिङ वाल/ नदि पहिरो नियन्त्रण**

**स्थान:** शुक्ला, कोशी, मकालु बरुण, रारा ।

**क्रियाकलाप**: नदी पहिरोले जोखिम रहेका कार्यालय, पोष्टका साथै महत्वपूर्ण वन्यजन्तुको बासस्थानहरुको संरक्षण गर्ने उदेश्यले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत रिटेनिङ वाल, चेकड्याम्प लगाउने तथा पहिरोको जोखिम क्षेत्रमा बाँस लगायतका जोखिम निरुपण गर्न सहयोग पुर्‍याउने प्रजातीका विरुवा समेत वृक्षारोपण गर्न सकिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ५१,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्रका उपयुक्त ८ स्थानमा रिटेनिङवाल तथा नदी पहिरो नियन्त्रण कार्य भएको हुनेछ ।

##### **कम्पाउण्डवाल निर्माण**

**स्थान:** मकालु बरुण र अपी-नाम्पा ।

**क्रियाकलाप**: कार्यालय परिसर भित्र अन्य अनावश्यक व्यक्ति, पशु बस्तुहरु प्रवेश गर्न नसकुन,कार्यालय परिसरमा रहेका सामानहरु, सवारी साधन लगायत पक्राउ परि आएका सामानहरुको समेत सुरक्षा प्रदान गर्न सहज होस भन्ने उदेश्यले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. १३,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** २ वटा संरक्षित क्षेत्र कार्यालयमा १५ मिटर कम्पाउण्डवाल निर्माण भएको हुनेछ ।

##### **तारवार /काँडेतारवार निर्माण**

**स्थान:** चितवन, बाँके, पर्सा, मकालु बरुण शे-फोक्सुण्डो, अपी-नाम्पा ।

**क्रियाकलाप**: कार्यालय, सेक्टर, पोष्टहरुमा वन्यजन्तु लगायत पशु बस्तुहरु (घोडा, खच्चर) प्रवेश गर्न नसकुन,कार्यालय परिसरमा रहेका सामानहरु, सवारी साधन लगायत पक्राउ परि आएका सामानहरुको समेत सुरक्षा प्रदान गर्न सहज होस भन्ने उदेश्यले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति Joj:yfkgM** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ३७,६०,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** उपयुक्त स्थानमा १६.५ कि.मि. तारवार/काँडेतारवार निर्माण भएको हुनेछ ।

##### **भान्छाघर निर्माण**

**स्थान:** कृष्णसार सं.क्षे. ।

**क्रियाकलाप**: कार्यालयमा कार्यरत कर्मचारीहरु २४ सैं घण्टा खटिनु पर्ने, विहान दिउँसो र रातको समयमा समेत गस्ती गर्नु पर्ने भएको हुँदा गस्तीमा खटिने कर्मचारी थाक्ने र समय मै खाना बनाएर खान सम्भव नभएको र पोष्ट, सेक्टर, कार्यालय नजिक अन्य वस्ती तथा पसलहरु नहुने भएकोले सवै कर्मचारीहरुको एउटै मेश बनाई पालो पालो गरी १ जनाले खाना बनाउने र अरु कर्मचारी गस्ती लगायतका अन्य काममा खटिन सजिलो होस भनेर साझा भान्छा घरका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ५,०,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** कृष्णसार संरक्षण क्षेत्रमा यस आ.ब.मा १ वटा भान्छाघर निर्माण भएको हुनेछ ।

#### **पूँजिगत सुधार खर्च ( ३११७१)**

##### **वनपथ मर्मत सुधार**

**स्थान:**चितवन, बाँके, बर्दिया, शुक्ला, पर्सा, कोशी, शिवपुरी, लामटाङ, रारा, शे-फोक्सुण्डो, अपिनम्पा, कञ्चनजंघा र कृष्णसार

**क्रियाकलाप**:प्राय:गरि तराइका संरक्षित क्षेत्रहरुमा पर्यटकहरुलाई संरक्षित क्षेत्रको अबलोकन गर्न तथा कर्मचारीहरुबाट वन्यजन्तुको चोरी शिकार नियन्त्रणका लागि नियमित गस्ती गर्न वनपथ तथा बाटोको आवश्यक पर्ने हुँदा निर्माण भई सकेका वनपथहरुलाई चालु अवस्थामा राख्न यस क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत वनपथमा सालबसालि रुपमा पलाउने घाँस, बुट्यान, झाडि हटाउने, बर्षातको पानीबाट भत्किएका स्थानहरुको मर्मत गर्ने, हावाहुरीले ढाली बाटोमा परेका रुखहरु व्यवस्थित ढंगबाट हटाउने, होचो भागमा माटो भर्ने, पानी जम्ने स्थानमा ढुंगा गिट्टी हाल्ने, बाटोको दाँयाबायाँ वर्षातको पानी जाने गरी नाली सफा गर्ने आदि कार्य गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु.२,२१,२०,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** ५५३ कि.मि. वनपथ मर्मत भई पर्यटकले सहज ढंगबाट वन्यजन्तुको अवलोकन गर्नुका साथै वन्यजन्तु तथा वनस्पतिको चोरी शिकार नियन्त्रणका लागि गस्ती गर्ने र वन डढेलो नियन्त्रण कार्यमा समेत सहयोग पुगेको हुनेछ ।

##### **गोरेटो बाटो / पर्यटक मार्ग मर्मत तथा स्तरोन्नती**

**स्थान:**चितवन, बाँके, पर्सा, लामटाङ, खप्‍तड, शुक्लाफांटा, शिवपुरी, शे-फोक्सुण्डो, ढोरपाटन, अपिनम्पा

**क्रियाकलाप**:प्राय:गरि पहाडी तथा हिमाली संरक्षित क्षेत्रहरुमा र तराईका चुरे क्षेत्रमा वन्यजन्तुको चोरी शिकार नियन्त्रणका लागी गस्ती गर्ने, वन्यजन्तुको अवलोकन गर्ने र पदयात्री पर्यटकहरुलाई संरक्षित क्षेत्र अवलोकनमा सहज बनाउन भै रहेका गोरेटो बाटो तथा पर्यटक मार्ग मर्मत सुधार तथा स्तरोन्नती गर्न यस क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत वन्यजन्तुको बढी चहलपहल हुने क्षेत्रमा मानिस आवत जावत गर्न मिल्ने किसिमबाट घाँस, बुट्यान, झाडि हटाउने, पहाडी क्षेत्रको ठाडो उकालोमा भत्केका सिंढीहरु मर्मत सुधार गर्ने, वर्षातको समयमा चिप्लो हुने पहाडी तथा हिमाली गोरेटो बाटोमा विछ्याईएका ढुंगाहरु टुटेका भए थप गर्ने आदि कार्य गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु.५६,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** २१७ कि.मि. गोरेटो बाटो तथा पर्यटक पदमार्ग मर्मत सुधार भई पर्यटकले सहज ढंगबाट वन्यजन्तुको अवलोकन गर्नुका साथै वन्यजन्तु तथा वनस्पतिको चोरी शिकार नियन्त्रणका लागि गस्ती गर्ने र वन डढेलो नियन्त्रण कार्यमा समेत सहयोग पुगेको हुनेछ ।

##### **काठेपुल मर्मत**

**स्थान:**चितवन, बाँके, शुक्ला, पर्सा, लामटाङ, मकालु, रारा, शे-फोक्सुण्डो, खप्तड, ढोरपाटन, कंचनजंघा, अपिनम्पा, बर्दिया ।

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्र अवलोकनका लागि आएका पर्यटकहरुलाई संरक्षित क्षेत्रमा आवत जावत गर्न र कर्मचारी/सुरक्षाकर्मीहरुलाई वन्यजन्तु अनुगमन तथा चोरी शिकार नियन्त्रणका लागि गस्ती गर्ने कार्यमा समेत सहयोग पुग्ने भएकोले संरक्षित क्षेत्रभित्र निर्माण भएका काठेपुलहरु बर्षातको पानीका कारण लामो समय सम्म रहि रहन नसक्ने हुँदा समय समयमा मर्मत सुधार गर्न यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत बाढीले भत्काएका दायाँबायाँका रिटेनिङवाल, मक्किएका काठहरु फेर्ने, भाँचिएका रेलिङहरु फेर्ने जस्ता कार्यहरु गरिनेछ ।

**जनशक्ति ब्यवस्थापन :** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु.६४,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** उपयुक्त स्थानमा रहेका ६७ वटा काठका पुल मर्मत भई पर्यटकहरुलाई संरक्षित क्षेत्रको अवलोकन गर्न सहज हुनुका साथै कर्मचारी सुरक्षाकर्मीहरुलाई गस्ती गर्ने कार्यमा समेत सहयगो पुगेको हुनेछ ।

##### **खानेपानी मर्मत सुधार**

**स्थान:** अपिनम्पा, कंचनजंघा, कोशीटप्पु, खप्‍तड, चितवन, ढोरपाटन, पर्सा, बांके, रारा, लामटाङ, शिवपुरी, शुक्लाफांटा, शे-फोक्सुण्डो, सगरमाथा ।

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्र कार्यालय, सेक्टर, पोष्टमा कार्यरत कर्मचारीहरुका साथै कार्यालयमा आउने पर्यटक, सेवाग्राहीहरुका लागि नियमित रुपमा खानेपानी व्यवस्था गर्न निर्माण भै हाल नियमित रुपमा संचालनमा नआएका खानेपानी (पाईप जडान तथा ट्युवेल) हरु मर्मत सुधार गरी नियमित रुपमा संचालन गराउने कार्यका लागि यस क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत पुराना पाईप हटाई नयाँ थप गर्ने, खानेपानी मुहान सरसफाई तथा मर्मत सुधार गर्ने, ट्यूवेल मर्मत गर्ने, पानी सुद्धीकरणका उपकरणहरु मर्मेत सुधार गर्ने आदि कार्य गरिनेछ ।

**जनशक्ति ब्यवस्थापन :** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु.५९,६०,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्रका १०५ वटा खानेपानी मर्मत सुधार भई नियमित रुपमा संचालनमा आएका हुनेछन् **।**

##### **वन्यजन्तुका पानी पोखरी मर्मत सुधार**

**स्थान:** चितवन, बाँके, बर्दिया, शुक्लाफाँटा, पर्सा, कोशी, शिवपुरी नागार्जुन, लामटाङ, सगरमाथा, मकालु बरुण, रारा, शे-फोक्सुण्डो, खप्तड, अपिनम्पा, कृष्णसार ।

**क्रियाकलाप**:वन्यजन्तुका लागि पानी व्यवस्थापन गर्ने प्रयोजनका लागि निर्मण भएका पोखरीहरु वन्यजन्तु आवात जावत गर्दा भत्किएका, पोखरीहरुबाट पानी चुहिएका, झार पातपतिंगरले भरिएका पोखरीहरु समय समयमा मर्मत सभार गर्नु पर्ने हुँदा यस क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति ब्यवस्थापन :** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु.३९,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्रभित्र निर्माण भएका ५८ वटा वन्यजन्तुका खानेपानी पोखरीहरु मर्मत सुधार भै ती पोखरीहरुमा पानी व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।

##### **भ्यू -टावर (मचान) मर्मत सुधार**

**स्थान:** चितवन, बाँके, शुक्ला, पर्सा, कोशी , लामटाङ , रारा, खप्तड, ढोरपाटन ।

**क्रियाकलाप**:संरक्षित क्षेत्रभित्र आउने पर्यटकहरुको मुख्य उद्देश्य भनेको नै वन्यजन्तुहरुको अबलोकन गर्नु हो | पर्या-पर्यटन प्रवर्द्धनका लागि प्राय:जसो घाँसे मैदान र पानीपोखरीको छेउमा वन्यजन्तुहरुको चहलपहल बढी हुने हुँदा ति क्षेत्रहरुमा पर्यटकहरुका लागि र गस्ती प्रयोजनका लागि समेत भ्यू-टावरहरु निर्माण गरिएका हुन्छन तर बर्षातको पानी, जंगली हात्तीले भत्काई दिने, आगलागी हुने जस्ता कारणहरुबाट मचानहरु प्रयोगयोग्य नहुने भएकाले त्यस्ता मचानहरु मर्मत सुधार गरी प्रयोगयोग्य बनाउन यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत स्वीकृत कार्यक्रम अनुसार काठ तथा आर.सी.सी.युक्त भ्यू-टावरहरुको मर्मत सुधार गरिनेछ ।

**जनशक्ति ब्यवस्थापन :** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु.२८,५०,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** ३३ वटा मचान मर्मत सुधार भई पर्यटकहरुलाई प्रत्यक्ष रुपमा वन्यजन्तुको अवलोकन गर्न सहज भएको हुनेछ ।

##### **साइनबोर्ड/ सूचनाबोर्ड / होर्डिंगबोर्ड मर्मत**

**स्थान:**चितवन, बाँके , बर्दिया, शुक्ला, पर्सा, लामटाङ, सगरमाथा, शे-फोक्सुण्डो, खप्‍तड, ढोरपाटन, अपी-नाम्पा, कृष्णसार ।

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्रभित्र प्रवेश गर्ने पर्यटक तथा सेवाग्राहीहरूलाइ संरक्षित क्षेत्रभित्र निषेधित कुराहरु लगायत अन्य सूचनाहरु जानकारी गराउन ठाउँ ठाउमा राखिएका साइनबोर्ड, सूचना बोर्ड तथा होर्डिंगबोर्डहरु लामो समयसम्म टिकि नरहने हुँदा वेला वेलामा तिनीहरुको मर्मत संभार गर्नु पर्ने हुन्छ । त्यसै प्रयोजनका लागि यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गगत सूचना बोर्ड फेर्ने, पोलहरु फेर्ने जस्ता कामहरु गरिनेछन् ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु**.** २३,१०,०००।– वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षतित क्षेत्रमा १६४ वटा साईनबोर्ड, सूचनाबोर्ड, होर्डिङ बोर्ड मर्मत संभार भै जानकारीमुलक सूचनाहरु प्रबाह भएको हुनेछ ।

##### **पर्यटकिय टिकट काउण्टर मर्मत सुधार**

**स्थान:**चितवन, , बर्दिया, शुक्ला, विभाग, शिवपुरी, लामटाङ, सगरमाथा, मकालु, शे-फोक्सुण्डो ।

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्रभित्र प्रवेश गर्ने पर्यटकहरुको प्रवेश टिकट काट्नु पर्ने हुन्छ, ती टिकट काट्ने तथा उनीहरुले लिएका टिकटहरुको चेक गर्ने र त्यसको अभिलेख राख्ने प्रयोजनका लागि बनेका टिकट काउण्टरहरु बेला बेलामा मर्मत संभार गर्नु पर्ने हुँदा यस कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ३०,००,०००।– वित्तीय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्रमा १५ वटा पर्यटक टिकट काउण्टर मर्मत सुधार भएको हुनेछ ।

##### **प्रतिक्षालय / गोलघर मर्मत सुधार**

**स्थान:**चितवन, शुक्ला, पर्सा, कोशी, अपी-नाम्पा, कृष्णसार ।

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्रमा प्रवेश गर्ने पर्यटक ‍तथा सरकारी कामका लागि आउने आगन्तुकहरुलाई आफ्नो पालो नआएसम्म कुरेर बस्नु पर्ने हुँदा तिनीहरुलाई पालो कुरेर बस्नको निमित्त बनाईएक प्रतिक्षालय तथा गोलघरहरु समय समयमा मर्मत सुधार गर्नु पर्ने भएको हुँदा यस कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. १३,२५,०००।– वित्तीय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षतित क्षेत्रमा १७ वटा प्रतिक्षालय तथा गोलघरहरु मर्मत सुधार भएको हुनेछ ।

##### **क्याम्पसाईट मर्मत**

**स्थान:**लामटाङ, मकालु, ढोरपाटन, खप्तड र अपी-नाम्पा ।

**क्रियाकलाप**: पदयात्री पर्यटकहरुका निमित्त रातको समयमा बस्नका लागि कार्यालय, सेक्टर, पोष्टका नजिक बनाईएका क्याम्पसाईटहरु समय सयमा मर्मत सुधार गर्नु पर्ने हुँदा यस कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. १०,४९,०००।– वित्तीय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षतित क्षेत्रमा १६ वटा क्याम्पसाईटहरु मर्मत सुधार भएको हुने ।

##### **कान्जिहाउस मर्मत**

**स्थान:**बर्दिया, शुक्ला, कोशी र रारा ।

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्र भित्र अवैध रुपम प्रवेश गरेका पशुहरु (गाई, भैंसी, गोरु, राँगा) लाई पशुधनीहरु लिन नआएसम्म थुनेर राख्न कार्यालय, सेक्टर, पोष्टका नजिक निर्माण गरिएका कान्जीहाउसहरु समय सयमा मर्मत सुधार गर्नु पर्ने हुँदा यस कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ८,५०,०००।– वित्तीय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षतित क्षेत्रमा १७ वटा कान्जिहाउसहरु मर्मत सुधार भएको हुनेछ ।

##### **सोलार फेन्स / तारवार मर्मत सुधार**

**स्थान:**चितवन, शुक्ला, पर्सा, कोशी, लामटाङ, कृष्णसार ।

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्र भित्रका वन्यजन्तुहरु गाउँ बस्ती तथा आवादीमा पसी नोक्सारी पुर्‍याउने कार्यलाई रोकी मानव वन्यजन्तु द्वन्द न्यूनिकरण गर्ने प्रयोजनका लागि निर्माण भएको सोलार फेन्स तथा तारवारहरु समय सयमा मर्मत सुधार गर्नु पर्ने हुँदा यस कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. २,११,३८,०००।– वित्तीय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** ३८ कि.मि. सोलार फेन्स तथा तारवार मर्मत सुधार भएको हुनेछ ।

##### **धार्मिक तथा साँस्कृतिक सम्पदा संरक्षण सुधार**

**स्थान:**शिवपुरी, लामटा, खप्‍तड ।

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्र भित्र रहेका महत्वपूर्ण धार्मिक तथा साँस्कृतिक सम्पदाहरुको संरक्षण गर्ने पनि उदेश्य संरक्षित क्षेत्रहरुको भएको हुँदा तिनीहरुको संरक्षण र सम्वर्द्धनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ८,००,०००।– वित्तीय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्रभित्रका ८ वटा महत्वपूर्ण धार्मिक तथा सांस्कृतिक सम्पदाको मर्मत तथा संरक्षण भएको हुनेछ ।

##### **निकुञ्जको सुबिधा प्राप्त बाटो/ मार्गको झाडि सफाई**

**स्थान:**चितवन, बाँके र पर्सा ।

**क्रियाकलाप**: निकुञ्जमा पर्ने राजमार्ग क्षेत्रमा चल्ने सवारी साधनहरुको गति अत्याधिक हुने र वन्यजन्तुहरु वारपार हुँदा सवारी साधन दुर्घटना हुनुका साथै वन्यजन्तुहरुको मृत्यु समेत हुने भएकोले टाढै बाट वन्यजन्तुहरु देख्न सकियोस र सवारी साधनको गति सिमित गर्न सकियोस भन्ने उदेश्यले राजमार्ग छेउका झाडीहरु सरसफाई गर्न यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. १५,७५,०००।– वित्तीय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** १०५ कि.मि. निकुञ्जको सुविधा प्राप्त बाटो राजमार्ग सरसफाई भएको हुनेछ ।

##### **भवन मर्मत सुधार**

**स्थान:**चितवन, बाँके, बर्दिया, शुक्ला , पर्सा, कोशी, शिवपुरी, लामटाङ, सगरमाथा, मकालु, रारा, शे-फोक्सुण्डो, खप्तड, ढोरपाटन, अपी-नाम्पा, कृष्णसार र कंचनजंघा ।

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्रको संरक्षण र व्यवस्थापनका लागि निर्माण भएका कार्यालय, सेक्टर, पोष्ट लगायत सो संग सम्वन्धित भवनहरु ( हिरासत भवन, गेष्ट हाउस, तालिम हल, शौचालय), मठ, मन्दिर, मस्जिदहरुको संरक्षणका लागि समय समयमा मर्मत सुधार गर्नु पर्ने भएको हुँदा यस कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत भवनमा गरिने बिजुली वाईरिङ मर्मत सुधार पनि यसै अन्तर्गत पर्दछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. २,५५,००,०००।– वित्तीय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्रका २६९ वटा भवनहरु मर्मत सुधार भएको हुनेछ ।

##### **विभाग/ कार्यालयको परिसर तथा वगैंचा मर्मत सुधार**

**स्थान:**रा.नि.विभाग, कंचनजंघा, मनास्लू, गौरीशंकर ।

**क्रियाकलाप**: कार्यालयका परिसर सरसफाई गर्ने, बगैंचा व्यवस्थापन गर्ने कार्यले कर्मचारीका साथै सेवाग्राहीलाई समेत आनन्दित बनाउने हुँदा परिसर सुधार तथा व्यवस्थापनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत सरसफाई गर्ने, बगैचा लगाउने, विरुवा खरिद गर्न तथा सो व्यवस्थापन गर्न कुनै व्यक्तिलाई करार गर्ने समेतका कार्यहरु पर्दछन् ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्था वा व्यक्ति बाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. १२,००,०००।– वित्तीय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** ४ स्थानमा परिसर तथा वगैंचा मर्मत सुधार तथा व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।

##### **विद्युतीय पर्यटक सूचना केन्द्र व्यवस्थापन**

**स्थान:** चितवन, शिवपरी नागार्जुन

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्र अवलोकनका लागि आउने पर्यटकहरुलाई संरक्षित क्षेत्र अवलोकन गर्नु अघि सो संरक्षित क्षेत्र सम्वन्धी जानकारी दिने र सो बाट उसको चाहना अनुरुपको विषयवस्तुमा अवलोकन गर्ने अवसर प्रदान गर्न संरक्षित क्षेत्रको मुख्य कार्यालयमा गत आ.व.मा बिद्युतीय पर्यटक सूचना केन्द्रको लागि आवश्यक पूर्वाधार स्थापना गरीएको हुँदा यसको व्यवस्थापनका लागि यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत कुर्सी, टेवुल सहितको कम्प्युटर सेट राखिनेछ । कम्प्युटर सेटमा निकुञ्जको सामान्य जानकारी देखि त्यहाँ पाइने मुख्य मुख्य वन्यजन्तु, वनस्पति लगायत सम्पूर्ण जैविक विविधता तथा सांस्कृतिक विविधताको सम्वन्धी सम्पूर्ण जानकारी उपलव्ध गराईनेछ । जसमा पर्यटकले आफ्नो चाहना अनुसारको विषय बस्तु हेर्न सक्नेछन् । साथै Virtule अनुभव गर्ने खालका सामग्री समेत राखीनेछ । साथै बालबालिकालाई समेत रमाइलो हुने विषय वस्तुहरु पनि समेटिने छन् ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन**: यस कार्यका लागि रु.१०,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** चितवन र शिवपुरी नागार्जुन रा.नि.मा निर्माणाधिन विद्युतीय पर्यटक सूचना केन्द्रको ब्यवस्थापन भई संचालनमा आएको हुनेछ ।

#### **पूँजिगत अनुसन्धान तथा परामर्श (३११७२)**

##### **व्यवस्थापन कार्ययोजना निर्माण /पुन:निर्माण**

**स्थान:** सगरमाथा रा.नि.

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्र र सो को मध्यवर्ती क्षेत्रको दिगो व्यवस्थापनका लागी पञ्च वर्षिय कार्ययोजना निर्माण गरी सोही कार्ययोजना अनुरुप संरक्षण र व्यवस्थापनका कार्यक्रमहरु संचालन गर्न आवश्यक हुने हुँदा यस क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस क्रियाकलापमा कार्यालयले लागत अनुमान र ToR तयारी र स्वीकृत गरी सोही बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट नेपाली भाषामा कार्ययोजना निर्माण गराउनेछ । सेवा प्रदायक संस्थाले सो कार्ययोजनालाई अन्तिम रुप दिनु अघि जिल्ला स्थित सरोकारवाला संस्थाहरुसँग छलफल अन्तरकृया गरी उनीहरुबाट प्राप्त राय सुझावहरु समेतलाई समावेश गरिएको कार्ययोजनालाई केन्द्रिय स्तर (राष्ट्रिय निकुञ्ज विभाग) मा प्रस्तुत गर्नेछ र प्राप्त राय सुझावहरुलाई समावेश गरी चालु आ.ब. भित्र अन्तिम कार्ययोजना पेश गर्नेछ । साथै व्यवस्थापन योजना स्वीकृत पश्‍चात व्यवस्थापन योजना अनुरुप संरक्षण र व्यवस्थापनका कार्यक्रमहरु संचालन गर्न आवश्यक हुने हुँदा व्यवस्थापन योजनाको IEE गर्नु पर्दछ । यस क्रियाकलापमा कार्यालयले लागत अनुमान र ToR को आधारमा सेवा प्रदायक संस्थाबाट IEE गराउनेछ । सेवा प्रदायक संस्थाले IEE को प्रतिवेदनलाई अन्तिम रुप दिनु अघि जिल्ला स्थित सरोकारवाला संस्थाहरुसँग छलफल अन्तर्क्रिया गरी उनीहरुबाट प्राप्त राय सुझावहरु समेतलाई समावेश गरि केन्द्रिय स्तर (राष्ट्रिय निकुञ्ज विभाग) मा प्रस्तुत गर्नेछ र प्राप्त राय सुझावहरुलाई समावेश गरी चालु आ.ब. भित्र अन्तिम IEE प्रतिवेदन पेश गर्नेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**ah]6 व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. १५,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** सगरमाथा राष्ट्रिय निकुञ्जको आगामी पाँच वर्षको कार्ययोजना निर्माण भएको हुनेछ .

##### **प्राणी उद्यान स्थापना सम्भाव्यता अध्ययन**

**स्थान: रा.नि.विभाग**

**क्रियाकलापः** नेपाल सरकारले प्रत्येक प्रदेशमा एक एक वटा प्राणी उद्यान स्थापना गर्ने नीति अनुरुप यो विगतका वर्षहरुमा जस्तै यस वर्ष पनि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको छ । यस अन्तर्गत बाँके र शंकरनगर, रुपन्देशीमा प्राणी उद्यान स्थापनाको लागि सम्भाव्यता अध्ययन गरी कार्ययोजना समेत निर्माण गरिनेछ । विज्ञहरु मार्फत यो कृयाकलाप गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** विभागले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. २०,००,०००। बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलब्धीः** बाँके र शंकरनगर, रुपन्देहीमा प्राणी उद्यान स्थापनाको लागि सम्भाव्यता अध्ययन भई कार्ययोजना निर्माण समेत भएको हुनेछ ।

### **ख. चालु खर्च कार्यक्रमहरु**

#### **कर्मचारी तालिम (२२५११)**

##### **गेमस्काउट/सेनालाई पुनर्ताजकि तालिम**

**:yfgM** अपिनम्पा, कोशीटप्पु, बर्दिया, लामटाङ, शिवपुरी नागार्जुन

**क्रियाकलाप**:संरक्षित क्षेत्रको संरक्षण र व्यवस्थापनका लागि प्रत्यक्ष रुपमा फिल्डमा रहि काम गर्ने गेमस्काउट तथा संरक्षित क्षेत्रको संरक्षणमा खटिएका सेनालाई संरक्षित क्षेत्रको बारेमा जानकारी गराउन आवश्यक भएकोले यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत गेमस्काउट तथा सेनालाई संरक्षित क्षेत्रको ऐन नियम कानून सम्वन्धी जानकारी हुने गरी संरक्षित क्षेत्रका कर्मचारीबाट तालिम प्रदान गरिने छ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ५,५०,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** गेमस्काउट तथा संरक्षणमा खटिएका सेनाको वन्यजन्तु तथा संरक्षित क्षेत्र सम्बन्धी विषयमा क्षमता अभिबृद्धि भएको हुनेछ ।

##### **आखेटोपहार तथा जडिबुटी पहिचान सम्वन्धी तालिम**

**स्थान:** रारा रा.नि. र शुक्लाफांटा रा.नि

**क्रियाकलाप**:संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण ऐन, नियम विपरितकार्यहरु गर्ने ब्यक्तिहरुलाई पक्राउ गर्ने नियमानुसार संजाय गर्ने कार्यहरु गर्नु पर्ने हुँदा फिल्डमा रहि काम गर्ने कर्मचारीहरुमा आखेटोपहार तथा जडिबुटी पहिचान सम्वन्धी जानकारी हुन आवश्यक देखि यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत वन्यजन्तु तथा वनस्पती विज्ञहरुबाट वन्यजन्तुको आखेटोपहार तथा जडिबुटी पहिचान गर्ने तालिम प्रदान गरिनेछ । तालिमका प्रशिक्षकको प्रशिक्षण भत्ता, तालिमका सहभागीहरुको खाना, खाजा तथा वास खर्च, तालिमको प्रतिवेदन तयारी लगायत यस तालिमसंग सम्वन्धित कार्यहरु गर्दा लाग्ने सम्पूर्ण खर्च यसै शीर्षकबाट गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**वजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. १,५०,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** २ वटा संरक्षित क्षेत्र कार्यालयमा कार्यरत कर्मचारीहरुमा आखेटोपहार तथा जडिबुटी पहिचान सम्वन्धी विषयमा क्षमता अभिबृद्धि भएको हुनेछ ।

##### **वन्यजन्तु अपराध नियन्त्रण व्युरोमा संलग्न निकायका कर्मचारीको अभिमुखिकरण तालिम**

**स्थान:** रा.नि.विभाग

**क्रियाकलाप**:वन्यजन्तु अपराध नियन्त्रणका लागि गठित वन्यजन्तु अपराध नियन्त्रण ब्युरोमा संलग्न कर्मचारीहरुलाई अभिमुखिकरण गर्ने उदेश्यले यस कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:**  संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट ब्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ४,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** वन्यजन्तु अपराध नियन्त्रण ब्यूरोमा संलग्न निकायका कार्मचारीहरुको क्षमता अभिबृद्धि भएको हुनेछ ।

#### **सीप विकास तथा क्षमता अभिबृद्धि तालिम तथा गोष्ठी**

##### **वन्यजन्तुको आनीवानी सम्वन्धी सचेतना गोष्ठी**

**स्थान:**लामटाङ रा.नि.

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्रभित्रबाट वन्यजन्तुहरु पानी तथा खानाको लागी गाउँबस्ती तथा आवादी क्षेत्रमा आई धनजन र खेतीबाली नोक्सान गर्ने हुँदा मानव वन्यजन्तु द्वन्द सृजना हुन पुगेकोले एकातर्फ वन्यजन्तुका लागी आवश्यक पर्ने खाना तथा पानी संरक्षित क्षेत्रभित्रै उपलव्ध गराउने र अर्को तर्फ तराईका मध्यवर्ती क्षेत्र र त्यसमा पनि वन्यजन्तुको वढी आवत जावत गर्ने क्षेत्रका स्थानीय बासिन्दालाई वन्यजन्तुको आनीबानी सम्वन्धी जानकारी गराई उनीहरुलाई वन्यजन्तुबाट सुरक्षित गर्न यस क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत संरक्षित क्षेत्रहरुले वन्यजन्तुको बढी आवत जावत हुने स्थानहरुमा स्थानीय बासिन्दा, संघ संस्थाका पदाधिकारीहरुलाई भेला गराई वन्यजन्तुको आनीबानी र सो वन्यजन्तुहरुबाट वच्ने उपाय सम्वन्धमा विज्ञहरुबाट प्रशिक्षण तथा अन्तर्क्रिया कार्यक्रम संचालन गर्नेछन् । यस अन्तर्गत विज्ञलाई आमन्त्रण गरिएकोमा विज्ञको प्रशिक्षण भत्ता तथा सहभागीहरुको खाजा खर्च र कार्यक्रम संचालनमा जाँदा आउँदाको गाडिभाडा तथा ईन्धन खर्चहरु गरिनेछन ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट ब्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ५०,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** स्थानय समुदायले वन्यजन्तुको आनीवानीको बारमेमा थाहा पाउने र वन्यजन्तुको आक्रमणबाट बच्ने उपायहरुको बारेमा जानकारी प्राप्त गरेका हुनेछन् ।

##### **सरोकारवालाहरुसँग संरक्षण सम्वन्धी अन्तरक्रिया गोष्ठी**

**:yfgM** लामटाङ, सगरमाथा ,मकालु बरुण, रारा, शे-फोक्सुण्डो, खप्तड, ढोरपाटन, अपी-नाम्पा, कृष्णसार, कंचनजंघा ।

**क्रियाकलाप:** संरक्षित क्षेत्रको महत्व, संरक्षणको आवश्यकता, संरक्षणमा सरोकारवाला निकायहरुको भूमिका, संरक्षित क्षेत्रका समस्या र चुनौतिहरुको बारेमा सम्बन्धित सरोकारवाला निकायहरु बीच छलफल गरी संरक्षित क्षेत्रको संरक्षण र व्यवस्थापनमा थप योगदान पुर्‍याउनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले सरोकारवाला निकायहरुलाई भेला गराई समन्वय र साझेदारीका विषयमा थप छलफल गर्नेछन् । यस अन्तर्गत सहभागीहरुको खाजा खर्च र कार्यक्रम संचालनमा जाँदा आउँदाको गाडीभाडा तथा इन्धन खर्चहरु गरिनेछन् ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गरी कार्यक्रम गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यकालागि रु. ४,५०,०००। बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्रको संरक्षण र व्यवस्थापनमा सरोकारवाला निकायहरुबीच समन्वय र साझेदारीमा थप मजबुत भएको हुनेछ ।

##### **जैविक विविधता संरक्षण सम्वन्धी समन्वय गोष्ठी**

**स्थान:** अन्नपूर्ण

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्र आसपास तथा मध्यवर्ती क्षेत्रका स्थानीय बासिन्दाहरुमा संरक्षित क्षेत्रको महत्व, संरक्षणको आवश्यकताका बारेमा जानकारी हासिल गराई संरक्षित क्षेत्रको संरक्षण र व्यवस्थापनमा स्थानीय बासिन्दाहरुको सकरात्मक सोचको विकास गराउने उदेश्यले यस क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले स्थानीय बासिन्दा, कार्यालय, संघ संस्थाका पदाधिकारीहरुलाई भेला गराई जैविक विविधाता संरक्षण सम्वन्धी जनसमन्वय गोष्ठी संचालन गर्नेछन् । यस अन्तर्गत सहभागीहरुको खाजा खर्च र कार्यक्रम संचालनमा जाँदा आउँदाको गाडिभाडा तथा ईन्धन खर्चहरु गरिनेछन ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. १,५०,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्र वरपरका स्थानीय बासिन्दामा जैविक विविधता संरक्षण सम्वन्धी जानकारी हासिल भएको हुनेछ .

##### **वन्यजन्तु अपराध नियन्त्रण व्यूरो बैठक /गोष्ठी**

**स्थान:** कंचनजंघा, मनास्लु, ढोरपाटन,चितवन, बाँके, बर्दिया, शुक्ला, पर्सा , कोशी, विभाग, लामटाङ, सगरमाथा, मकालु, शे-फोक्सुण्डो, खप्तड र अपिनम्पा

**क्रियाकलाप**: वन्यजन्तुको चोरी शिकार तथा अवैध व्यापार नियन्त्रणका लागी सरोकारवाला संस्थाहरुको सहयोगको आवश्यकता पर्दछ । त्यसैले वन्यजन्तुको चोरी शिकार तथा अवैध व्यापार नियन्त्रणका लागि केन्द्रमा वन्यजन्तु अपराध नियन्त्रण व्युरो र जिल्ला स्तरमा वन्यजन्तु अपराध नियन्त्रण ईकाईहरु गठन भएका छन । उक्त इकाईलाई सक्रिय रुपमा परिचालन गर्नका लागि समय समयमा समन्वय वैठक बस्नु पर्ने हुँदा यस क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत वैठकका सहभागीहरुको स्टेशनरी तथा खाजा खर्चहरु पर्दछन ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि विभाग तथा संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट ब्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. २४,२०,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** सरोकारवाला निकाय बीच समन्वय र सहकार्य बृद्धि भई वन्यजन्तु अपराध नियन्त्रण गर्नमा सहयोग पुगेको हुनेछ ।

##### **सरोकारवाला निकायहरुसँगको समन्वय बैठक/गोष्ठी**

**स्थानः** अन्नपूर्ण, गौरीशंकर, चितवन, पर्सा, बर्दिया, बाँके, मनास्लु, शुक्लफाँटा

**क्रियाकलाप:** संरक्षित क्षेत्रको महत्व, संरक्षणको आवश्यकता, संरक्षणमा सरोकारवाला निकायहरुको भूमिका, संरक्षित क्षेत्राका समस्या र चुनौतिहरुको बारेमा सम्बन्धित सरोकारवाला निकायहरु बीच छलफल गरी संरक्षित क्षेत्रको संरक्षण र व्यवस्थापनमा थप योगदान पुर्‍याउनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले सरोकारवाला निकायहरुलाई भेला गराई समन्वय र साझेदारीका विषयमा थप छलफल गर्नेछन् । यस अन्तर्गत सहभागीहरुको खाजा खर्च र कार्यक्रम संचालनमा जाँदा आउँदाको गाडीभाडा तथा इन्धन खर्चहरु गरिनेछन् ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गरी कार्यक्रम गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ४,५०,०००। बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्रको संरक्षण र व्यवस्थापनमा सरोकारवाला निकायहरुबीच समन्वय र साझेदारीमा थप मजबुत भएको हुनेछ ।

##### **मानव-वन्यजन्तु द्वन्द न्यूनिकरण सचेतना गोष्ठी**

**स्थानः** शिवपुरी, लामटाङ, सगरमाथा , मकालु, शे-फोक्सुण्डो, कृष्णसार, अन्नपुर्ण, गौरीशंकर ।

**क्रियाकलाप:** पछिल्लो समयमा संरक्षित क्षेत्रको मुख्य चुनौती मानव वन्यजन्तु द्वन्द न्यूनिकरण पनि एक हो । यस बारेमा सचेतना सम्वन्धी गोष्ठी गर्न आवश्यक भएकोले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गरी कार्यक्रम गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ५,००,०००। बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्रका १० स्थानमा मानव वन्यजन्तु द्वन्द न्यूनिकरण गोष्ठी भै सचेतना जागरण भएको हुनेछ ।

##### **सामुदायिक वन व्यवस्थापन तालिम/गोष्ठी**

**स्थान:** चितवन, बर्दिया, मकालु, रारा, लामटाङ, शिवपुरी

**क्रियाकलाप**: मध्यवर्ती क्षेत्रमा रहेका मध्यवर्ती सामुदायिक वन व्यवस्थापनका लागी उक्त समितिका पदाधिकारीहरुलाई वन व्यवस्थापन तालिम दिनु पर्ने हुँदा यस क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत सम्वन्धित विज्ञ मार्फत सामुदायिक वनका पदाधिकारीहरुलाई वन व्यवस्थापन तालिम प्रदान गरिनेछ । विज्ञको प्रशिक्षण भत्ता तथा सहभागीहरुका लागी खाजा, वसभाडा, स्टेशनरी, प्रतिवेदन तयारी जस्ता खर्चहरु यसै शीर्षकबाट गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गरी कार्यक्रम गर्नेछ ।

**बजेट व्यबस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ४,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** मध्यवर्ती सामुदायिक वन व्यवस्थापन प्रभावकारी भएको हुनेछ ।

##### **राष्ट्रिय वन्यजन्तु अ. नि. समन्वय समिति / राष्ट्रिय बाघ संरक्षण समिति वैठक**

**स्थान:** रा.नि. विभाग

**क्रियाकलाप**: वन्यजन्तु अपराध नियन्त्रणका लागि गठन भएको केन्दिय स्तरको राष्ट्रिय वन्यजन्तु अपराध नियन्त्रण समिति तथा राष्ट्रिय बाघ संरक्षण समितिको बैठक व्यवस्थापन गर्न आवश्यक भएकोले यस कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यस्थापन :** यस कार्यका लागि राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभागले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. २,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** राष्ट्रिय वन्यजन्तु अपराध नियन्त्रण तथा राष्ट्रिय बाघ संरक्षण समितिको केन्द्रिय स्तरको वैठक सम्पन्न वन्यजन्तु अपराध नियन्त्रण तथा बाघ संरक्षण कार्यमा केन्द्रदेखि जिल्ला स्तरसम्म समन्वय भएको हुनेछ ।

#### **कार्यक्रम खर्च (२२५२२)**

##### **बार्षिक प्रगति पुस्तिका प्रकाशन**

**:yfgM** अन्नपुर्ण, अपिनम्पा, कंचनजंघा, कृष्णासार, कोशीटप्पु, खप्‍तड, गौरीशंकर, चितवन, ढोरपाटन, पर्सा, बर्दिया, बांके, मकालुवरूण, मनास्लु, रारा, लामटाङ, शिवपुरी नागर्जुन, शुक्लाफांटा, शे-फोक्शुण्डो, सगरमाथा

**क्रियाकलाप:** संरक्षित क्षेत्रभित्र सञ्चालन गरिएका विविध गतिविधिहरु, पर्यटको संख्या, राजश्वको विवरण, मानव वन्यजन्तु द्धन्दको अवस्था, अध्ययन अनुसन्धान, राहत वितरण लगायतका सम्पूर्ण कार्यहरुको प्रगतिलाई एकिकृत गरी वार्षिक रुपमा कार्यालयको प्रगति विवरण सार्वजनिक गर्ने प्रयोजनाका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले वार्षिक प्रगति तयारीका लागि आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट प्रकाशन गर्ने कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. २८,५५,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्रभित्र सञ्चालन भएका र गरिएका विविध गतिविधिहरुको बारेमा सार्वजनिक भएको हुनेछ ।

##### **संरक्षण सम्वन्धी प्रचार प्रसार सामाग्री उत्पादन तथा वितरण**

**स्थान:** बाँके, बर्दिया, शुक्ला, शिवपुरी, लामटाङ, मकालु, खप्तड, चितवन, पर्सा, रारा, शे-फोक्शुण्डो, सगरमाथा, कोशीटप्पु, ढोरपाटन, अपिनम्पा, कृष्णसार, अन्नपूर्ण, मनास्लू र गौरीशंकर ।

**क्रियाकलाप**:संरक्षित क्षेत्रको आसपास तथा मध्यवर्ती क्षेत्रमा रहेका स्थानीय बासिन्दाहरु कतिपय अवस्थामा अज्ञानताका कारण कसूर गर्न पुग्दछन, त्यसैले स्थानीय बासिन्दालाई संरक्षित क्षेत्रको बारेमा जानकारी गरानु पर्ने हुँदा उनीहरुले देख्ने र बुझ्ने गरी सार्वजनिक स्थलहरुमा संरक्षण सम्वन्धी पर्चा, पम्पलेट, फोटोहरु टाँस गर्न उपयुक्त देखिएकोले यस क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत कार्यालयले संरक्षणको महत्व, निषेधित कार्यहरु र निषेधित कार्यहरु गर्दा हुने संजायको बारेमा सरल र छोटो रुपमा पर्चा, पम्पलेट तयार गरी ठाउँ ठाउँमा टाँस तथा वितरण गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले संरक्षण सम्बन्धी सामाग्री तयार गर्नका लागि आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ र प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु.१९,८०,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:**  स्थानीय बासिन्दाहरुमा संरक्षित क्षेत्र सम्वन्धी जनचेतना अभिवृद्धि भएको हुनेछ ।

##### **रामसार / सिमसार संरक्षण सम्वन्धी प्रचार प्रसार सामाग्री उत्पादन तथा वितरण**

**स्थान:** चितवन, बर्दिया, शुक्ला, पर्सा, कोशी, लामटाङ, रारा, सगरमाथा, अन्नपूर्ण

**क्रियाकलाप**:संरक्षित क्षेत्रको आसपास तथा मध्यवर्ती क्षेत्रमा रहेका स्थानीय बासिन्दाहरुमा सिमसार क्षेत्रको महत्व र संरक्षणको आवश्यकता सम्वन्धी जानकारी गराउन सिमसार संरक्षण सम्वन्धी पर्चा, पम्पलेट, फोटोहरु टाँस गर्ने तथा वितरण गर्ने प्रयोजनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति Joj:yfkgM** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले सिमसार संरक्षण सम्बन्धी सामाग्री तयार गर्नका लागि आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ र प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि अन्य कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु.१५,१०,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:**  सिमसार संरक्षण सम्वन्धी जनचेतना अभिवृद्धि भएको हुनेछ ।

##### **संरक्षण सम्वन्धी संचार माध्यमबाट प्रचार प्रसार**

**स्थान:**चितवन, वाँके, बर्दिया, शुक्ला, पर्सा, लामटाङ, सगरमाथा, मकालु, शे-फोक्सुण्डो, खप्तड, ढोरपाटन, अपिनम्पा, कंचनजंघा, गौरीशंकर, शिवपुरी, मनास्लु ।

**क्रियाकलाप**:संरक्षित क्षेत्रको आसपास तथा मध्यवर्ती क्षेत्रमा रहेका स्थानीय बासिन्दाहरु नियत खराव नभएता पनि अज्ञानताका कारण संरक्षित क्षेत्रका निषेशित कार्य गर्न पुग्दछन, त्यसैले स्थानीय बासिन्दालाई संरक्षित क्षेत्रको बारेमा जानकारी गराउनु पर्ने हुँदा उनीहरुले बढी सुन्ने रेडियो एफ.एम. तथा टि.भि. मार्फत सूचना एवं जानकारी गराउँदा बढि प्रभावकारी हुने देखिएकोले यस क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत प्रसारण गरिने सूचना कार्यालयले तयार गरी सेवा प्रदायक संस्थासंग सम्झौता गरेर प्रशारण गर्नेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले सन्देश तथा सूचनाहरु तयार गर्नका लागि आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । स्थानीय टिभी, रेडियो, एफ एम मार्फत प्रसारण गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु.१४,७८,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्र वरिपरीका स्थानीय समुदायले संरक्षित क्षेत्र, वन्यजन्तु तथा जैविक विविधता संरक्षण सम्बन्धी जानकारी र निषेधित कार्य गरेमा भोग्नुपर्ने सँजाय सम्बन्धी जानकारी प्राप्त गरेका हुनेछन् ।

##### **रामसार / सिमसार संरक्षण सम्वन्धी संचार माध्यमबाट प्रचार प्रसार**

**स्थान:**चितवन, कोशी, लामटाङ, रारा ।

**क्रियाकलाप**:संरक्षित क्षेत्रको आसपास तथा मध्यवर्ती क्षेत्रमा रहेका स्थानीय बासिन्दाहरुमा सिमसार क्षेत्र महत्व र संरक्षण सम्वन्धी जानकारी रेडियो एफ.एम. टि.भी. बाट प्रसारण गराउँदा बढी प्रभावकारी हुने भएकोले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले प्रसारण गरिने सामाग्री तयार गर्नका लागि आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । स्थानीय टिभी, रेडियो, एफ एम मार्फत प्रसारण गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु.५,८०,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:**  स्थानीय बासिन्दाले सिमसार संरक्षण सम्वन्धी र निशेधित कार्यहरुबारे जानकारी हासिल गरेका हुनेछन् ।

##### **संरक्षित क्षेत्रको ऐन, नियम, निर्देशिकाको संगालो प्रकाशन**

**स्थान:** रा.नि. बिभाग

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्रसंग सम्वन्धित ऐन, नियम र निर्देशिका समय सापेक्ष परिमार्जन भईरहेको अवस्थामा उक्त परिमार्जित संस्करण समेटी विभागले प्रकाशन गरी सवै संरक्षित क्षेत्र कार्यालय र सोरकारवाला निकालयहरुमा वितरण गर्नको लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** विभाले संगालो प्रकाशन तयारीका लागि आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । प्रचलिनत कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट प्रकाशन गर्ने कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. १,००,०००।– बित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:**  परिमार्जित ऐन, नियम संगालो प्रकाशन भई संरक्षित क्षेत्र कार्यालय र सरोकारवाला निकायहरुमा वितरण भएको हुनेछ ।

##### **ईको क्लव संचालन सहयोग**

**स्थान:** शिवपुरी, लामटाङ, मकालु , रारा, खप्तड ।

**क्रियाकलाप**: बिद्यालयमा अध्ययन गर्ने बिद्यार्थीहरुलाई उनीहरुको नेतृत्व र संलग्नतामा संरक्षण सम्बन्धि क्रियाकलापहरुमा सहभागी गराई संरक्षण सम्बन्धी चेतना अभिबृदी गराउने उद्देश्यले संरक्षित क्षेत्र वरिपरिका बिद्यालयहरुमा शिक्षक र संरक्षित क्षेत्र कार्यालयका कर्मचारीको सहयोग र समन्वयमा गठन भएका इको क्लबहरुलाई क्रियाशील बनाई राख्न तथा संरक्षणसंग सम्बन्धित कार्यक्रमहरु संचालनका लागि आर्थिक र प्राविधिक सहयोग उपलब्ध गराउन यो क्रियाकलापको ब्यबस्था गरिएको हो . यस कृयाकलाप अन्तर्गत विद्यार्थीहरुलाई संरक्षण सम्बन्धी अभिमुखीकरण गर्ने, भित्ते सूचना पत्रिका प्रकाशन गर्न सहयोग गर्ने, संरक्षण सम्बन्धी पुस्तकहरु तथा कापी वितरण गर्ने लगायत संस्थागत सहयोग पर्दछन् ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ४,४०,०००। बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षण सम्बन्धी विषयमा विद्यार्थीको क्षमता अभिबृद्धि भई संरक्षणमा लाग्न अभिप्रेरित भएको हुनेछ ।

##### **संरक्षण समाचार प्रकाशन**

**स्थानः** रा.नि. बिभाग

**क्रियाकलाप:** संरक्षित क्षेत्रभित्र सञ्चालन गरिएका विविध गतिविधिहरु, पर्यटको संख्या, राजस्वको विवरण लगायतका सूचनाहरुको बारेमा जानकारी प्रदान गर्नको लागि चौमासिक रुपमा संरक्षण समाचार प्रकाशन गरिनेछ । यो समाचार अंग्रेजी र नेपाली भाषामा प्रकाशन गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** विभागले संरक्षण समाचार तयारीका लागि आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट प्रकाशन गर्ने कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ३,००,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्रभित्र सञ्चालन भएका र गरिएका विविध गतिविधिहरुको बारेमा सार्वजनिक भएको हुनेछ ।

##### **अर्ना, गौरीगाई गणना**

**स्थान:** चितवन, कोशीटप्पु

**क्रियाकलाप**:संरक्षित क्षेत्रभित्र रहेका संकटापन्न तथा लोपोन्मुख वन्यजन्तु **अर्ना, गौरीगाई**{को संरक्षण र ब्यबस्थापनका लागि उनीहरुको संख्या र अवस्था बारे जानकारी हासिल गर्न आवश्यक भएकोले यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत वन्यजन्तुहरुको गणनाका साथै तिनिहरुको अवस्थाको बारेमा जानकारी प्राप्त गरिनेछ । कार्यदल गठन पश्चात फिल्डमा समन्वय गरी गणना सम्बन्धी अभिमुखीकरण कार्य पश्चात फिल्ड कार्य शुरु गरिनेछ । फिल्ड कार्य सम्पन्न गरी तथ्यांक विश्लेषण गरी प्रतिवेदन तयार गरिनेछ । यसका साथै सो को लागि आवश्यक पर्ने उपकरण खरिद पनि यसै अन्तर्गत गरिनेछ । फिल्डमा खटिने कर्मचारीहरु लगायतका प्राविधिकहरुको दैनिक भ्रमण भत्तामा पनि खर्च गरिनेछ ।

 **जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै यस कार्यमा नेपाली सेना र संरक्षण साझेदार संस्थाका प्राविधिकहरु पनि परिचालन गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि नेपाल सरकारको रु. ११,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** अर्ना र गौरीगाई गणना कार्य सम्पन्न भई उनीहरुको संख्या र अवस्थाको बारेमा एकिन हुनेछ ।

##### **घडियाल/कछुवा संरक्षण तथा व्यवस्थापन**

**स्थान: चितवन , वर्दिया रा.नि.**

**क्रियाकलाप**:दुर्लभ तथा लोपोन्मुख वन्यजन्तुको संरक्षण तथा व्यवस्थापन गर्ने उदेश्यले चितवन र वर्दिया राष्ट्रिय निकुञ्जमा घडियाल गोही र कछुवाको प्रजनन केन्द्र स्थापना गरी प्राकृतिक बासस्थानमा छाड्न उपयुक्त भए पश्चात साल वसाली रुपमा छाडिंदै आएको छ । उक्त प्रजनन केन्द्रका घडियाल र कछुवा संरक्षण तथा व्यवस्थापन गर्ने प्रयोजनका लागि यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत घडियाल तथा कछुवा संरक्षणका लागि कामदार व्यवस्थापन, घडियालको लागी माछा व्यवस्थापन लगायतका कार्यहरु गरिनेछन् ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । साथै स्थानीय समुदायलाई परिचालन गर्न सकिनेछ ।

**बजेट ब्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ५०,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** दुर्लभ तथा लोपोन्मुख घडियाल, कछुवाको संरक्षण तथा व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।

##### **गिद्ध संरक्षण तथा व्यवस्थापन**

**स्थान: चितवन र कोशीटाप्पु**

**क्रियाकलाप**:दुर्लभ तथा लोपोन्मुख वन्यजन्तुको संरक्षण तथा व्यवस्थापन गर्ने उदेश्यले चितवन राष्ट्रिय निकुञ्जमा गिद्ध संरक्षण केन्द्र स्थापना गरी प्राकृतिक बासस्थानमा छाड्न उपयुक्त भए पश्चात साल वसाली रुपमा छाडिंदै आएको छ । उक्त केन्द्र र केन्द्रमा रहेका गिद्धको संरक्षण तथा व्यवस्थापन गर्ने प्रयोजनका लागि यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत गिद्ध संरक्षण व्यवस्थापनका लागि केन्द्र (केज) निर्माण तथा व्यवस्थापन, गिद्धको आहारा व्यवस्थापन लगायतका कार्यहरु गरिनेछन् । साथै कोशीटप्पू वन्यजन्तु आरक्षमा रहेका गिद्धहरुको संरक्षणका लागि सचेतना कार्यक्रमहरु पनि संचालन गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ

 **बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. १२,००,०००।- व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** दुर्लभ तथा लोपोन्मुख गिद्धको संरक्षण भएको हुनेछ .

##### **हात्ती, बाह्रसिंगाको अध्ययन तथा अनुगन**

**स्थान:**पर्सा, शुक्लाफाँटा

**क्रियाकलाप**: संरक्षण क्षेत्रभित्र रहेका संकटापन्न तथा लोपोन्मुख वन्यजन्तुको संरक्षण र ब्यबस्थापनका लागि उनीहरुको संख्या र अवस्था बारे जानकारी हासिल गर्न आवश्यक भएकोले यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत जंगलि हात्ती र बाह्रसिङ्गाको अध्ययन गरि तिनिहरुको अवस्थाको बारेमा जानकारी प्राप्त गरिनेछ । कार्यदल गठन पश्चात फिल्डमा समन्वय गरी अध्ययन तथा अनुगमन सम्बन्धी अभिमुखीकरण कार्य पश्चात फिल्ड कार्य शुरु गरिनेछ । फिल्ड कार्य सम्पन्न गरी तथ्यांक विश्लेषण गरी प्रतिवेदन तयार गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । नेपाली सेना र संरक्षण साझेदार संस्थाका प्राविधिकहरु पनि परिचालन गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ३,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** हात्ती, बाह्रसिंगाको अनुगमन तथा गणना कार्य सम्पन्न भई उनीहरुको संख्या र अवस्थाको बारेमा एकिन हुनेछ ।

##### **हिउँदे आगन्तुक चराको सर्वेक्षण**

**स्थान:**शिवपुरी नागार्जुन रा.नि.

**क्रियाकलाप**: हिउँदको समयमा शिवपुरी नागार्जुन रा.नि.भित्रका जंगल, सिमसार क्षेत्रमा बसाइ सरि आउने चराहरुको अवस्था एकिन गर्न चराहरुको सर्वेक्षण तथा गणना गरि सूची अद्यावधिक गर्नको लागि यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि निकुञ्ज कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । नेपाली सेना र संरक्षण साझेदार संस्थाका प्राविधिकहरु पनि परिचालन गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. १,००,००० बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** शिवपुरी नागार्जुन रा.नि.मा चराको अवस्था एकिन भई सूचि अद्यावधिक भएको हुनेछ ।

##### **मुख्य मुख्य खर्कहरुको म्यापिङ**

**क्रियाकलाप**: सगरमाथा रा.नि.मा रहेका मूख्य मूख्य खर्कहरुको अवस्थालाई चित्रण गर्नको लागि यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस क्रियाकलाप अन्तर्गत वन्यजन्तुहरुले प्रयोग गर्ने मूख्य मूख्य खर्कहरुको नक्सा बनाउने कार्य गरिनेछ । सेटेलाइट इमेज, जि.पि.एस.बाट कोअर्डिनेट लिई मूख्य मूख्य खर्कहरुको नक्सांकन गरी खर्कहरुको क्षेत्रफल लगायतको विवरण सहित प्रतिवेदन तयार गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** रा.नि. कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ५,००,०००। बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** मूख्य मूख्य खर्कहरुको नक्सांकन सहित प्रतिवेदन तयार भएको हुनेछ ।

##### **मानव वन्यजन्तु द्वन्द सम्वन्धी अध्ययन**

**स्थान:** अन्नपुर्ण सं.क्षे.

 **क्रियाकलाप**: पछिल्लो समयमा संरक्षित क्षेत्रको मूख्य चुनौति मध्य मानव वन्यजन्तु द्धन्द न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन पनि एक हो । अन्नपूर्ण संरक्षण क्षेत्रमा मानव वन्यजन्तु द्धन्दको अवस्था बारे अध्ययन भै मानव वन्यजन्तु द्वन्द न्यूनिकरणमा मद्दत पुर्याउने उद्वश्यले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । मुख्य Conflict Hotspot को नक्सांकन, द्धन्दमा संलग्न हुने वन्यजन्तु, वन्यजन्तुबाट भएको क्षतिको विवरण, न्यूनीकरणका अल्पकालिन एवं दिर्घकालिन उपायहरुको पहिचान गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षण क्षेत्र सम्पर्क कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. १,००,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** अन्नपूर्ण संरक्षण क्षेत्रमा मानव वन्यजन्तु द्धन्दको अवस्थाका साथै न्यूनीकरणका उपायहरु एकिन भएको हुनेछ ।

##### **चितवन रा.नि. र माथिल्लो जलाधार क्षेत्रको पानीको गुणस्तर मापन सम्वन्धी अध्ययन**

**स्थान:** चितवन रा.नि.

**lqmofsnfkM** विगतका वर्षहरुमा चितवन रा.नि.मा गैंडा मृत्यु बढी भएकोले गैंडा मृत्युका कारणहरु मध्ये पानीको गुणस्तरको अवस्थाका बारेमा पनि अध्ययन गर्नको लागि यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत फिल्ड सर्वेक्षण तथा सरोकारवाला निकायहरुसँग छलफल, नमुना संकलन, प्रयोगशालामा परिक्षण लगायतका कार्यहरु पर्दछन् ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** विभागले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै संरक्षण साझेदार संस्थाहरुको सहयोग लिन सक्नेछ । आवश्यकता अनुसार प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ७,००,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलब्धीः** चितवन रा.नि. र माथिल्लो जलाधार क्षेत्रको पानीको गुणस्तरको अवस्थाको बारेमा प्रतिवेदन प्राप्त भएको हुनेछ ।

##### **निर्माण भएका भौतिक पूर्वाधारहरुको जि.पि.एस. सहितको अभिलेख व्यवस्थापन**

**स्थानः** बाँके, रा.नि. विभाग

**क्रियाकलापः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले संरक्षित क्षेत्रभित्र निर्माण गरिएको पोष्ट भवन, मचान, पानी पोखरी, वन पथ, अग्निरेखा, घाँसेमैदान लगायतका भौतिक पूर्वाधार वा संरचनाहरुको जि.पि.एस. सहितको अभिलेख व्यवस्थापन गर्ने उद्देश्यले यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** निकुञ्ज वा विभागले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ र यस कार्यमा संरक्षित क्षेत्र कार्यालयको सहयोग र समन्वन रहेको हुनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु.१०,००,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलब्धीः** संरक्षित क्षेत्र भित्रनिर्माण गरिएका भौतिक पूर्वाधारहरुको जि.पि.एस. सहितको अभिलेख व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।

##### **घाँसेमैदान व्यवस्थापन**

**स्थान: कृष्णासार, शिवपुरी, चितवन, बाँके, बर्दिया, शुक्ला, पर्सा रा.नि. र कोशीटप्पु व.ज.आ.**

**क्रियाकलाप**:संरक्षित क्षेत्रभित्र रहेका वन्यजन्तुहरुका लागि आवश्यक पर्ने विभिन्न प्रजातिका घाँसहरु उत्पादन गर्ने तथा प्राकृतिक रुपमा व्यस्थापन गर्ने कार्यका लागि यो क्रियाकलापको व्यबस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत भई रहेको घाँसे मैदानमा सालवसालि रुपमा उम्रने, पलाउने प्रजातिहरुलाई काट्ने, आगो लगाउने तथा जरैसम्मा उखेल्ने जस्ता कार्यहरु गरिन्छ । यो कार्य गर्दा आवश्यकता, कार्य प्रकृति र मितव्ययीता समेतलाई हेरी मानिस लगाएर वा मेशिनरी औजार समेत प्रयोग गरेर गर्न सकिनेछ । बजेटको अवस्था हेरी एकै स्थानमा सकेसम्म दुई पटकसम्म व्यवस्थापन गर्न सकिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ र प्रचलित कानुन अनुसार खरिद प्रक्रियाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** घांसे मैदान व्यवस्थापन कार्यका लागि रु.३,४०,२७,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

उपलव्धी: १४२४ हे. घाँसे मैदान व्यवस्थापन भई वन्यजन्तुका लागि आहारा उपलब्ध भएको हुनेछ ।

##### **खर्क व्यवस्थापन**

**स्थान:** लामटाङ, रारा, शे-फोक्सुण्डो रा.नि. , ढोरपाटन शिकार आरक्ष र कंचनजंघा सं.क्षे. , खप्तड, मकालुवरुण, सगरमाथा

**क्रियाकलाप**:तराईका संरक्षित क्षेत्रहरुमा घाँसे मैदान निर्माण तथा मर्मत गरे जस्तै पहाडी तथा हिमाली क्षेत्रका संरक्षित क्षेत्रहरुमा खर्क ब्यबस्थापन कार्य गरिने छ | यस कार्यक्रमको उद्देश्य पनि पहाडी तथा हिमाली क्षेत्रमा पाइने हर्विभोरस प्रजातिका जनावरलाई आवश्यक पर्ने घाँसको ब्यबस्थापन गर्नु हो | यस अन्तर्गत वन क्षेत्रमा रहेका अनावश्यक प्रजातिका रुखहरु हटाउने, मिचाहा प्रजाति हटाउने, साल बसाली रुपमा पलाउने/ उम्रने बिरुवाहरु काट्ने, जरै सम्म उखेल्ने, आगो लगाउने आदि कार्यहरु पर्दछन | कुनै कुनै स्थानमा बैज्ञानिक अध्ययनका लागि खर्कहरुलाई तारवार तथा घेरावार लगाई ब्यबस्थापन गर्ने पनि गरिन्छ | यो क्रियाकलाप गर्दा स्थान छनोटदेखि कार्यक्रम सम्पन्न गर्दासम्म सकेसम्म स्थानीय समुदायलाई सहभागी गराइने छ |

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ र प्रचलित कानून अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन**:खर्क व्यवस्थापन कार्यका लागि रु. ४१,८०,०००।-.वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** ८९ हेक्टर खर्क व्यवस्थापन भई वन्यजन्तुका लागि आहारा उपलव्ध भएको हुनेछ ।

##### **मिचाहा प्रजाती नियन्त्रण**

**स्थान:** चितवन, शुक्लाफांटा, पर्सा रा.नि., कृष्णसार संरक्षण क्षेत्र, कोशीटप्पु व.ज.आ

**क्रियाकलाप**:बदलिँदो जलवायू परिवर्तनका कारण बाह्‍य प्रजातिहरूले स्थानीय प्रजातिहरुलाई विस्थापित गरि आफ्नो स्थान लिने गरेको पाइन्छ | खास गरि तराइका संरक्षित क्षेत्रहरुमा माइकेनिया, वनमारा जस्ता प्रजातिहरूले स्थानीय प्रजातिहरुलाई बिस्थापित गरि ब्यापक रुपमा वन्यजन्तुको बासस्थानमा प्रभाव पारेको छ | यिनै मिचाहा प्रजातिहरुलाई हटाइ स्थानीय प्रजातिहरुलाई बढावा दिने कार्यको लागि यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस कार्यमा मिचाहा प्रजातिहरुलाई उखेल्ने, हटाउने, सिमसार क्षेत्रमा रहेका जलकुम्भी हटाउने जस्ता कार्यहरु गरिने छ |

**जनशक्ति व्यवस्थापन;** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ र प्रचलित कानून अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन**: मिचाहा प्रजाती नियन्त्रणका लागि रु. १३,००,०००।– वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** ४५ हेक्टर वनक्षेत्र तथा घाँसे मैदान क्षेत्रमा रहेका मिचाहा प्रजाती हटाई वन्यजन्तुका लागि आवश्यक घाँसहरु आउने वातावरण सिर्जना भएको हुनेछ ।

##### **कृष्णसारको लागि मौसमी खेती**

**स्थान:** कृष्णसार संरक्षण क्षेत्र (खैरापुर)

**क्रियाकलाप**: बर्दिया जिल्लाको खैरापुरमा मात्र रहेको संकटापन्न वन्यजन्तु कृष्णसारको संरक्षण र व्यवस्थापन गर्ने उदेश्यले १६ हेक्टर क्षेत्रफल भित्रका कृष्णसार बाहिर निस्कन नसक्ने र बाहिरका कुकुर लगायत घरपालुवा जनावर भित्र छिर्न नसक्ने गरी तारवार लगाईएको छ । तारवार भित्रका कृष्णसारलाई मौसम अनुसार आवश्यक पर्ने पुरक आहारा व्यवस्था गर्नु पर्ने भएकोले ट्याक्टरबाट जमिन खनी कृष्णसारले मन पराउने घाँस तथा अन्य प्रजातिको खेती गर्न आवश्यक भएकोले यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत जमिन जोती अनावश्यक प्रजातीका घाँस , विरुवा उखेल्ने फाल्ने र मुसुरो, मकै, चना जस्ता खेती गरिन्छ जुन कृष्णसारको लागी खानाको रुपमा प्रयोग हुन्छ । मौसमी खेतीको कार्य गर्दा प्रयोग हुने ट्याक्टर चालकको व्यवस्था पनि यसै शीर्षकबाट गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ र प्रचलित कानून अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन**: कृष्णसारका लागि मौसमी खेती गर्नेकार्यका लागि रु.१०,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** १० हे. क्षेत्रमा मौसमी खेती लगाई कृष्णासारलाई आवश्यक आहारा उपलब्ध व्यवस्था भएको हुनेछ ।

##### **अतिक्रमण नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन**

**स्थान: पर्सा र शिवपुरी नागार्जुन रा.नि.**

**क्रियाकलाप**:संरक्षित क्षेत्र तथा मध्यवर्ती क्षेत्रमा भएका अतिक्रमणका कारण वन्यजन्तुको बासस्थान घट्न जाने हुँदा त्यस्ता अतिक्रमित क्षेत्र खालि गर्ने, खालि गरिएका क्षेत्रलाई सुरक्षित राख्ने तथा सम्भावित अतिक्रमण हुन नदिने यस क्रियाकलापको उद्देश्य हो | यस अन्तर्गत अतिक्रमण हटाउने, तारवार लगाउने, वृक्षारोपण गर्ने, अतिक्रमण हुन नदिन सर्वदलीय भेला गर्ने, राजनैतिक तहमा छलफल चलाउने, सुरक्षाकर्मी परिचालन गर्ने, कार्यहरु गरिने छन् | अतिक्रमण हटाउदा बिशेष गरि निम्न चरणका कार्यहरुमा ध्यान दिइने छ:

**पूर्व तयारि कार्य**: अतिक्रमित क्षेत्रको लगत अद्यावधिक गर्ने, नियन्त्रणका लागि योजना तयार गर्ने, कार्य दलको बैठक संचालन गर्ने, जनचेतनामूलक संदेश प्रसारण तथा प्रकाशनका साथै फिल्ड स्तरीय अन्तरक्रिया गर्ने |

**अतिक्रमण नियन्त्रण:** स्थानीय निकायहरुवीच समन्वय, सूचना प्रकाशन, लजिस्टिक सहयोग, सवारी भाडा, प्राथमिक उपचार, इन्धन व्यवस्था गरि अतिक्रमण हटाउने ।

**पुनर्स्थापना:** योजना तयार, बिरुवाको व्यबस्था तथा वृक्षारोपण, तारवार, हेरालु ब्यबस्था गर्ने |

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । साथै यस कार्यमा सुरक्षा निकायहरु र स्थानीय समुदायहरुको सहयोग लिइनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** अतिक्रमण नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन कार्यका लागि रु. १०,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** २० हे. अतिक्रमित वन क्षेत्र नियन्त्रण भई घाँस तथा अन्य विरुवा हुर्कने वातावरणको सिर्जना भएको हुनेछ ।

##### **बरामद वन पैदावार व्यवस्थापन**

**स्थान:** चितवन, बाँके, बर्दिया, शुक्ला, पर्सा, कोसी, लामटाङ, मकालु, अपी-नाम्पा ।

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्रका कार्यालय, सेक्टर,पोष्टबाट गस्तीमा खटिदा गैर कानूनी क्रियालापमा संलग्न व्यक्तिहरु पक्राउ गर्दा फेला परेका दसी प्रमाण (काठ, जडिबुटी, गाडा, राँगा जस्ता सामानहरु) पनि नजिकको कार्याल, सेक्टर, पोष्टमा ल्याई सुरक्षित रुपले राख्नु पर्ने हुँदा यस कार्यका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत ढुवानी भाडा, ईन्धन, मानिसद्वारा बोकाउनु पर्ने भएमा ज्याला जस्ता कार्यमा खर्च गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफनै जनशक्ति परिचालन गरि यो कार्य गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन**: यस कार्यका लागि रु. ६,८०,०००।– वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** पक्राउ परेका सामानहरु समयमा नै सुरक्षित स्थानमा रहेका हुनेछन ।

##### **आखेटोपहार ब्यबस्थापन**

**स्थानः** अन्नपूर्ण, बर्दिया, बांके, लामटाङ्ग, शुक्लाफांटा, शेफोक्सुण्डो

**क्रियाकलाप:** संरक्षित क्षेत्रमा प्राकृतिक रुपमा मृत्यु भएका दुर्लभ तथा लोपोन्मुख वन्यजन्तुहरुको आखेटोपहार तथा वन्यजन्तु अपराधका क्रियाकलापमा संलग्न भएका व्यक्तिबाट पक्राउ भै आएका दुर्लभ तथा लोपोन्मुख वन्यजन्तुको आखेटोपहार तोकिएको स्थानमा सुरक्षित ढंगबाट भण्डारण गर्नु पर्ने हुन्छ र सुरक्षित पूर्वक भण्डारण गर्न तथा तोकिएको स्थानसम्म सुरक्षितपूर्वक लैजाने व्यबस्थाको लागि यस क्रियाकलापको ब्यबस्था गरिएको हो । यसमा निम्न क्रियाकलापहरु पर्दछन

* *आखेटोपहार ओसारपासर कार्य*
* *सुरक्षाको खर्च*
* *आखेटोपहार व्यवस्थापन (नष्ट गर्ने र सहयोग गर्ने र शिक्षण सामाग्रीका लागि दिने)*
* *भण्डारण तथा Preservatives तथा आखेटोपहार व्यवस्थापनका लागि कार्यविधिमा उल्लेखित अन्य कार्यहरु ।*

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** निकुञ्ज तथा आरक्ष कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ३,५०,०००।- बजेट व्यवस्था गरिएको छ ।

**उपलव्धी:** आखेटोपहार सुरक्षित रुपमा भण्डारण भएको हुनेछ ।

##### **प्लाष्टिक सामग्री नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन**

**स्थान:** कंचनजंगा, अपिनम्पा, ढोरपाटन, बर्दिया

**क्रियाकलाप:** संरक्षित क्षेत्रमा प्रवेश गर्ने पर्यटक तथा भरियाहरुले प्लाष्टिक सामग्रीहरु जथाभावी फाल्दा वन, वन्यजन्तुको स्वास्थ्य र बासस्थान तथा वातावरणमा नकारात्मक असर पर्नुका साथै सौन्दर्यतामा समेत राम्रो नदेखिने भएको हुँदा यसको व्यवस्थापनको लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । प्लाष्टिकलाई पूर्ण रुपमा बन्द गर्न वा प्रयोग गरिएका प्लाष्टिकहरुलाई व्यवस्थापन गर्ने कार्यहरु यस अन्तर्गत पर्दछन् ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यकालागि रु. ४,८०,०००।- बजेट व्यवस्था गरिएको छ ।

**उपलव्धी:** उल्लेखित संरक्षित क्षेत्रमा प्लाष्टिक सामाग्री नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।

##### **चोरी शिकार नियन्त्रण स्विप अप्रेशन**

**स्थान:** कोशीटप्पु, खप्‍तड, चितवन, ढोरपाटन, पर्सा, बर्दिया, मकालु, रारा, लामटाङ, शिवपुरी, शुक्लाफांटा, सगरमाथा र बांके

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्रहरुको चोरी शिकारको दृष्टिकोणले सम्बेदनशील क्षेत्रहरुमा वन पैदावार, वन्यजन्तुको चोरी शिकार नियन्त्रणकालागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालयका कर्मचारी र सो क्षेत्रमा कार्यरत सुरक्षा सेना समेतको संयुक्त गस्ती टोलीले ठुलो क्षेत्रलाई समेटेर लामो दुरीको गस्ती गर्ने, ठाउ ठाउँमा क्याम्प खडा गरि रात समेत सोहि स्थानमा बिताई पुरै क्षेत्रको गस्ती गर्ने कार्यका लागि यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो | यस अन्तर्गतका खर्चहरु **" सुराकी खर्च परिचालन कार्यविधि २०७२"** अनुसार गर्नु पर्नेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** निकुञ्ज तथा आरक्ष कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । साथै सुरक्षार्थ खटिएका नेपाली सेनालाई परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ३७,२०,०००।- बजेट व्यवस्था गरिएको छ ।

**उपलव्धी:** १०२ पटक स्विप अपरेसन भई अवैध चोरी शिकारमा कमी आएको हुनेछ ।

##### **चोरी शिकार नियन्त्रणमा युवा परिचालन अभियान**

**स्थान:** कोशीटप्पु, चितवन, मकालु, लामटाङ, शिवपुरी, शुक्लाफांटा, शे-फोक्सुण्डो र बांके

**क्रियाकलाप**: वन्यजन्तुको चोरी शिकार नियन्त्रणमा सरकारी पक्षबाट मात्र भन्दा स्थानीय युवाहरुलाई पनि परिचालन गर्न सकेमा बढी उपलब्धीमुलक हुने हुँदा संरक्षण प्रति चासो राख्ने युवाहरुको समुह मार्फत चोरी शिकारका सम्भावित क्षेत्रमा कर्मचारी समेत समाबेश भएको स्थानीय युवाहरुको टोलीले १ दिन गस्ती गर्ने कार्यका लागि यो क्रियाकलापको ब्यबस्था गरिएको छ | गस्ती कार्यमा खटिने युवाहरुलाई १ दिनको न्युनतम पारिश्रमिक, खाजा, पानी जस्ता खर्चहरु यसै कार्यक्रममा समाबेश गर्नु पर्नेछ | यस खर्चहरु "सुराकी खर्च परिचालन कार्यविधि २०७२" अनुसार गर्नु पर्नेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** निकुञ्ज तथा आरक्ष कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । साथै स्थानीय युवाहरु परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. २२,१०,०००।- बजेट व्यवस्था गरिएको छ ।

**उपलव्धी:** ६५ पटक युवा परिचालन भई अवैध चोरी शिकारमा कमी आएको हुनेछ ।

##### **चोरी शिकार नियन्त्रण संयुक्त गस्ती**

**स्थानः** अपिनम्पा, कंचनजंगा, खप्तड, गौरीशंकर, ढोरपाटन, मनास्लु, सगरमाथा

**क्रियाकलापः** संरक्षित क्षेत्रहरुको चोरी शिकारको दृष्टिकोणले सम्बेदनशील क्षेत्रहरुमा वन पैदावार, वन्यजन्तुको चोरी शिकार नियन्त्रणकालागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालयका कर्मचारी, सो क्षेत्रमा कार्यरत सुरक्षा सेना, नेपाल प्रहरी वा शसत्र प्रहरी, उपभोक्ता समिति/समूहका पदाधिकारी समेतको संयुक्त गस्ती टोलीले ठुलो क्षेत्रलाई समेटेर लामो दुरीको गस्ती गर्ने, ठाउ ठाउँमा क्याम्प खडा गरि रात समेत सोहि स्थानमा बिताई पुरै क्षेत्रको गस्ती गर्ने कार्यका लागि यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो र यस अन्तर्गतका खर्चहरु “**सुराकी खर्च परिचालन कार्यविधि २०७२”** अनुसार गर्नु पर्नेछ ।

 **जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु.१५,१५,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलब्धीः** ३६ पटक संयुक्त गस्ती भई वन्यजन्तुको चोरी शिकारमा कमी आएको हुनेछ ।

##### **वन डढेलो व्यवस्थापन**

**क्रियाकलाप**:वन डढेलोबाट वन क्षेत्रमा पाइने वन्यजन्तु एवं बनस्पतिहरुलाइ पर्न सक्ने नकारात्मक प्रभावलाई न्युनिकरण गर्न र आगलागीबाट हुन सक्ने सम्भावित मानवीय क्षतिलाइ रोक्नु यस क्रियाकलापको उद्देश्य हो । यस अन्तर्गत डढेलो लाग्नु अघि नै नियन्त्रित रुपमा आगो लगाउने, डढेलो नियन्त्रणका लागि पानी पोखरी निर्माण गर्ने, अग्नीरेखा निर्माण गर्ने, डढेलो नियन्त्रणका लागि कर्मचारी, मध्यवर्ती क्षेत्रका उपभोक्ताहरुलाई तालिम दिने, वन डढेलो नियन्त्रणका सामाग्री व्यवस्था गर्ने, अनियन्त्रित रुपमा लागेको डढेलोलाई सेना, प्रहरी तथा नागरिक समाज समेतको समन्वयमा नियन्त्रण गर्ने, वन डढेलो लाग्न बाट जोगाउन जनचेतनाका लागि प्रचार प्रसार (पर्चा, पम्प्लेट प्रकासन) गर्ने, स्थानीय एफ.एम.बाट प्रसारण गर्ने, डढेलो लाग्न बाट जोगाउन सुराकीहरु परिचालन गर्ने, र डढेलो नियन्त्रण कार्यमा महत्वपुर्ण भूमिका निर्वाह गर्ने ब्यक्ति, संघ, संस्थालाइ पुरस्कृत गर्ने कार्यहरु गरिने छ |

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । साथै सुरक्षा निकाय र स्थानीय समुदायलाई पनि परिचालन गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** वन डढेलो व्यवस्थापन कार्यका लागि रु. १,१६,५०,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी**:यो वन डढेलो व्यवस्थापन कार्यबाट संरक्षित क्षेत्रभित्र रहेका वन्यजन्तु र वनस्पतिहरुमा पर्ने नकरात्मक असरहरु न्यूनिकरण हुनुको साथै वन्यजन्तुको बासस्थान स्वस्थ पारिस्थितिकिय प्रणालीको विकास गर्ने कार्यमा टेवा पुग्नेछ ।

##### **घाईते टुहुरा तथा समस्यामुलक वन्यजन्तु व्यवस्थापन**

 **स्थान:** अपिनम्पा, कंचनजंघा, कोशीटप्पु, चितवन, बांके, खप्तड, ढोरपाटन, पर्सा, मकालुवरूण, लामटाङ, शुक्लाफांटा, शे-फोक्शुण्डो र वर्दिया

**क्रियाकलाप**: एकातर्फ चोरी शिकारिको आक्रमण तथा ठुला जनावरहरुको आक्रमणका कारण माउबाट छुटेका टुहुरा वन्यजन्तुहरुलाई प्राकृतिक रुपमा बाँच्न सक्ने अवस्था नभएसम्म वन्यजन्तु उद्धार केन्द्रमा राखी पालन पोषण गर्नु पर्ने हुन्छ भने अर्को तर्फ गाउ बस्तिमा निस्की समस्या देखिएका वन्यजन्तुहरुलाई नियन्त्रणमा लिई सुरक्षित साथ् राख्नु पर्ने हुदा यस क्रियालापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत समस्याग्रस्त वन्यजन्तु नियन्त्रण गर्दा प्रयोग गर्ने औषधी, घाईते वन्यजन्तुको उपचार, खाना, केज (खोर) निर्माण लगायत त्यस कार्यमा प्रयोग हुने गाडी, इन्धन, खटिंदाका सुरक्षाकर्मी, कर्मचारीहरुको खाना, खाजा समेत पर्दछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । साथै सुरक्षा निकायहरु र स्थानीय समुदायलाई परिचालन गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु.१७,०४,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** टुहुरा, घाइते तथा समस्यामुलक वन्यजन्तुको उद्दार गरी व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।

##### **मानव वस्तीबाट वन्यजन्तु उद्दार र व्यवस्थापान**

**स्थान: चितवन, शुक्ला, पर्सा, कोशी**

**क्रियाकलाप**: वेला वेलामा वन्यजन्तुहरु मानव बस्तीमा पुगी मानिसहरुलाई आतंकित पार्ने हुँदा त्यस्ता वन्यजन्तुहरुलाई नियन्त्रणमा लिई संरक्षित क्षेत्रमा ल्याई छाड्नु पर्ने हुँदा यस कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत कर्मचारी, सुरक्षाकर्मी, पशु चिकित्सक, डार्ट प्राविधिक आदिको खाना खाजा, गाडीको लागि ईन्धनमा हुने खर्चहरु पर्दछन् ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ

**बजेट व्यवस्थापन**: यस कार्यका लागि रु. ४,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** मानव वस्तिमा पुगेका वन्यजन्तुहरु समय मै उद्धार भै मानव वन्यजन्तु द्वन्द न्यूनिकरणमा सहयोग पुगेको हुनेछ ।

##### **पर्यटकिय क्षेत्रको फोहोर मैला व्यवस्थापन (सरसफाई)**

**स्थान:** बाँके, बर्दिया, अपी-नाम्पा, कंचनजंघा, गौरीशंकर

**क्रियाकलाप**: पदयात्री पर्यटकहरुले संरक्षित क्षेत्र अवलोकन गर्दा तथा संरक्षित क्षेत्रमा लाग्ने मेलाहरुमा मानिसहरुको आवत जावत बढी भै बाटो तथा वरपर फोहोर मैला जम्मा हुने भएकोले वेला वेलामा पर्यटकिय क्षेत्रहरु सरसफाई गर्नु पर्ने भएकोले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन**: यस कार्यका लागि रु. ४,२५,०००।– वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** पर्यटकिय क्षेत्र सरसफाई भएको हुनेछ ।

##### **कार्यक्रम अनुगमन तथा मूल्यांकन**

**स्थान:** लामटाङ, सगरमाथा, मकालु, शे-फोक्सुण्डो, अपी-नाम्पा, ढोरपाटन, कंचनजंघा, अन्नपूर्ण , गौरीशंकर ।

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्रभित्र संचालन भएका कार्यक्रमहरुको अनुगमन तथा मूल्यांकन गर्ने प्रयोजनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यसमा कार्यालयबाट कर्मचारीहरु अनुगमनका लागि खटाउन सकिने छ भने यस अन्तर्गत विभाग तथा मन्त्रालयबाट समेत आफ्नो कार्यालयको बार्षिक कार्यक्रमहरुको अनुगमन तथा मूल्यांकन पनि गराउन सकिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ

**बजेट व्यवस्थापन**: यस कार्यका लागि रु. ११,३५,०००।– वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संचालित बार्षिक कार्यक्रमहरुको अनुगमन तथा मूल्यांकन भएको हुनेछ ।

##### **मुद्दा अनुसन्धान तथा तहकिकात**

**स्थान:** चितवन, बाँके, बर्दिया, शुक्ला, पर्सा, कोशी, शिवपुरी, लामटाङ, सगरमाथा, मकालु, शे-फोक्सुण्डो, खप्‍तड, ढोरपाटन, अपी-नाम्पा, कंचनजंघा, अन्नपूर्ण, मनास्लू, गौरीशंकर ।

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्रभित्र अवैध क्रियाकलाप गर्ने व्यक्तिहरु उपर राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण ऐन २०२९ बमोजिम मुद्धा अनुसन्धान, तहकिकात गर्नु पर्ने हुन्छ, सो को लागि सदरमुकाममा रहेका सरकारी वकिल कार्यालय जाने आउने गर्नुका साथै कतिपय मुद्दामा जिल्ला अदालत पठाउनु पर्ने पनि हुन्छ । यस्तो समयमा कर्मचारी तथा कसुर अभियोग लागेका व्यक्तिहरुलाई समेत लैजानु पर्ने हुन्छ । यि नै कार्यहरुलाई व्यवस्थित गर्न यो कृयालापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ

**बजेट व्यवस्थापन**: यस कार्यका लागि रु. १९,९०,०००।– वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले गर्नु पर्ने मुद्दाको अनुसन्धान, तहकिकात कार्यमा सहयोग पुगेको हुनेछ ।

##### **वन्यजन्तुबाट टुहुरा वनाईएका बालबालिकालाई छात्रवृत्ती**

**स्थान:** रा.नि. विभाग

**क्रियाकलाप**:संरक्षित क्षेत्रको आसपासमा बसोबास गरेको स्थानीय बासिन्दाहरुलाई बेला बेलामा संरक्षित क्षेत्रबाट निस्केका वन्यजन्तुहरुले आक्रमण गरि मृत्यु समेत गराउने हुँदा मानव-वन्यजन्तु वीच द्वन्द सृजना हुन पुगेका छन भने कतिपय अबस्थामा घरमुलीको मृत्युका कारण तिनका बालबच्चाहरुले कलम, कपी, ड्रेस, झोला जस्ता शैक्षिक सामाग्रीहरु खरिद गर्न नसकि शिक्षा आर्जनबाट वंचित हुनुका साथै संरक्षित क्षेत्र प्रति उनिहरुको नकरात्मक धारणा विकास हुन जाने भएकोले त्यस्ता टुहरा बालबालिकालाई माध्यमिक तहसम्मको अध्ययनका लागी छात्रवृत्ती प्रदान गर्न आवश्यक देखि यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । विभागले कार्यविधि तयार गरि त्यस्ता विद्यार्थीहरुको अभिलेख राखेर साल बसालि रुपमा माध्यमिक तह पुरा नभएसम्म छात्रबृत्ती प्रदान गर्नेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यो कार्य विभागले आफ्नो जनशक्ति प्रयोग गरी संरक्षित क्षेत्र कार्यालयको सहयोगमा गर्नेछ .

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. १०,००,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** यस आ.ब.मा बन्यजन्तुबाट टुहुरा बनाईएका५० जना बालबालिकाले छात्रबृत्ती प्राप्त गरी शिक्षामा पहुँच बढनुका साथै संरक्षण प्रति सकरात्मक सोचको बृद्धि भएको हुनेछ ।

##### **पोखराका तालहरुको संरक्षण तथा व्यवस्थापन**

**स्थान:** अन्नपूर्ण संरक्षण क्षेत्र

**क्रियाकलाप**: रामसार सूचीमा सूचिकृत पोखराका तालहरुको संरक्षण तथा व्यवस्थापनका लागि सहयोग पुर्‍याउन यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले पोखराका तालहरु संरक्षणका लागि गठित समितिसंग सम्वन्वय गरि गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन**: यस कार्यका लागि रु. २५,००,०००।– वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** पोखराका तालहरुको संरक्षण तथा व्यवस्थापनमा सहयोग पुगेको हुनेछ ।

#### **विविध कार्यक्रम खर्च (२२५२९)**

##### **संरक्षित क्षेत्रभित्र लाग्ने मेला व्यवस्थापन**

**स्थान:** पर्सा, लामटाङ, मकालु , खप्‍तड

**क्रियाकलाप**:संरक्षित क्षेत्रभित्र रहेका धार्मिक तथा साँस्कृतिक स्थलहरुमा परम्परादेखि मेला लाग्दै आएका छन । सो समयमा अत्याधिक तीर्थयात्रीहरु प्रवेश गर्ने भएकोले सो समयमा संरक्षित क्षेत्र कार्यालयका कर्मचारी, सुरक्षाकर्मीहरु तथा स्वास्थकर्मीहरुलाई ठाँउ ठाउँमा खटानु पर्ने हुन्छ । तिनीहरुको खाने बस्ने व्यवस्था समेत गर्नु पर्ने हुन्छ ।सोही प्रयोजनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:**  यस कार्यका लागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालायले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ५,००,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्रमा लाग्ने मेला व्यवस्थित भै संरक्षित क्षेत्रलाई प्रतिकूल असर पार्नबाट जोगाउने छ ।

##### **वन्यजन्तु सप्ताह (१-७ वैशाख)**

**स्थान:** सवै संरक्षित क्षेत्र कार्यालय

**क्रियाकलाप**:प्रत्येक संरक्षित क्षेत्र कार्यालयहरुले प्रत्येक बर्ष बैशाख १ गतेदेखी ७ गतेसम्म संरक्षण सम्वन्धी विविध कार्यक्रम संचालन गरी वन्यजन्तु सप्ताह मनाउन यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:**  यस कार्यका लागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालायले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. २०,५०,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** वन्यजन्तु सप्ताह कार्यक्रमबाट संरक्षण सम्वन्धी जनचेतना अभिबृद्धी भएको हुनेछ ।

##### **विश्व सिमसार दिवस (फेब्रुअरी २)**

**स्थान:** चितवन, बर्दिया, शुक्ला, पर्सा, कोशी, लामटाङ, सगरमाथा, रारा, शे-फोक्सुण्डो, खप्तड, अपी-नाम्पा, अन्नपूर्ण, गौरीशंकर

**क्रियाकलाप**:प्रत्येक बर्ष फेब्रुअरी २ का दिन सिमसार संरक्षण सम्वन्धी विविध कार्यक्रम संचालन गरी विश्व सिमसार दिवस मनाउन यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:**  यस कार्यका लागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालायले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. १२,५०,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** विश्‍व सिमसार दिवस कार्यक्रमबाट सिमसार संरक्षण तथा व्यवस्थापन सम्वन्धी जनचेतना अभिबृद्धी भएको हुनेछ ।

##### **बाघ दिवस (जुलाई २९)**

**स्थान:** चितवन, बाँके, बर्दिया, शुक्ला, पर्सा ।

**क्रियाकलाप**:प्रत्येक बर्ष जुलाई २९ का दिन बाघ संरक्षण सम्वन्धी विविध कार्यक्रम संचालन गरी विश्व बाघ दिवस मनाउन यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:**  यस कार्यका लागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालायले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. २,५०,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** बाघ दिवस कार्यक्रमबाट बाघ संरक्षण सम्वन्धी जनचेतना अभिबृद्धी भएको हुनेछ ।

#### **सरकारी निकाय, समितिलाई चालु अनुदान (२६४११)**

##### **कंचनजघा सं.क्षे.व्य.परिषद् संचालन सहयोग अनुदान**

**स्थान:** कंचनजंघा संरक्षण क्षेत्र ।

**क्रियाकलाप**:स्थानीय जनताको सहभागितामा व्यवस्थापन हुँदै आएको नेपालको एक मात्र कंचनजंघा संरक्षण क्षेत्रको संरक्षण र व्यवस्थापनमा कंचनजंघा संरक्षण क्षेत्र व्यवस्थापन परिषद्लाई नेपाल सरकारको तर्फबाट सहयोग पुर्‍याउन यो अनुदान कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:**  यस कार्यका लागि कंचनजंघा संरक्षण क्षेत्र व्यवस्थापन परिषद्ले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. २५,००,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** कंचनजंघा संरक्षण क्षेत्र व्यवस्थापन परिषद्लाई संरक्षण क्षेत्र व्यवस्थापन गर्न सहयोग पुगको हुनेछ ।

#### **अन्य संस्थालाई चालु अनुदान (२६४१३)**

##### **उपभोक्ता समिति मार्फत वृक्षारोपणका लागि अनुदान**

**स्थान:** शे-फोक्सुण्डो रा.नि.

**क्रियाकलाप**:शे-फोक्सुण्डो राष्ट्रिय निकुञ्जको मध्यवर्ती क्षेत्रमा उपभोक्ता समिति मार्फत बृक्षारोपण गर्न यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:**  यस कार्यका लागि मध्यवर्ती क्षेत्र उपभोक्ता समितिले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ५,००,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** शे- फोक्सुण्डो रा.नि.को मध्यवर्ती क्षेत्रमा १० हेक्टर बृक्षारोपण भएको हुनेछ ।

 \*

## **(आ) राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभाग (३२९०३०११)**

### **क. पूँजिगत कार्यक्रमहरु**

#### **१. भवन निर्माण(३१११२)**

##### **अधुरो सभाहल निर्माण तथा व्यवस्थापन**

**स्थान:** राष्ट्रिय निकुञ्ज विभाग

**क्रियाकलापः** गत आ.ब. २०७६/७७ मा निर्माण शुरु भएको सभाहलको निर्माण कार्य विश्‍वभर महामारिको रुपमा फैलिएको कोरोना भाईरस (कोभिड-१९) का कारण सम्पन्न हुन नसकेकोले सो सम्पन्न गर्ने प्रयोजनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** विभागले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन अनुसार खरिद प्रक्रियाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ५०,००,०००।– वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलब्धीः** विभागमा सभाहल निर्माण भै विभागका बैठक, सभा गर्न सहज भएको हुनेछ ।

##### **अधुरो भवन निर्माण**

**स्थान:** भानुभक्त प्राणी उद्यान

**क्रियाकलापः** गत आ.ब. २०७६/७७ मा भानुभक्त प्राणी उद्यानमा निर्माण शुरु भएको भवन निर्माण कार्य विश्‍वभर महामारिको रुपमा फैलिएको कोरोना भाईरस (कोभिड-१९) का कारण सम्पन्न हुन नसकेकोले सो सम्पन्न गर्ने प्रयोजनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** प्रचलित कानुन अनुसार सार्वजनिक खरिद प्रक्रियाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ५०,००,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलब्धीः** अधुरो भवनको निर्माण कार्य सम्पन्न भएको हुनेछ ।

#### **२. मेशिन औजार खरिद (३११२२)**

**स्थान:** राष्ट्रिय प्राणी उद्यान, भानुभक्त प्राणी उद्यान र रा.नि. विभाग

**क्रियाकलापः** कार्यालयको दैनिक कार्यका लागि आवश्यक पर्ने मेशिन औजार (कम्प्युटर, प्रिन्टर, फोटोकपी, जि.पि.एस. आदि) व्यवस्थापनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** प्रचलित कानुन अनुसार सार्वजनिक खरिद प्रक्रियाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ९,००,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलब्धीः** कार्यालयको दैनिक कार्यमा प्रयोग हुने मेशिन औजार व्यवस्थापन भएको हुनेछ।

#### **३. फर्निचर तथा फिक्चर्स(३११२३)**

**स्थान:** राष्ट्रिय प्राणी उद्यान, भानुभक्त प्राणी उद्यान, रा.नि. विभाग, SAWEN

**क्रियाकलापः** कार्यालयको दैनिक कार्यका लागि आवश्यक पर्ने फर्निचर (टेवुल, दराज, मेच, साधारण कुर्सी आदी) व्यवस्थापनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** यस कार्यमा कार्यालयको जनशक्ति परिचालन गरिनेछ साथै सार्वजनिक खरिद प्रकृयाबाट गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ४३,००,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलब्धीः** कार्यालयको दैनिक कार्यमा प्रयोग हुने फर्निचर व्यवस्थापन भएको हुनेछ।

#### **कम्प्युटर सफ्टवेयर निर्माण तथा खरिद (३११३४)**

##### **विभागको डाटावेस तयारी सफ्टवेयर निर्माण**

**स्थान** रा.नि. विभाग,

**क्रियाकलापः** यस विभागको लागि आवश्यक पर्ने बिवरणहरु व्यवस्थित ढंगबाट अभिलेख राख्ने प्रयोजनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** यस कार्यमा कार्यालयको जनशक्ति परिचालन गरिनेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ५,००,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलब्धीः** विभागको लागि आवश्यक पर्ने विवरणहरु जुनसुकै वेलामा सहजै प्राप्त गर्न सकिनेछ ।

#### **सडक तथा पुल निर्माण**

##### **वनपथ निर्माण**

**स्थान:** राष्ट्रिय प्राणि उद्यान, भानुभक्त प्राणी उद्यान

 **क्रियाकलाप:** पर्यटकहरुलाई राष्ट्रिय प्राणी उद्यान र भानुभक्त प्राणी उद्यानमा सहज किसिमले हिड्न र अवलोकन गर्न तथा कर्मचारीहरुलाई वन्यजन्तुको चोरी शिकार नियन्त्रणका लागि नियमित गस्ती गर्न वनपथ तथा बाटोको आवश्यक पर्ने हुँदा यस क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत सके सम्मठुला रुखहरुलाई जोगाई बुट्यान, झाडि हटाउने, बाटोमा परेका रुख ठुटा उखेल्ने, होचो भागमा माटो भर्ने, पानी जम्ने स्थानमा ढुंगा गिट्टी हाल्ने, बाटोको दाँयाबायाँ वर्षातको पानी जाने गरी नाली समेत खनी गाडी आवत जावत गर्ने मिल्ने किसिमबाट वन पथ निर्माण गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । साथै प्रचलित कानुन अनुसार खरिद प्रक्रियाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ८,००,००० बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** ८ कि.मि. वनपथ निर्माण भई पर्यटकले सहज ढंगबाट वन्यजन्तुको अवलोकन गर्न सक्ने ।साथै वन्यजन्तु तथा वनस्पतीको चोरी शिकार नियन्त्रणका लागी गस्ती गर्ने कार्य र वन डढेलो नियन्त्रण कार्यमा पनि सहयोग पुगेको हुनेछ ।

#### **खानेपानी संरचना निर्माण**

##### **खानेपानी निर्माण (पाईप जडान)**

**स्थान:** राष्ट्रिय प्राणि उद्यान, भानुभक्त प्राणी उद्यान

 **क्रियाकलाप:** प्राणी उद्यान कार्यालय, शौचालय, आवास भवनहरुमा खानेपानी व्यवस्था गर्न आवश्यक भएकोले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. २५ लाख बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी**: प्राणी उद्यान कार्यालयमा खानेपानी व्यवस्था भएको हुनेछ ।

#### **वन तथा वातावरण संरक्षण**

##### **सामुदायिक वनको विधान तथा कार्ययोजना निर्माण/ नविकरण**

**स्थान:** चितवन, बर्दिया,शुक्ला, शिवपुरी, लामटाङ, रारा, शे-फोक्सुण्डो र कंचनजंघा ।

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्रहरुको मध्यवर्ती क्षेत्र घोषणा हुँदा जिल्ला वन कार्यालयबाट हस्तान्तरण भै आएका तथा मध्यवर्ती क्षेत्रमा गठन भएका सामुदायिक वनहरुको विधान तथा कार्ययोजना निर्माण तथा नविकरण गर्ने कार्यका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । सामुदायिक वनको विधान तथा कार्ययोजना निर्माण/ नविकरण गर्दा लाग्ने सम्पूर्ण खर्च यसै शीर्षकबाट गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ र प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो काम गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ३३,५०,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी**: ६७ वटा विधान तथा कार्ययोजना निर्माण/नविकरण भई म.सा.वन व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।

##### **विरुवा खरिद तथा रोपण**

**स्थान:** गौरीशंकर, चितवन, पर्सा

**क्रियाकलापः** चितवन रा.नि., पर्सा रा.नि. र गौरीशंकर सं.क्षे. का कबुलियती वनक्षेत्र वा नीजी जग्गामा विभिन्न किमिसका जडीबुटी, फलफूल र डाले घाँसका विरुवाहरु बृक्षारोपण गरी कबुलियती वनका उपभोक्ताको जिविकोपार्जनमा टेवा पुर्याउन यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत विरुवा खरिद, विरुवा ढुवानी, खाल्डो खनी रोपण गर्ने कार्यहरु पर्दछन् ।

 **जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. २०,५०,०००। बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलब्धीः** पर्सा, चितवन र गौरीशंकर सं.क्षेत्रका ६३ वटा कबुलियती वनबाट विरुवा रोपणको कार्य भएको हुनेछ **।**

##### **वन्यजन्तु प्रकाउका लागि होल्डिङ्ग केज निर्माण**

**स्थान:** भानुभक्त र राष्ट्रिय प्राणी उद्यान

**क्रियाकलापः** घाइते तथा टुहुरा वन्यजन्तुको उद्धार कार्यका लागि होल्डिङ्ग केजको आवश्यकता पर्दछ **।** तसर्थ यस कार्यको लागि यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत विभिन्न प्रजातीका वन्यजन्तु उद्धारका लागि आवश्यक पर्ने होल्डिङ्ग केजको निर्माण गरिनेछ ।

 **जनशक्ति व्यवस्थापनः** उद्यानले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै आवश्यकता अनुसार प्रचलित कानुन अनुसार खरिद प्रक्रियाबाट यो कार्य गरिनेछ **।**

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. १८,००,०००। बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलब्धीः** ४ वटा होल्डिङ्ग केजको निर्माण भई उद्धार कार्यमा सहयोग पुगेको हुने **।**

##### **प्राणी उद्यानको डिपिआर तयारी**

**स्थान:** भानुभक्त र राष्ट्रिय प्राणी उद्यान

**क्रियाकलापः** राष्ट्रिय प्राणी उद्यान भक्तपुर र भानुभक्त प्राणी उद्यान तनहुँको गुरुयोजना तयार भएको र उक्त गुरुयोजनामा उल्लेखित कार्यहरुको डिपिआर तयार गरी प्राणी उद्यानका कार्यहरु सञ्चालन गर्नुपर्ने भएको हुँदा यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । विज्ञहरुको टिमबाट गुरुयोजनामा उल्लेखित कार्यहरुको डिपिआर बनाउने कार्य हुनेछ ।

 **जनशक्ति व्यवस्थापनः** प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ७,००,००,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलब्धीः** राष्ट्रिय प्राणी उद्यान भक्तपुर र भानुभक्त प्राणी उद्यान तनहुँको डिपिआरको मस्यौदा तयार भएको हुनेछ ।

##### **प्राणी उद्यान फेन्सिङ्ग**

**स्थान: भानुभक्त प्राणी उद्यान**

**क्रियाकलापः** भानुभक्त प्राणी उद्यान तनहुँको जग्गा सुरक्षित गरी डिमार्केसन अनुसार फेन्सिङ्ग गर्नको लागि यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत आरसिसि पोल निर्माण गरी जमिनमा गाड्ने, मेसजाली लगाउने लगायतका कार्यहरु पर्दछन् ।

 **जनशक्ति व्यवस्थापनः** प्रचलित कानुन अनुसार खरिद प्रक्रियाबाट यो कार्य गरिनेछ **।**

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. २,२५,००,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ **।**

**उपलब्धीः** भानुभक्त प्राणी उद्यान तनहुँमा ५ कि.मिं फेन्सिङ्ग निर्माण भई उद्यानको जग्गा सुरक्षित भएको हुनेछ ।

##### **वन्यजन्तुको प्रजाती संरक्षण कार्ययोजना नविकरण**

**स्थान:** रा.नि. विभाग

**क्रियाकलापः**संकटापन्न, दुर्लभ तथा लोपोन्मुख अवस्थामा रहेका वन्यजन्तु प्रजातीहरुको कार्ययोजना निर्माण गरी संरक्षण कार्यलाई प्राथमिकता दिइ कार्यान्वयन गरिएका मध्ये कतिपय कार्ययोजनाको अवधि समाप्त भएको हुँदा ती अवधि समाप्त भएका प्रजाति संरक्षण कार्ययोजना नविकरण गरी संरक्षण कार्यलाई निरन्तरता दिनको लागि यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । प्राविधिक समितिमा छलफल गरी प्राथमिकताको आधारामा संरक्षण कार्ययोजना नविकरण गरिनेछ **।**

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** विभागले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै संरक्षण साझेदार संस्थाहरुको पनि सहयोग लिन सक्नेछ । प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ **।**

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ८,००,०००। बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलब्धीः** संकटापन्न**,** दुर्लभ तथा लोपोन्मुख अवस्थामा रहेका ४ वटा वन्यजन्तुको संरक्षण कार्ययोजना नविकरण भएको हुने ।

##### **झारल र नाउरको गणना र शिकार कोटा निर्धारण**

**स्थान:** रा.नि. विभाग

**क्रियाकलापः** ढोरपाटन शिकार आरक्षमा शिकार हुने वन्यजन्तु झारल तथा नाउरको प्रत्येक ५/५ बर्षमा कोटा निर्धारण गर्ने गरिए अनुरुप कोटा निर्धारणका लागि झारल तथा नाउरको गणना हुन आवश्यक भएकोले यस कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि विभागले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम खरिद प्रकृया गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ७,००,०००।-बजेट व्यवस्था रहेकोछ ।

**उपलब्धीः** झारल तथा नाउरको संख्या एकिन भै शिकार कोटा निर्धारण भएको हुनेछ ।

##### **नर्सरी संचालन**

**स्थान**: पर्सा, गौरीशंकर

 **क्रियाकलापः** गौरीशंकर संरक्षण क्षेत्र र पर्सा रा.नि.का सामुदायिक तथा कबुलियती वनहरुमा बृक्षारोपण गर्नको लागि विरुवा उत्पादनको निमित्त नर्सरी स्थापनाका लागि यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ५,५०,०००। बजेट व्यवस्था रहेको छ **।**

**उपलब्धीः** ३ वटा नर्सरी स्थापना भई बृक्षारोपणका लागि आवश्यक विरुवा उत्पादन भएको हुनेछ **।**

##### **गैडा गणना**

**स्थान:** रा.नि. विभाग

**क्रियाकलापः** प्रत्येक ५/५ बर्षमा गरिने गैडा गणना गत आ.ब. मा पनि विश्वमा महामारिको रुपमा फैलिएको कोरोना भाईरसका कारण हुन नसकेकोले यस आ.ब.मा सम्पन्न गर्नका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि विभागले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम खरिद प्रकृया गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ८०,००,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलब्धीः** गैडा गणना भै गैडाको संख्या र अवस्था एकिन भएको हुनेछ ।

##### **साइनबोर्ड र सूचनाबोर्ड निर्माण**

**स्थान:** भानुभक्त र राष्ट्रिय प्राणी उद्यान

**क्रियाकलाप:** राष्ट्रिय प्राणी उद्यान भक्तपुर र भानुभक्त प्राणी उद्यानभित्र प्रवेश गर्ने पर्यटक तथा सेवाग्राहीहरूलाइ निषेधित कुराहरु लगायत अन्य सूचनाहरु जानकारी गराउन ठाउँ ठाउमा साइनबोर्ड, सूचना बोर्ड तथा होर्डिंगबोर्ड राख्नु पर्ने हुदा यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** प्राणी उद्यानले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ३,००,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** राष्ट्रिय प्राणी उद्यान भक्तपुर र भानुभक्त प्राणी उद्यान तनहुँमा १७ वटा साइनबोर्ड÷सूचनाबोर्ड÷होर्डिङ्ग स्थापना भई जानकारीमूलक सूचनाहरु प्रवाह भएको हुनेछ ।

##### **वेवसाइट निर्माण तथा संचालन**

**स्थान:** राष्ट्रिय प्राणी उद्यान

**क्रियाकलापः** राष्ट्रिय प्राणी उद्यान भक्तपुरको वेवसाइट निर्माण गरी लक्षित समुदाय, अध्ययन अनुसन्धानमा संलग्न संघ,संस्था व्यक्तिहरुलाई सूचना सहज रुपले पुर्याउन र प्रचारप्रसार गर्नको लागि यो क्रियकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** उद्यान कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. १,००,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलब्धीः** राष्ट्रिय प्राणी उद्यान भक्तपुरको वेवसाइट निर्माण भई सूचनामा सहज पहुच भएको हुने ।

##### **सार्वजनिक शौचालय निर्माण**

**स्थान:** भानुभक्त र राष्ट्रिय प्राणी उद्यान

 **क्रियाकलाप: सं**रक्षित क्षेत्रको मुख्य प्रवेशद्वारमा पर्यटकले प्रवेशपत्र लिनु पर्ने र जाँच गर्नु पर्ने हुँदा समय लाग्ने हुन्छ र त्यसै गरी सूचना केन्द्रमा जानकारी लिनेक्रममा पनि समय लाग्न सक्छ, एकै पटक धेरै जना हुँदा पालो कुरेर बस्नु पर्ने पनि हुन्छ । त्यसैले त्यस क्षेत्रमा पर्यटकहरुका लागि शौचालय हुन अति आवश्यक भएकोले यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत महिला तथा पुरुष दुबैको लागि हुने गरी शौचालय निर्माण गर्नुको साथै पानीको समेत व्यवस्था गरिनेछ । उक्त शौचालय सफा राख्ने व्यवस्था समेत कार्यालयले गर्नु पर्नेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

बजेट व्यवस्थापनः यस कार्यका लागि रु. २०,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** प्राणी उद्यान कार्यालयमा शौचालय व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।

##### **गोलघर /प्रतिक्षालय निर्माण**

**स्थान:** राष्ट्रिय प्राणी उद्यान

 **क्रियाकलाप:** प्राणी उद्यानमा आउने पर्यटक तथा आगन्तुकहरुलाई कार्यालयको काममा समय लाग्दा कुरेर बस्ने व्यवस्थाको लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत वन, वन्यजन्तु संरक्षण सम्वन्धी श्रव्यदृष्यको समेत व्यवस्था गर्न सकिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** प्राणी उद्यान कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम परामर्श सेवाबाट यो कार्य गराउनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ५,००,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** प्राणी उद्यानमा आउने आगन्तुकका लागि प्रतिक्षालयको ब्यवस्था भएको हुनेछ ।

##### **प्रवेशद्वार निर्माण**

**स्थान:** भानुभक्त प्राणी उद्यान

 **क्रियाकलाप:** काठमाडौ- पोखरा राजमार्गबाट भानुभक्त प्राणी उद्यान प्रवेश गर्ने स्थानमा प्रवेशद्वार निर्माण गर्न आवश्यक देखिएकोले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** प्राणी उद्यान कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम परामर्श सेवाबाट यो कार्य गराउनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ५,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** भानुभक्त प्राणी उद्यान प्रवेश गर्ने स्थानमा प्रवेशद्वार निर्माण भएको हुनेछ ।

##### **मोटर ग्यारेज निर्माण**

**स्थान:** भानुभक्त प्राणी उद्यान

 **क्रियाकलाप:** भानुभक्त प्राणी उद्यानमा रहेको सवारी साधन सुरक्षित पूर्वक राख्नका लागि ग्यारेजको आवश्यकता देखिएकोले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** प्राणी उद्यान कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम परामर्श सेवाबाट यो कार्य गराउनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ५,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** भानुभक्त प्राणी उद्यानको सवारी साधन राख्ने ग्यारेज निर्माण भएको हुनेछ ।

##### **टिमुरे प्राणी उद्यान स्थापना**

**स्थान:** रा.नि. विभाग

**क्रियाकलापः** लमजुङ्ग टिमुरेमा प्राणी उद्यान स्थापना गरी वन्यजन्तुको परस्थानीय संरक्षण गर्न र पर्यापर्यटन मार्फत स्थानीय समुदायको जीविकोपार्जन र रोजगारी सृजनामा टेवा पुर्‍याउन यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यो क्रियाकलापबाट प्राणी उद्यान स्थापनाका लागि आवश्यक पर्ने भौतिक संरचनाहरु निर्माण गरिनेछ ।

 **जनशक्ति व्यवस्थापनः** प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गर्न गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ४,००,००,०००।– वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलब्धीः** लमजुङ्गको टिमुरेमा प्राणी उद्यान स्थापनाका प्रारम्भिक कार्यहरु शुरुवात भएको हुनेछ ।

##### **होर्डिङबोर्ड निर्माण**

**स्थान:** भानुभक्त प्राणी उद्यान

 **क्रियाकलाप:** प्राणी उद्यानमा आउने पर्यटक तथा सेवाग्राहीहरूलाइ प्राणी उद्यानभित्र निषेधित कुराहरु लगायत अन्य सूचनाहरु जानकारी गराउन होर्डिंगबोर्ड राख्न आवश्यक देखिएकोले यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** प्राणी उद्यानले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानून बमोजिमको खरिद प्रकृयाबाट गराउनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ५,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** प्राणी उद्यानमा सर्वसाधारणलाई जानकारी हुने होर्डिङ बोर्ड राखिएको हुनेछ ।

**पूँजिगत सुधार (३११७१)**

##### **कार्यालय भवन मर्मत सुधार खर्च**

**स्थान:** रा.नि. विभाग

**क्रियाकलाप:** राष्ट्रि निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभागको कार्यालय भवन मर्मत गर्न आवश्यक भएकोले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** विभागले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ५,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:**विभागको कार्यालय भवन मर्मत सुधार भएको हुनेछ ।

##### **विभाग/कार्यालयको परिसरर बगैंचा मर्मत सुधार**

**स्थान:** रा.नि. विभाग, राष्ट्रिय प्राणि उद्यान, भानुभक्त प्राणी उद्यान

**क्रियाकलाप:** कार्यालय परिसर सफा र सुन्दर बनाउनु कार्यालयको दायित्व भएकोले परिसर क्षेत्रमा सरसफाई गर्नुका साथै बगैचा व्यवस्थापन गर्न यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम व्यक्ति करार गरेर पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ६८,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:**विभाग/ कार्यालयको परिसर सरसफाई हुनुका साथै वगैचा व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।

#### **पुँजिगत अनुसन्धान तथा परामर्श (३११७२)**

##### **प्राणी उद्यान स्थापना सम्भाव्यता अध्ययन**

**स्थान:** रा.नि. विभाग

**क्रियाकलापः** नेपाल सरकारले प्रत्येक प्रदेशमा एक एक वटा प्राणी उद्यान स्थापना गर्ने नीति अनुरुप यो विगतका वर्षहरुमा जस्तै यस वर्ष पनि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको छ । यस अन्तर्गत बाँके र शंकरनगर, रुपन्देहीमा प्राणी उद्यान स्थापनाको लागि सम्भाव्यता अध्ययन गरी कार्ययोजना समेत निर्माण गरिनेछ । विज्ञहरु मार्फत यो कार्य गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** विभागले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. २०,००,०००। बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलब्धीः** बाँके र शंकरनगर, रुपन्देहीमा प्राणी उद्यान स्थापनाको लागि सम्भाव्यता अध्ययन भई कार्ययोजना निर्माण समेत भएको हुने ।

### **ख. चालु खर्च कार्यक्रम**

#### **१. कर्मचारी तालिम (२२५११)**

##### **राष्ट्रिय अनुसन्धान विभागका कर्मचारीहरुलाई वन्यजन्तु अपराध नियन्त्रण सम्वन्धी तालिम**

**स्थान:** रा.नि. विभाग

**क्रियाकलापः** राष्ट्रिय अनुसन्धान विभागका कार्मचारीहरुलाई वन्यजन्तु अपराध नियन्त्रण सम्वन्धी जानकारी गराउने उदेश्यले तालिम प्रदान गर्न यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागिविभागले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै संरक्षणका साझेदार संस्थाहरुको सहयोगबाट गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ४,००,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलब्धीः** राष्ट्रिय अनुसन्धान विभागका कर्मचारीहरुले वन्यजन्तु अपराध नियन्त्रण सम्वन्धी तालिम प्राप्त गरेका हुनेछन् ।

#### **२. सीप विकास तथा क्षमता अभिबृद्धि तालिम तथा गोष्ठीहरु (२२५१२)**

##### **पूर्व योजना तर्जुमा गोष्ठी**

**स्थान:** रा.नि. विभाग

**क्रियाकलाप:** प्रत्येक संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले चैत्र महिनाभित्र आफ्नो कार्यालयको आगामी आ.ब.को बार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम तयार गरी LMBIS मार्फत प्रस्ताव गर्नु पर्ने हुन्छ । यसरी बजेट प्रस्ताव गर्दा सम्वन्धित संरक्षित क्षेत्रको व्यवस्थापन योजनाका साथै राष्ट्रिय योजना आयोग, वन तथा वातावरण मन्त्रालयले गरेका मार्गदर्शनलाई समेत समेटेर बजेट प्रस्ताव गर्नु पर्दछ । कार्यालयहरुले प्रस्ताव गरेका कार्यक्रमहरुलाई राष्ट्रिय योजना आयोगका प्रतिनिधि ,अर्थ मन्त्रालयका प्रतिनिधी, वन तथा वातावरण मन्त्रालयका प्रतिनिधी, विभागीय प्रमुख, महाशाखा प्रमुख, शाखा प्रमुख र अन्य संरक्षित क्षेत्र कार्यालयका प्रमुखहरु समेतको भेलामा प्रस्तुत तथा छलफल गरी अन्तिम प्रस्तावित कार्यक्रम तयार गर्न यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस कार्यमा विभागले राष्ट्रिय योजना आयोग र वन तथा वातावरण मन्त्रालयबाट प्राप्त मार्गदर्शन र बजेट सिलिङ कार्यालयलाई उपलव्ध गराउँछ र सोही आधारमा कार्यालयले प्रस्तावित बजेट तथा कार्यक्रम तयार गरी पूर्व योजना तर्जुमा गोष्ठीमा प्रस्तुत गर्दछन । गोष्ठीमा सहभागीहरुको खाना,खाजा,बास र आतेजाते खर्च लगायत सो गोष्ठीसंग सम्वन्धित कार्यहरु सवैको सम्पूर्ण खर्च यसै शीर्षकबाट गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि विभागले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ५,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** योजनाका आधारभूत विषय र आगामी आ.व.मा LMBIS मार्फत प्रविष्ट गर्ने प्रस्तावित कार्यक्रमको विषयमा छलफल भएको हुनेछ ।

##### **संरक्षित क्षेत्रका प्रमुखहरुको सम्मेलन (वार्डेन सेमिनार)**

**स्थान: रा.नि. विभाग**

**क्रियाकलाप:** विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रमा रहेका संरक्षित क्षेत्रहरुको संरक्षण र व्यवस्थापनमा आई परेका समस्याहरुका बारेमा विभागीय प्रमुख, शाखा प्रमुख, संरक्षित क्षेत्रका प्रमुखहरु, संरक्षित क्षेत्रको संरक्षणमा खटिएका सुरक्षा सेनाका प्रमुखहरु र सरोकारवाला संस्थाका प्रमुखहरु सबै एकै थलोमा रहि छलफल गर्ने, समाधानका उपायहरु तय गर्ने र हाल राज्यले अंगालेका नीति अनुरुप आगामी दिनमा संरक्षित क्षेत्रहरुको दीगो संरक्षण र व्यवस्थापनका लागि भावी रणनीति तयार गर्न यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत राज्यले संरक्षित क्षेत्रसंग सम्वन्धित विषयमा हाल प्राथमिकता दिएको विषयलाई समेटेर केन्द्र (विभाग) ले नारा तय गर्दछ, सोहि नारामा केन्द्रित रहि प्रत्येक संरक्षित क्षेत्रका प्रमुख (वार्डेन) ले आ-आफ्नो संरक्षित क्षेत्रको तर्फबाट प्रस्तुतिकरण गर्दछन र सो उपर अन्य सहभागीहरुबाट छलफल गराई आगामी दिनका लागी रणनीति तय गरिनेछ । यस सम्मेलनमा सो नारासंग सम्वन्धित विज्ञबाट समेत प्रस्तुतिकरण गर्ने गरिन्छ । सम्मेलनमा सहभागी हुने अतिथीदेखि सहभागीहरु सवैको आते जाते खर्च, खाना खर्च, बास खर्च लगायत सम्मेलनसंग सम्वन्धित सम्पूर्ण खर्च यसै शीर्षकबाट गरिनेछ ।

जनशक्ति व्यवस्थापनः यस कार्यमा विभागले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

बजेट व्यवस्थापनः यस कार्यका लागि रु. १०,५०,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्रको संरक्षण र व्यवस्थापन देखिएका समस्या र चुनौतिका बारेमा साझा बुझाई भई आगामी दिनमा संरक्षण र व्यवस्थापन कार्यलाई थप प्रभावकारी वनाउन संकल्प प्रस्ताव समेत पारित भएको हुनेछ ।

##### **मध्यवर्ती क्षेत्र व्यवस्थापन समितिका अध्यक्षहरुको भेला**

**स्थान:** रा.नि. विभाग

क्रियाकलाप: संरक्षित क्षेत्रहरुको संरक्षण र व्यवस्थापनमा स्थानीय बासिन्दाहरुको सहभागीता जुटाउने उदेश्यले राज्यबाट घोषणा भएका मध्यवर्ती क्षेत्र तथा संरक्षण क्षेत्रका प्रमुख (मध्यवर्ती क्षेत्र व्यवस्थापन समितिका अध्यक्ष तथा संरक्षण क्षेत्र व्यबस्थापन समितिका अध्यक्ष) हरुलाई आ-आफ्नो क्षेत्रमा आई परेका समस्याहरुका बारेमा एकै थलोमा रहि छलफल गर्ने, समाधानका उपायहरु तय गर्ने र भावी रणनीति तयार गर्न यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । विभागले आयोजना गर्ने यस कार्यक्रम अन्तर्गत सवै मध्यवर्ती क्षेत्र र संरक्षण क्षेत्रका अध्यक्षहरुको आतेजाते खर्च, खाना खर्च, बास खर्च लगायत भेला संचालन सम्वन्धी सवै खर्चहरु यसै शीर्षकबाट गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** यस कार्यमा विभाले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ५,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी**: संरक्षित क्षेत्र तथा मध्यवर्ती क्षेत्रको संरक्षण र व्यवस्थापन देखिएका समस्या र चुनौतिका बारेमा साझा बुझाई भई आगामि दिनमा संरक्षण र व्यवस्थापन कार्यलाई थप प्रभावकारी बनाउन संकल्प प्रस्ताव समेत पारित गरेको हुनेछ ।

##### **सरोकारवाला निकायसँग समन्वय बैठक/गोष्ठी**

**स्थान:** भानुभक्त प्राणी उद्यान र राष्ट्रिय प्राणी उद्यान

**क्रियाकलापः** स्थानीय बासिन्दाहरु लगायत सरोकारवालाहरु संघ संस्थाका प्रतिनिधिहरुलाई जैविक विविधता संरक्षण र प्राणी उद्यान सम्वन्धी जानकारी गराउन यस क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत कार्यालयले जिल्ला स्थित कार्यालय, संघ, संस्था, राजनैनिक दलहरुका प्रतिनिधीहरुलाई आमन्त्रण गरी जैविक विविधता संरक्षण र प्राणी उद्यान सम्वन्धी अन्तरक्रिया गर्नेछ । सहभागीहरुलाई वित्तिय व्यवस्थाका आधारमा खाना तथा खाजाको व्यवस्था समेत यसै क्रियाकलापबाट गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** प्राणी उद्यान कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ३,००,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलब्धीः** राष्ट्रिय प्राणी उद्यान भक्तपुर र भानुभक्त प्राणी उद्यान तनहुँमा ३ पटक संरक्षण सम्बन्धी समन्वय बैठक/ गोष्ठी सञ्चालन भई सम्बन्धित सरोकारवाला निकायहरु संरक्षण प्रति सचेत भएको हुने ।

##### **वार्षिक प्रगती समिक्षा गोष्ठी**

**स्थान:** *रा.नि. विभाग*

**क्रियाकलाप:** प्रत्येक संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले गत आ.ब.का स्वीकृत बार्षिक कार्यक्रमको प्रगतिको अवस्था प्रस्तुत गर्नुका साथै सम्पन्न गर्न नसकिएका कार्यक्रम, सो को कारण वारे विस्तृत छलफल गर्ने र आगामी दिनमा त्यस्ता कार्यक्रम कसरी सम्पन्न गर्ने भन्ने बारे छलफल गर्न सवै संरक्षित क्षेत्र कार्यालयका प्रमुखहरुलाई भेला गराई राष्ट्रिय स्तरमा छलफल गर्न यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागिविभागले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. २,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** यस कार्यक्रमबाटगत आ.ब.का कार्यक्रमको समिक्षा गर्दै भावी कार्यक्रमको लागि रणनीति तयार भएको हुनेछ ।

##### **जडीबुटी वन पैदावर खेती विस्तार तालिम**

**स्थान: पर्सा रा.नि.**

**क्रियाकलाप:** कबुलियति वन समूहका सदस्यहरुको आय आर्जन बृद्धिका लागि जडिबुटी वन पैदावार खेती विस्तार सम्वन्धी तालिम दिनका लागि यस कृयाकपालपको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागिकार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. २,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** जडिबुटी खेती विस्तार भै कबुलियती वन समूहका सदस्यहरुको आय-आर्जनमा बृद्धी भएको हुनेछ ।

##### **कबुलियाति वन व्यवस्थापन तालिम**

**स्थान: पर्सा रा.नि.**

**क्रियाकलाप:** कबुलियति वन समूहका सदस्यहरुलाई कबुलियती वन व्यवस्थापन सम्वन्धी तालिम दिई उनीहरुलाई दक्ष बनाउन आवश्यक देखि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागिकार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ३,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** ६ वटा कबुलियती वन समूहलाई कवुलियती वन व्यवस्थापन तालिम दिईएको हुनेछ ।

##### **लैंगिक तथा समावेशी सशत्तिकरण तालिम**

**स्थान: पर्सा रा.नि.**

**क्रियाकलाप:** कबुलियति वन समूहका सदस्यहरुलाई लैंगिक शसक्तिकरण गर्न यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागिकार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. २,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** १ पटक कबुलियती वन समूहका सदस्यहरुलाई लैंगिक सशक्तिकरण तालिम दिईएको हुनेछ ।

##### **सामुदायिक वन व्यवस्थापन सम्वन्धी गोष्ठी**

**स्थान: अपी-नाम्पा सं.क्षे.**

**क्रियाकलाप:** अपी-नाम्पा संरक्षण क्षेत्रमा सामुदायिक वन व्यवस्थापन सम्वन्धी जनचेतना अभिबृद्धी गराउन यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागिकार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. २,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** अपी-नाम्पा संरक्षण क्षेत्रमा २ स्थानमा सामुदायिक वन व्यवस्थापन सम्वन्धी गोष्ठी सम्पन्न भएको हुनेछ ।

##### **सामुदायिक वन सचेतना सम्वन्धी सडक नाटक**

**स्थान: अपी-नाम्पा सं.क्षे.**

**क्रियाकलाप:** अपी-नाम्पा संरक्षण क्षेत्रमा सामुदायिक वन व्यवस्थापन सम्वन्धी जनचेतना अभिबृद्धी गराउन यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागिकार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. १,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** अपी-नाम्पा संरक्षण क्षेत्रमा २ पटक /२ स्थानमा सामुदायिक वन व्यवस्थापन सम्वन्धी सडक नाटक सम्पन्न भएको हुनेछ ।

#### **३. कार्यक्रम खर्च (२२५२२)**

##### **वार्षिक प्रगति पुस्तिका प्रकाशन**

**स्थानः** भानुभक्त प्राणी उद्यान, राष्ट्रिय प्राणी उद्यान, रा.नि. विभाग

**क्रियाकलाप:** संरक्षित क्षेत्रभित्र सञ्चालन गरिएका विविध गतिविधिहरु, पर्यटकको संख्या, राजस्वको विवरण, मानव वन्यजन्तु द्धन्दको अवस्था, अध्ययन अनुसन्धान, राहत वितरण लगायतका सम्पूर्ण कार्यहरुको प्रगतिलाई एकिकृत गरी वार्षिक रुपमा कार्यालयले प्रगति विवरण सहितको पुस्तिका प्रकाशन गर्ने प्रयोजनका लागि यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले वार्षिक प्रगति तयारीका लागि आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट प्रकाशन गर्ने कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ५,००,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्रभित्र सञ्चालन भएका र गरिएका विविध गतिविधिहरुको बारेमा जानकारी सार्वजनिक भएको हुनेछ ।

##### **संरक्षण सम्वन्धी प्रचार प्रसार सामाग्री उत्पादन तथा वितरण**

**स्थान: भानुभक्त प्राणी उद्यान, राष्ट्रिय प्राणी उद्यान ।**

**क्रियाकलाप:** संरक्षित क्षेत्रको आसपास तथा मध्यवर्ती क्षेत्रमा रहेका स्थानीय बासिन्दाहरु कतिपय अवस्थामा अज्ञानताका कारण कसूर गर्न पुग्दछन, त्यसैले स्थानीय बासिन्दालाई संरक्षित क्षेत्रको बारेमा जानकारी गरानु पर्ने हुँदा उनीहरुले देख्ने तथा सार्वजनिक स्थलहरुमा संरक्षण सम्वन्धी पर्चा, पम्पलेट, फोटोहरु टाँस गर्न उपयुक्त देखिएकोले यस क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत कार्यालयले संरक्षणको महत्व, निषेधित कार्यहरु र निषेधित कार्यहरु गर्दा हुने संजायको बारेमा सरल र छोटो रुपमा पर्चा, पम्पलेट तयार गरी ठाउँ ठाउँमा टाँस गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले संरक्षण सम्बन्धी सामग्री तयार गर्नका लागि आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु.१,७२,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** स्थानीय बासिन्दाहरुमा संरक्षित क्षेत्र सम्वन्धी जनचेतना अभिवृद्धि भएको हुने ।

##### **संरक्षण सम्वन्धी संचार माध्यमबाट प्रचार प्रसार**

**स्थान:** राष्ट्रिय प्राणी उद्यान ।

**क्रियाकलाप :सं**रक्षित क्षेत्रको आसपास तथा मध्यवर्ती क्षेत्रमा रहेका स्थानीय बासिन्दाहरु नियत खराव नभएता पनि अज्ञानताका कारण संरक्षित क्षेत्रका निषेशित कार्य गर्न पुग्दछन, त्यसैले स्थानीय बासिन्दालाई संरक्षित क्षेत्रको बारेमा जानकारी गराउनु पर्ने हुँदा उनीहरुले बढी सुन्ने रेडियो, एफ.एम. तथा टि.भि. मार्फत सूचना एवं जानकारी गराउने उदेश्यले यस क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत प्रसारण गरिने सूचना कार्यालयले तयारगरी सेवा प्रदायक संस्थासंग सम्झौता गरेर प्रशारण गर्नेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले सन्देश तथा सूचनाहरु तयार गर्नका लागि आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । स्थानीय टिभी, रेडियो, एफ एम मार्फत प्रसारण गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु.१,५०,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** संरक्षित क्षेत्र वरिपरीका स्थानीय समुदायले संरक्षित क्षेत्र, वन्यजन्तु तथा जैविक विविधता सम्बन्धी जानकारी प्राप्त गर्ने । साथै निषेधित कार्य गरेमा भोग्नुपर्ने सजाय सम्बन्धी पनि जानकारी प्राप्त गरेका हुनेछन।

##### **संरक्षण सम्वन्धी स्कूल शिक्षा कार्यक्रम**

**स्थान:** राष्ट्रिय प्राणी उद्यान **।**

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्रको आसपास तथा मध्यवर्ती क्षेत्रमा रहेका विद्यायहरुमा संरक्षित क्षेत्र कार्यालयका कर्मचारीहरु गै संरक्षण सम्वन्धी जानकारी गराउने उदेश्यले यस क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत कार्याल, सेक्टर, पोष्टबाट कर्मचारीहरु विद्यालयमा गई संरक्षित क्षेत्रको महत्व, यसले राज्यलाई पुर्‍याएको योगदान, संरक्षित क्षेत्रमा निषेशित कार्यहरु र निषेधित कार्यहरु गर्दा हुने दण्डजरिवाना सम्वन्धी कक्षा संचालन गर्ने, संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले प्रकाशन गरेका संरक्षण सम्वन्धी प्रचार प्रसार सामाग्रीहरु भए विद्यार्थीहरुलाई वितरण गर्ने र संरक्षण सम्वन्धी हाजिरी जवाफ, चित्रकला जस्ता प्रतियोगिता संचालन गर्ने र प्रोत्साहन स्वरुप कापि, कलम, डायरी पुरस्कार वितरण गर्ने कार्यहरु गरिने छन् ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि राष्ट्रिय प्राणी उद्यानले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु.१,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** ५ वटा विद्यालयमा संरक्षित क्षेत्र, वन्यजन्तु र जैविक विविधताको संरक्षण सम्बन्धी चेतनामुलक कार्यक्रम भई विद्यार्थीहरुमा संरक्षण सम्वन्धी जनचेतना अभिबृद्धि भएको हुनेछ ।

##### **पुस्तकालय व्यवस्थापन**

**स्थान: रा. नि. विभाग**

**क्रियाकलाप:** राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभागको बबरमहल स्थित जैविक विविधता पुस्तकालय नेपाल अधिराज्य कै वन्यजन्तु सम्वन्धी पुस्तकालय हो । यहाँ विद्यालयदेखि विश्व विद्यालय तथा संरक्षणमा चासो राख्ने व्यक्तिहरु आउने गर्दछन। त्यसैले यस पुस्तकालयलाई व्यवस्थिय र उपयुक्त ढंगबाट संचालन गर्ने दायित्व राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभागको हो ।यस पुस्तकालयलाई वैज्ञानिक ढंगबाट संचालन गर्न आबश्यक भएकोले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि विभागले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानून बमोजिमको खरिद प्रकृयाबाट गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ४,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** जैविक विविधता पुस्तकालय व्यवस्थापन भै वन्यजन्तु तथा जैविक विविधता सम्वन्धी अध्ययन, अनुसन्धान गर्ने कार्यमा टेवा पुगेको हुनेछ ।

##### **अन्तराष्ट्रिय सन्धी महासन्धीको प्रतिवेदन तयारी**

**स्थान:** रा. नि. विभाग

**क्रियाकलाप:** राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभागले बार्षिक रुपमा यूनेस्कोमा प्रतिवेदन तयार गरी पठाउनु पर्ने हुँदा सो कार्यको लागि यस कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि विभागले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु.२,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** नेपालले बार्षिक रुपमा यूनेस्कोमा पठाउनु पर्ने प्रतिवेदन पठाईएको हुनेछ ।

##### **ईको क्लव संचालन सहयोग**

**स्थान:** भानुभक्त प्राणी उद्यान

**क्रियाकलाप:** संरक्षित क्षेत्र वरपर तथा मध्यवर्ति क्षेत्रमा रहेका विद्यालयहरुमा अध्ययन गर्ने बिद्यार्थीहरुलाई वन, वन्यजन्तु तथा जैविक विविधता सम्वन्धी जानकारी गराउने र उनीहरुलाई जैविक विविधता संरक्षण कार्यमा सहभागी गराउन बिद्यालयहरुमा ईको क्लव गठन तथा संचालन गर्न यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।यस अन्तर्गत ईको क्लवलाई कार्यालयले आर्थिक सहयोग गर्नेछ र ईको क्लवमा सहभागी विद्यार्थीहरुले संरक्षित क्षेत्र कार्यालयका प्रतिनिधिहरुलाई समेत सहभागी गराई जैविक विविधता संरक्षणका विविध कार्यक्रमहरु गर्नेछन् ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि प्राणी उद्यानले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु.१,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ **।**

**उपलव्धी:** विद्यालय स्तरका बिद्यार्थीहरुबाट जैविक विविधता संरक्षण सम्वन्धी विविध कार्यक्रमहरु संचालन भै संरक्षण सन्वन्धी जनचेतना अभिबृद्धि भएको हुनेछ ।

##### **जैविक विविधता संरक्षण सम्वन्धी अध्ययन, अनुसन्धानको प्रतिवेदन प्रकाशन**

**स्थान:** रा.नि. विभाग

**क्रियाकलाप:** राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभाग तथा सो समेतको सहभागितामा भएका जैविक विविधता संरक्षण सम्वन्धी अध्ययन, अनुसन्धानहरुको प्रतिवेदनहरु प्रकाशन गर्ने प्रयोजनका लागि यस कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत हालसम्म अध्ययन अनुसन्धान भै प्रकाशन हुन बाँकी रहेका वैज्ञानिक अध्ययन, अनुसन्धानका प्रतिवेदनहरुलाई समावेश गरी पुस्तिका प्रकाशन गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि विभागले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानून बमोजिमको खरिद प्रकृयाबाट गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु.२,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** बैज्ञानिक अध्ययन, अनुसन्धानका प्रतिवेदनहरु प्रकाशन भएको हुनेछ ।

##### **प्रजाति संरक्षण कार्ययोजनाको छपाई ( ३ प्रजाती)**

**स्थान:** रा.नि.विभाग

**क्रियाकलाप:** गत आ.ब. २०७६/७७ मा निर्माण भएका कस्तुरी मृग, सारस र घडियाल गोही संरक्षण कार्ययोजना छपाई तथा वितरण गर्ने प्रयोजनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ८,८१,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ **।**

**उपलव्धी:** कस्तुरी मृग, सारस र घडियाल संरक्षण कार्ययोजना छपाई वितरण भै कार्यान्वयन भएको हुनेछ ।

##### **बाघको आहारा प्रजातीको अनुगमन**

**स्थान:** रा.नि. विभाग

**क्रियाकलाप:** नेपालले सन् २०२२ सम्म बाघको संख्या दोव्वर (२५० वटा) वनाउने अन्तराष्ट्रिय प्रतिवद्धता अनुरुप काम गरि रहेको अवस्थामा बाघको आहारा प्रजातीको अवस्था समेत एकिन हुन आवश्यक भएकोले यो क्रियाकलापकोव्यवस्था गरिएको हो । बाघका आहारा प्रजातीहरुको अनुगमनबाट तिनिहरुको अवस्थाको बारेमा जानकारी प्राप्त गरिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । साथै नेपाली सेना र संरक्षण साझेदार संस्थाका प्राविधिकहरु पनि परिचालन गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु.५,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** बाघको आहारा प्रजातिको संख्या तथा अवस्था एकिन भई सो को संरक्षण र व्यवस्थापनका लागी भावी रणनीति तय गर्न सहयोग पुग्ने । साथै प्रजाति संरक्षण कार्ययोजना बनाउन सहयोग पुग्नेछ ।

##### **वन डढेलो व्यवस्थापन**

**स्थान:** राष्ट्रिय प्राणी उद्यान र भानुभक्त प्राणी उद्यान

**क्रियाकलाप**:वन डढेलोबाट वन क्षेत्रमा पाइने वन्यजन्तु एवं बनस्पतिहरुलाइ पर्न सक्ने नकारात्मक प्रभावलाई न्युनिकरण गर्न र आगलागीबाट हुन सक्ने सम्भावित मानवीय क्षतिलाइ रोक्नु यस क्रियाकलापको उद्देश्य हो । यस अन्तर्गत डढेलो लाग्नु अघि नै नियन्त्रित रुपमा आगो लगाउने, डढेलो नियन्त्रणका लागि पानी पोखरी निर्माण गर्ने, अग्नीरेखा निर्माण गर्ने, डढेलो नियन्त्रणका लागि कर्मचारी, मध्यवर्ती क्षेत्रका उपभोक्ताहरुलाई तालिम दिने, वन डढेलो नियन्त्रणका सामाग्री व्यवस्था गर्ने, अनियन्त्रित रुपमा लागेको डढेलोलाई सेना, प्रहरी तथा नागरिक समाज समेतको समन्वयमा नियन्त्रण गर्ने, वन डढेलो लाग्न बाट जोगाउन जनचेतनाका लागि प्रचार प्रसार (पर्चा, पम्प्लेट प्रकासन) गर्ने, स्थानीय एफ.एम.बाट प्रसारण गर्ने, डढेलो लाग्न बाट जोगाउन सुराकीहरु परिचालन गर्ने, र डढेलो नियन्त्रण कार्यमा महत्वपुर्ण भूमिका निर्वाह गर्ने ब्यक्ति, संघ, संस्थालाइ पुरस्कृत गर्ने कार्यहरु गरिने छ |

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** प्राणी उद्यान कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । साथै सुरक्षा निकाय र स्थानीय समुदायलाई पनि परिचालन गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** वन डढेलो व्यवस्थापन कार्यका लागि रु. २३,७२,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी**:यो वन डढेलो व्यवस्थापन कार्यबाट प्राणी उद्यान क्षेत्रभित्र रहेका वन्यजन्तु र वनस्पतिहरुमा पर्ने नकरात्मक असरहरु न्यूनिकरण हुनुको साथै वन्यजन्तुको बासस्थान तथा स्वस्थ पारिस्थितिकिय प्रणालीको विकास गर्ने कार्यमा टेवा पुग्नेछ ।

##### **टुहुरा तथा समस्यामुलक वन्यजन्तु व्यवस्थापन**

**स्थान:** राष्ट्रिय प्राणी उद्यान र भानुभक्त प्राणी उद्यान

**क्रियाकलाप**: एकातर्फ चोरी शिकारीको आक्रमण तथा ठुला जनावरहरुको आक्रमणका कारण माउबाट छुटेका टुहुरा वन्यजन्तुहरुलाई प्राकृतिक रुपमा बाँच्न सक्ने अवस्था नभएसम्म वन्यजन्तु उद्धार केन्द्रमा राखी पालन पोषण गर्नु पर्ने हुन्छ भने अर्को तर्फ गाउ बस्तिमा निस्की समस्या देखिएका वन्यजन्तुहरुलाई नियन्त्रणमा लिई सुरक्षित साथ् राख्नु पर्ने हुदा यस क्रियालापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत समस्याग्रस्त वन्यजन्तु नियन्त्रण गर्दा प्रयोग गर्ने औषधी, घाईते वन्यजन्तुको उपचार, खाना, केज (खोर) निर्माण लगायत त्यस कार्यमा प्रयोग हुने गाडी, इन्धन, खटिंदाका सुरक्षाकर्मी, कर्मचारीहरुको खाना, खाजा समेत पर्दछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । साथै सुरक्षा निकायहरु र स्थानीय समुदायलाई परिचालन गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु.७,००,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** टुहुरा, घाइते तथा समस्यामुलक वन्यजन्तुको उद्दार गरी व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।

##### **जीविकोपार्जन सूधार योजना (LIP) कार्यान्वयन सहयोग**

**स्थान:** पर्सा रा.नि.

**क्रियाकलाप**: कबुलियती वन समूहका रुपमा हस्तान्तरण भएका समूहहरुको जीविकोपार्जन सुधार योजना( LIP) निर्माण गर्न आवश्यक भएकोले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानून अनुसार सेवा परामर्शमा पनि गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यसकार्यका लागि रु.५,००,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** ५० वटा कबुलियती वन समुहको जीविकोपार्जन सुधार योजना निर्माण भएको हुनेछ ।

##### **माहुरी पालन सहयोग**

**स्थान:** पर्सा र चितवन रा.नि.

**क्रियाकलाप**: कबुलियती वन समूहका रुपमा हस्तान्तरण भएका समूहहरुका सदस्यहरुको आय आर्जनमा टेवा पुर्‍याउन उक्त समूहहरुलाई माहुरी पालन कार्यक्रमको निमित्त सहयोग गर्न यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु.४,००,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** ६ वटा कबुलियती वन समुहलाई माहुरी पालन सहयोग भएको हुनेछ ।

##### **SAWEN संचालन कार्यविधी तयारी**

**स्थान:** रा.नि. विभाग

**क्रियाकलाप**: दक्षिण एशियामा वन्यजन्तु अपराध नियन्त्रणमा सहयोग पुर्‍याउने उदेश्यले स्थापन भएको SAWEN ( South Asian Wildlife Enforcement Network) को सचिवालय नेपालमा रहेको र राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभागका महानिर्देशक सो सचिवालयको Chief Enforcement Co-Ordinator रुपमा रहेको हुँदा SAWEN ले नेपालमा कार्य संचालन गर्ने सम्वन्धी कार्यविधी तयार गर्न आवश्यक भएकोले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** रा.नि. विभाग/ SAWEN ले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा परामर्शमा पनि गर्ने सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यसकार्यका लागि रु.५,००,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** नेपालमा SAWEN संचालन सम्वन्धी कार्यविधी तयार भएको हुनेछ ।

##### **कार्यक्रम अनुगमन तथा मूल्यांकन**

**स्थान:** रा.नि. विभाग, पर्सा र चितवन रा.नि.

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्रहरुमा आ.ब. २०७७/७८ मा संचालन भएका स्वीकृत बार्षिक कार्यक्रमहरुको अनुगमन तथा मूल्यांकन गर्न र पर्सा र चितवन रा.नि.मा कबुलियती वन समुहहरुले संचालन गरेका कार्यक्रमहरुको अनुगमन तथा मूल्यांकन गर्ने प्रयोजनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागिविभाग तथा संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु.९,२५,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** ९ पटक यस आ.ब.मा संचालित बार्षिक कार्यक्रमहरुको अनुगमन तथा मूल्यांकन भएको हुनेछ ।

##### **सहभागितात्मक अनुगमन**

**स्थान:** पर्सा रा.नि.

**क्रियाकलाप**: पर्सा रा.नि.को मध्यवर्ती क्षेत्रमा रहेका कबुलियति वन समुह मार्फत संचालन भएका कार्यक्रमहरु कार्यालय, मध्यवर्ती क्षेत्र उपभोक्ता समिति र कबुलियती वन समुह समेतको सहभागितामा अनुगमन गर्ने प्रयोजनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै मध्यवर्ती उपभोक्ता समिति र कबुलियति वन समुहले गर्नेछन ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यसकार्यका लागि रु.२,००,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** २पटक कबुलियती वन कार्यक्रमको सहभागितात्मक अनुगमन भएको हुनेछ ।

##### **वन्यजन्तुबाट भएको क्षतिको राहत वितरण अनुगमन**

**स्थान:** राष्ट्रिय निकुञ्ज विभाग

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्र तथा वन क्षेत्रबाट वन्यजन्तुहरु बाहिर निस्की धनजन, पशु तथा अन्न बालिको क्षेती पुर्‍याउने गर्दछन् । यस्तो क्षेती भएकोमा राहत सहयोग गर्न नेपाल सरकारले वन्यजन्तुबाट भएको क्षेतिको राहत सहयोग निर्देशिका,२०६९ कार्यान्वयनमा ल्याई राहत सहयोग रकम विभागले संरक्षित क्षेत्र कार्यालयहरु मार्फत पिडित पक्षलाई वितरण गर्दै आएको छ । यसमा अझै के कसरी छिटो र सहज ढंगले राहत वितरण गर्न सकिन्छ र हाल वितरण भएकोमा के कस्ता कमि कमजोरी रहेका छन र तिनलाई कसरी सुधार गर्न सकिन्छ भन्ने उदेश्यले अनुगमन गर्ने प्रयोजनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि विभागले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यसकार्यका लागि रु.३,००,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** ३ पटक वन्यजन्तुबाट भएको क्षेतीको राहत वितरणको अनुगमन भएको हुनेछ ।

#### **४. विविध कार्यक्रम खर्च (२२५२९)**

##### **वन्यजन्तु सप्ताह (१-७ वैशाख)**

**स्थान:** रा.नि. विभाग, राष्ट्रिय प्राणी उद्यान र भानुभक्त प्राणी उद्यान

**क्रियाकलाप**: विभाग र प्राणी उद्यान कार्यालयहरुले प्रत्येक बर्ष बैशाख १ गतेदेखी ७ गतेसम्म संरक्षण सम्वन्धी विविध कार्यक्रम संचालन गरी वन्यजन्तु सप्ताह मनाउन यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:**  यस कार्यका लागि विभाग तथा उद्यानले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ४,००,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** वन्यजन्तु सप्ताह कार्यक्रमबाट संरक्षण सम्वन्धी जनचेतना अभिबृद्धी भएको हुनेछ ।

##### **विश्व सिमसार दिवस (फेब्रुअरी २)**

**स्थान:** रा.नि. विभाग, राष्ट्रिय प्राणी उद्यान र भानुभक्त प्राणी उद्यान

**क्रियाकलाप**:प्रत्येक बर्ष फेब्रुअरी २ का दिन सिमसार संरक्षण सम्वन्धी विविध कार्यक्रम संचालन गरी विश्व सिमसार दिवस मनाउन यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:**  यस कार्यका लागि विभाग तथा उद्यानले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ३,०३,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** विश्‍व सिमसार दिवस कार्यक्रमबाट सिमसार संरक्षण तथा व्यवस्थापन सम्वन्धी जनचेतना अभिबृद्धी भएको हुनेछ ।

##### **बाघ दिवस (जुलाई २९)**

**स्थान:** रा.नि. विभाग

**क्रियाकलाप**:प्रत्येक बर्ष जुलाई २९ का दिन बाघ संरक्षण सम्वन्धी विविध कार्यक्रम संचालन गरी विश्व बाघ दिवस मनाउन यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:**  यस कार्यका लागि विभागले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. १,९७,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** बाघ दिवस कार्यक्रमबाट बाघ संरक्षण सम्वन्धी जनचेतना अभिबृद्धी भएको हुनेछ ।

#### **५. सरकारी निकाय समितिलाई चालु अनुदान (२६४११)**

##### **मध्यवर्ती क्षेत्र व्यवस्थापन कार्यक्रम**

**स्थान:** चितवन, बाँके, बर्दिया, शुक्लाफाँटा, पर्सा, शिवपुरी नागार्जुन, लामटाङ, सगरमाथा, मकालु बरुण, रारा, शे-फोक्सुण्डो, खप्‍तड रा.नि., कोशी टप्पु व.ज.आ. र अपी-नाम्पा, कृष्णसार, कंचनजंघा सं.क्षे. ।

**क्रियाकलाप**: मध्यवर्ती क्षेत्र घोषणा भएका संरक्षित क्षेत्रहरुमा राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण ऐन, २०२९ र मध्यवर्ती क्षेत्र व्यवस्थापन नियमावली २०५२ बमोजिम संरक्षित क्षेत्रले प्राप्त गरेको राजश्व (वन क्षेत्रको आय) को ३०-५०% रकम सामुदायिक विकासका लागि उपलव्ध गराईने हुँदा बजेट प्रस्ताव गर्दा चैत्र महिनासम्म संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले प्राप्त गरेको राजश्व र बाँकी ३ महिनाको प्राप्त हुन सक्ने प्रक्षेपण सहित एकमुष्ट रकम चालु अनुदान शिर्षकमा विभागले माग गर्दछ र सोही अनुरुप एकमुष्ट रुपमा स्वीकृत भै आउँदछ। आर्थिक बर्ष (असार मसान्त) समाप्त हुनासाथ विभागले प्रत्येक संरक्षित क्षेत्र कार्यालयहरुसंग यथार्थ राजश्व र वन क्षेत्रको आय माग गरि सोही आधारमा बजेट बाँडफाँडका लागि वन तथा वातावरण मन्त्रालयमा पेश गर्दछ । मन्त्रालयले बजेट बाँडफाँड गरे पश्चात सोही सिमा भित्र रहि मध्यवर्ती क्षेत्र व्यवस्थापन निर्देशिका बमोजिम कार्यक्रम तयार गरि पठाउन संरक्षित क्षेत्र कार्यालयलाई निर्देशन दिन्छ, संरक्षित क्षेत्रबाट प्राप्त हुन आएको कार्यक्रमलाई विभागले LMBIS मा Entry गर्छ र वन तथा वातावरण मन्त्रालय हुँदै अर्थ मन्त्रालयबाट स्वीकृत भए पश्चात कार्यालयको बार्षिक कार्यक्रम जस्तै गरी कोष तथा लेखा नियन्त्रण कार्यालयबाट बजेट निकासा/ खर्च हुने गर्दछ । यसै अन्तर्गत संरक्षण क्षेत्रहरुमा पनि बजेट तथा कार्यक्रम जाने गरेको छ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:**  यो कार्य संरक्षित क्षेत्रका मध्यवर्ती क्षेत्र व्यवस्थापन समिति अन्तर्गतका मध्यवर्ती उपभोक्ता समितिहरु मार्फत संचालन हुनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. १८,००,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** यस कार्यक्रमबाट मध्यवर्ती क्षेत्रमा संरक्षण, सामुदायिक विकास, सीप विकास तथा आय आर्जन र संरक्षण शिक्षा सम्वन्धी क्रियाकलापहरु संचालन हुने हुँदा स्थानीय बासिन्दामा संरक्षित क्षेत्र प्रति सकरात्मक सोचको विकास हुनुका साथै संरक्षित क्षेत्रको संरक्षणमा टेवा पुगेको हुनेछ ।

#### **उद्दार, राहत तथा पुनर्स्थापना खर्च (२७२१२)**

##### **वन्यजन्तुबाट हुने क्षतिको राहत सहयोग**

**स्थान:** चितवन, बाँके, बर्दिया, शुक्लाफाँटा, पर्सा, शिवपुरी नागार्जुन, लामटाङ, सगरमाथा, मकालु बरुण, रारा, शे-फोक्सुण्डो, खप्‍तड रा.नि., कोशी टप्पु व.ज.आ., ढोरपाटन शि.आ. र अपी-नाम्पा, कृष्णसार, कंचनजंघा ,अन्नपूर्ण, मनास्लू, गौरीशंकर सं. क्षे.।

**क्रियाकलाप**: संरक्षित क्षेत्र तथा वन क्षेत्रबाट वन्यजन्तुहरु बाहिर निस्की धनजन, पशु तथा अन्न बालिको क्षेती पुर्‍याउने गर्दछन् । यस्तो क्षेती भएकोमा राहत सहयोग गर्न नेपाल सरकारले वन्यजन्तुबाट भएको क्षेतिको राहत सहयोग निर्देशिका,२०६९ कार्यान्वयनमा ल्याई सोही निर्देशिका बमोजिम राहत सहयोग उपलव्ध गराउँदै आएको छ । संरक्षित क्षेत्रले सो वर्षका लागि आवश्यक पर्ने अनुमानित रकम माग गर्नेछ, सोही मागका आधारमा विभागले संरक्षित क्षेत्रलाइ निकासा गर्दै जानेछ। सोही कार्यका लागि यस कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:**  यो कार्य संरक्षित क्षेत्रका जनशक्ति परिचालन गरेर गरिनेछ र यस कार्यमा मध्यवर्ती क्षेत्र उपभोक्ता समितिले सहयोग गर्नेछन् ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. १०,००,००,०००।- वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** वन्यजन्तुबाट पिडित ब्यक्तिहरुले राहत पाएका हुनेछन् ।

## **इ. हात्तीसारहरु**

### **क. पूँजिगत खर्च**

#### **१. भवन निर्माण**

##### **हात्तिसार भवन निर्माण**

**स्थान**: बाँके

**क्रियाकलाप**: बाँके राष्ट्रिय निकुञ्जमा हात्तिसार कार्यालय निर्माण गर्नुपर्ने भएकोले यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस लाई कार्यालयदेखी आवास भवनको रुपमा समेत प्रयोग गरिनेछ । भवन निर्माण गर्दा खानेपानी, विद्युत वा सोलार समेतको व्यवस्था गरिएको हुनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट कार्य गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु.५०,००,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी**: बांके राष्ट्रिय निकुञ्जमा १ वटा हात्तिसारको नयाँ भवन निर्माण भएको हुनेछ ।

##### **हात्तीको दाना राख्ने स्टोर भवन निर्माण**

**स्थान:** कोशीटप्पु,

**क्रियाकलाप:** कोशीटप्पु वन्यजन्तु आरक्षमा हात्तिहरुको लागि ब्यवस्था गरिएको दाना राख्ने स्टोर भवन निर्माण गर्नुपर्ने भएकोले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै सेवा प्रदायक संस्थाबाट कार्य गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु.२०,००,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** हात्तीका लागि चाहिने आवश्यक दाना राख्ने स्टोर भवन निर्माण भएको हुनेछ ।

#### **२. मेशिन औजार खरिद**

**स्थान:** कोशीटप्पु, पर्सा

**क्रियाकलाप**: यस अन्तर्गत कार्यालय प्रयोजनका लागि आवश्यक पर्ने मेशिन औजारहरु डेस्कटप कम्प्युरट, प्रिन्टर, फोटोकपी मेशीन, डिजिटल, क्यामेरा, बाईनाकुलर, जि.पि.एस. लगायतका उपकरण व्यवस्थापन गरिनेछन् । कार्यालयले प्रत्येक बर्ष यि मेशिन उपकरणहरुको अवस्था सहितको अभिलेख व्यवस्थापन गर्नेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट खरिद गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:**यस कार्यका लागि रु. २,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** कार्यालयको दैनिक कार्यमा प्रयोग हुने उपकरणहरुको व्यवस्थापनले कार्यालयको काममा शिघ्रता आएको हुनेछ ।

#### **३. फर्निचर खरिद (३११२३)**

**स्थान**: चितवन, बाँके, बर्दिया रा.नि., कोशीटप्पु व.ज.आ. ।

**क्रियाकलाप**: यस अन्तर्गत कार्यालय संचालनका लागि आवश्यक पर्ने टेवल, दराज, मेच, साधारण कुर्सी जस्ता फर्निचर व्यवस्थापन गर्ने कार्यका लागि यस कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट खरिद गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:**यस कार्यका लागि रु. ६,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** कार्यालय संचालनमा आवश्यक पर्ने फर्निचरको व्यवस्थापनले कार्यालयको कार्यमा सहजता ल्याउनेछ ।

#### **४. खानेपानी संरचना निर्माण (३११५६)**

##### **खानेपानी निर्माण (पाईप जडान)**

**स्थान:** बर्दिया र चितवन

**क्रियाकलाप**:हात्तीसारमा रहेका कर्मचारी, हात्तीद्वारा निकुञ्ज अवलोकन गर्न आउने पर्यटकका साथै हात्तीको निमित्त खानेपानी व्यवस्थापन गर्न यो क्रियाकलापक व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन**:यो कार्य संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट गराउनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु.४,१०,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** हात्तीसारमा आउने पर्टयक, हात्तीसारका कर्मचारी तथा हात्तीलाई खानेपानी व्यवस्था भएको हुनेछ ।

##### **खानेपानी ट्युवेल निर्माण**

स्थान: कोशीटप्पु, पर्सा

 **क्रियाकलाप**:हात्तीसारमा रहेका कर्मचारी, हात्तीद्वारा निकुञ्ज अवलोकन गर्न आउने पर्यटकका साथै हात्तीको निमित्त खानेपानी व्यवस्थापन गर्न पाईप जडानबाट सभावना नभएका तर ट्यूवेल बाट संभावना भएका स्थानमा खानेपानी व्यवस्थाका लागि यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन**:यो कार्य संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट गराउनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु.३,९०,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** हात्तीसारमा आउने पर्टयक, हात्तीसारका कर्मचारी तथा हात्तीलाई खानेपानी व्यवस्था भएको हुनेछ ।

#### **५. वन तथा वातावरण संरक्षण (३११५७)**

#####  **हात्ती र चितुवा प्रभावित क्षेत्रमा सोलार आउटडोर ल्याम्प जडान**

**स्थान: वर्दिया**

**क्रियाकलाप**:घरपालुवाट हात्ती भएको स्थानमा रातको समयमा जंगली भाले हात्ती आई घरपालुवा हात्तीलाई आक्रमण गर्ने तथा हात्तीसारका भवनहरु भत्काईदिने, दानाहरु खाई दिने जस्ता कार्यहरु गर्ने भएकोले जंगली हात्ती आएको देखियोस र उनीहरुलाई भगाउन सकियोस भन्ने उदेश्यले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । प्रचलित कानून अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट पनि यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु.२,००,०००।– वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** बर्दिया हात्तीसार क्षेत्रमा२ वटा सोलार आउटडोर ल्याम्प जडान भएको हुनेछ ।

##### **पोष्टमा सोलार जडान**

**स्थान:** चितवन

**क्रियाकलाप**: विजुली बत्तीको व्यवस्थापन गर्न नसकिने हात्तीसार क्षेत्रमा कर्मचारीका साथै जंगली हात्तीबाट घरपालुवा हात्तीलाई सुरक्षित गर्न यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति Joj:yfkgM** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ र प्रचलित कानून अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि ?= २,००,०००।– वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** हात्तीसारका ४ स्थानमा सोलार जडान गरिएको हुनेछ ।

##### **पर्यटक विश्रामस्थल निर्माण**

**स्थान:** चितवन

**क्रियाकलाप:** हात्तिसार घुम्न आउने पर्यटकहरु हात्ती अवलोकनका लागि टिकट लिनु पर्ने हुन्छ र कहिलेकाही केही समय पालो कुर्नु पर्ने समेत हुन्छ, त्यस समयमा पर्यटकहरुलाई बस्न सहज होस भन्ने उद्देश्यले यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । घाम र पानीबाट सुरक्षित हुन सेडको समेत व्यवस्था गरिएको हुनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** निकुञ्ज कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ५,००,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** चितवन रा.नि.का हात्तीसारहरुमा १ वटा पर्यटक विश्रामस्थल निर्माण भई पर्यटकलाई सहज भएको हुनेछ।

#### **अन्य निर्माण (३११५९)**

##### **हात्तीको सेडघर निर्माण**

**स्थान:** कोशीटप्पु, चितवन, बर्दिया, बांके र शुक्लाफांटा

**क्रियाकलाप:** हात्तीलाई घाम, पानीबाट सुरक्षा गर्नको लागि हात्तीको सेडघरको आवश्यकता हुने हुंदा सेडघर निर्माण गर्ने प्रयोजनका लागि यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** निकुञ्ज कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ । साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ४७,००,०००।-बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** ७ वटा नयाँ हात्तीका सेडघर निर्माण भई हात्ती सुरक्षित रुपमा बस्नलाई सहज भएको हुनेछ ।

##### **सार्वजनिक शौचालय निर्माण**

**स्थान:**चितवन

**क्रियाकलाप**: हात्तीसारमा आउने पर्यटकहरुले हात्ती बाट अवलोकनका निमित्त प्रवेशपत्र लिनु पर्ने /जाँच गर्नु पर्ने हुँदा समय लाग्ने हुन्छ । त्यसैले त्यस क्षेत्रमा पर्यटकहरुका लागि शौचालय हुन अति आवश्यक भएकोले यो क्रियाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत महिला तथा पुरुष दुबैको लागि हुने गरी शौचालय निर्माण गर्नुको साथै पानीको समेत व्यवस्था गरिनेछ । उक्त शौचालय सफा राख्ने व्यवस्था समेत कार्यालयले गर्नु पर्नेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ र प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो काम गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. २,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** चितवन रा.नि.को हात्तीसारमा सार्वजनि शौचालय निर्माण भई पर्यटकहरुलाई शौचालयको सुविधा प्राप्त भएको हुनेछ ।

##### **गोलघर/ प्रतिक्षालय निर्माण**

**स्थान:** बर्दिया रा.नि.

**क्रियाकलाप**:हात्तीबाट निकुञ्ज क्षेत्र अबलोकन गर्न आउने पर्यटकहरुले प्रवेश पत्र लिनु पर्ने, विदाका दिनमा पर्यटकहरुको संख्या धेरै हुँदा केहि समय पालो कुरेर बस्नु पर्ने समेत हुन्छ । पालो कुरेर बस्ने सिलसिलामा जथाभावी नबसुन, सुविधाजनक ढंगबाट बस्न सकुन भन्ने उदेश्यले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो । यस अन्तर्गत गोलघर/ प्रतिक्षालय निर्माण गरिनुका साथै वन्यजन्तु संम्वन्धी श्रव्य दृश्यको समेत व्यवस्थापन गर्न सकिनेछ ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि रु. ४,००,०००।-वित्तिय व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** हात्तीसारमा १ वटा गोलघर/ प्रतिक्षालय निर्माण भई आगन्तुक तथा पर्यटकहरुलाई सुविधा पुगेको हुनेछ ।

##### **मोटर ग्यारेज निर्माण**

**स्थान:** बर्दिया

**क्रियाकलाप:**हात्तीसारमा भएका सवारी साधनलाई सुरक्षित ढंगले राख्ने प्रयोजनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. १,००,०००।-बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

उपलव्धी: बर्दिया राष्ट्रिय निकुञ्जको हात्तीसारमा १ वटा मोटर ग्यारेज निर्माण भएको हुनेछ ।

##### **फलामे बार निर्माण(हात्तीसार)**

**स्थान:** पर्सा

**क्रियाकलाप**: हात्तीसारमा रहेका हात्तीहरुको नजिकबाट मानिसहरुले हात्तीलाई हेरुन, छुने चलाउने गर्न नसकुन र हात्तीबाट सुरक्षित रहुन भन्ने उदेश्यले हात्तीको सेडघर नजिक फलामे बार निर्माण गर्न आवश्यक देखिएकोले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै प्रचलित कानुन अनुसार सेवा प्रदायक संस्थाबाट यो कार्य गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. २० लाख बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

##### **हात्तीको हौदा, गद्दा, धर्ना, छनुवा निर्माण**

**स्थान:** चितवन

**क्रियाकलाप:**हात्तीसारमा हात्तीका लागि प्रयोग हुने धर्ना, छनुवा र हात्ती सफारीको समयमा प्रयोग हुने हौदा, गद्दा व्यवस्थापन गर्ने प्रयोजनाका लागी यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ साथै सार्वजनिक खरिद प्रकृयाबाट खरिद गर्न सकिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ६,००,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** हात्तीसारमा आवश्यक पर्ने हौदा, गद्दा, धर्ना,छनुवा व्यवस्था भएको हुनेछ ।

#### **पूँजिगत सुधार खर्च (३११७१)**

##### **खानेपानी मर्मत (पाईप जडान)**

**स्थान:** बर्दिया र चितवन, बर्दिया, कोशीटप्पु

**क्रियाकलाप**:हात्तीसारमा रहेका कर्मचारी, हात्तीद्वारा निकुञ्ज अवलोकन गर्न आउने पर्यटकका साथै हात्तीको निमित्त खानेपानी व्यवस्थाका लागि पाईप जडान गरि निर्माण गरिएका खानेपानी बर्षातको भेल, बाढो, पहिरो आदि कारणले बिग्रने हुँदा समय समयमा तिनलाई मर्मत सुधार गर्नु पर्ने भएकोले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन**:यो कार्य संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट गराउनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु.४,००,०००।-बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** हात्तीसारमा आउने पर्टयक, हात्तीसारका कर्मचारी तथा हात्तीलाई खानेपानी व्यवस्था भएको हुनेछ ।

##### **खानेपानी मर्मत (ट्युबेल)**

**स्थान:** चितवन, शुक्ला, कोशी

**क्रियाकलाप:** हात्तीसारमा रहेका कर्मचारी, हात्तीद्वारा निकुञ्ज अवलोकन गर्न आउने पर्यटकका साथै हात्तीको निमित्त खानेपानी व्यवस्थाका लागि जडान गरिएका ट्युवेलहरु पुरानो भै बिग्रने भएकोले तिनलाई मर्मत सुधार गर्नु पर्ने हुँदा यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यो कार्य संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गरि गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. १,८०,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** हात्तीसारमा आउने पर्टयक, हात्तीसारका कर्मचारी तथा हात्तीलाई खानेपानी व्यवस्था भएको हुनेछ ।

##### **कार्यालय भवन मर्मत सुधार**

**स्थान:** चितवन, शुक्ला, बर्दिया, कोशी ।

**क्रियाकलाप:** हात्तीसारमा रहेका कार्यालय भवन, आवास भवन, स्टोर भवन आदि मर्मत सुधार गर्ने प्रयोजनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यो कार्य संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट गराउनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. १७,००,०००।-बजेट व्यवस्था रहेको छ **।**

**उपलव्धी:** हात्तीसारमा रहेका भवनहरु मर्मत सभार भै नियमित रुपमा प्रयोगमा आएको हुनेछ **।**

##### **हात्तीको सेड घर मर्मत**

**स्थान**: चितवन, पर्सा, बर्दिया, कोशी

**क्रियाकलाप:** हात्तीलाई घाम र पानीबाट सुरक्षित राख्न निर्माण गरिएका हात्तीका सेडघरहरुका जस्ता प्वाल परि पानी चुहिने, गाडिएका पोलहरु पुरानो भै फेर्नु पर्ने लगायतका कार्यहरु गर्ने प्रयोजनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यो कार्य संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट गराउनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. १४,००,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** हात्तीका सेडघरहरु मर्मत भै हात्तीहरु सुरक्षित ढंगबाट बस्न पाएका हुनेछन् ।

##### **शौचालय मर्मत**

**स्थान:** चितवन, शुक्ला, बर्दिया, कोशी

**क्रियाकलाप:** हात्तीसारमा रहेका सार्वजनिक शौचालयहरु पुराना भै मर्मत गर्नु पर्ने भएकाले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यो कार्य संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट गराउनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ६,१०,०००।-बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** हात्तीसारमा रहेका सार्वजनिक शौचालयहरु मर्मत संभार हुनुका साथै सफासुग्घर रहेका हुनेछन् ।

##### **बिजुली वाइरिंग मर्मत**

**स्थान:** चितवन, बर्दिया, कोशी

**क्रियाकलाप:** हात्तीसारमा रहेका भवनहरुको विजुली वाररिङ पुरानो भै मर्मत संभार गर्नु पर्ने भएकोले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यो कार्य संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट गराउनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. २,६०,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** हात्तीसारका भवनहरुमा सुरक्षित विजुली वाईरिङ भएको हुनेछ ।

##### **हात्तीको हौदा, गद्दा मर्मत**

**स्थान:** बर्दिया

**क्रियाकलाप:**हात्ती सफारीका लागि प्रयोग हुने हौदा, गद्दा मर्मत संभार गर्ने प्रयोजनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:**यो कार्य कार्यालयको जनशक्ती परिचालन गरि गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. १,२०,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** हात्तीसारमा रहेका हौदा,गद्दा चालु अवस्थामा रहेका हुनेछन् ।

##### **हात्ती चढ्ने मचान मर्मत**

**स्थान:** चितवन

**क्रियाकलाप:**हात्तीबाट निकुञ्ज अवलोकन गर्ने पर्यटकहरुलाई हात्ती चढाउन बनाईएका मचानहरु घाम र बर्षातका कारण धेरै बर्षसम्म टिकि रहन सक्दैनन् । एक दुई बर्षमा नै मर्मत संभार गर्नु पर्ने हुन्छ । सोही प्रयोजनका लागि यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यो कार्य संरक्षित क्षेत्र कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नुका साथै प्रचलित कानुन बमोजिम सेवा प्रदायक संस्थाबाट गराउनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. २,००,०००।- बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

### **ख. चालु कार्यक्रम खर्च**

#### **१. कर्मचारी तालिम (२२५११)**

##### **हात्तीसारका कर्मचारीलाई हात्ती व्यवस्थपन तालिम**

**स्थान**: शुक्लाफाँटा रा.नि.

**क्रियाकलाप:**हात्तीसारहरुमा हात्ती बाँध्ने ठाउँ र हात्तीको सरसफाई गर्ने, कुची बनाउने, घाँस काट्ने, हात्ती चराउने र हात्ती चलाउने जस्ता कार्यहरु गर्ने निम्नस्तरका ठुलो संख्याका कर्मचारीहरु रिक्त रहि करार बाट सेवा लिनु पर्ने हुँदा त्यसरी भर्ना गरिएका कर्मचारीहरुलाई हात्ती व्यवस्थापन सम्वन्धी तालिम, पुनर्ताजकि तालिम दिनु पर्ने भएकोले यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:** यस कार्यका लागि संरक्षित क्षेत्र कार्यालय र हात्तीसारका कर्मचारीहरु परिचालन गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. २,००,०००।-बजेट व्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी**: हात्तीसारका कर्मचारीहरु हात्ती व्यवस्थापन कार्यका लागि दक्ष भएका हुनेछन ।

#### **२. सीप विकास तथा क्षमता अभिवृद्धि तालीम/गोष्ठी(२२५१२)**

##### **वच्चा हात्तीलाई तालिम**

**स्थान: शुक्ला**

**क्रियाकलाप:**हात्तीसारमा जन्मेका हात्तीका छावा (बच्चालाई) २ बर्ष पुगे पछि विभिन्न किसिमबाट तालिम दिनु पर्ने हुन्छ । ती नयाँ छावाहरुलाई तालिम प्रदान गरी निकुञ्ज अवलोकनको कार्यमा प्रयोग गर्ने सक्ने बनाउन यो कृयाकलापको व्यवस्था गरिएको हो ।

**जनशक्ति व्यवस्थापन:**यो कार्य हात्तीसारका जनशक्ती परिचालन गरि गरिनेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ४,००,०००।-बजेट व्यवस्था रहेको छ

#### **३. कार्यक्रम खर्च (२२५२२)**

##### **हात्तिसार व्यवस्थापन**

**स्थान:** कोशीटप्पु, चितवन, बर्दिया, बांके, शुक्लाफांटा र पर्सा

**क्रियाकलाप:** हात्तिको उचित स्वास्थ र स्वस्थ जीवनका लागि सरसफाईको भुमिका अधिक हुने गर्दछ । यसका लागि हात्ति बस्ने सेडघरको सरसफाई नियमित गरनु पर्ने हुन्छ । सरसफाइका अलावा हात्तिबाट पर्यटकको सुरक्षा र सरल अबलोकनका लागि बिभिन्न संरचनाहरु पनि बनाउनु पर्ने हुन्छ।

यस कार्यक्रम अन्तर्गत निम्न क्रियाकलापहरु पर्दछ

क. हात्तिको थान भर्ने

ख. हात्तिको सेड घर वरिपरि सोलार फेन्सिङ गर्ने

ग. बिजुलि,पानी, भित्रि बाटो, नाला बनाऊने

घ. पर्यटकलाई हात्ति अबलोकन गर्न सहज हुने किसिमले सेड घर वरिपरि पोल जाली लगाउने

ङ. हात्तीको बायोलोजि सम्बन्धी डिसप्ले,

च. हौदा निर्माण / मर्मत, भाँडा-वर्तन, पुजा, बच्चा जन्मदाको नित्यकर्म

छ. हात्तीका लागि आवश्यक औषधी खरिद आदि ।

**जनशक्ति व्यवस्थापनः** निकुञ्ज तथा आरक्ष कार्यालयले आफ्नो जनशक्ति परिचालन गर्नेछ ।

**बजेट व्यवस्थापनः** यस कार्यका लागि रु. ४० लाख बजेट ब्यवस्था रहेको छ ।

**उपलव्धी:** हात्तीसारहरु व्यवस्थित भएको हुने ।

**\***